नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, शुक्रवार 15 मई 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 355 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

रामगढ़ जिला अंतर्गत हेसला पंचायत के विस्थापित परिवारों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

झरिया एक्शन प्लान पर तेजी से हो रहा काम : सतीश चंद्र दुबे

कोल इंडिया के पास भारी मात्रा में कोयले का स्टॉक जमा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। कोयला उत्पादन में लगातार वृद्धि के बावजूद खपत में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं होने से कोल इंडिया के पास भारी मात्रा में कोयले का स्टॉक जमा हो गया है। केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि वर्तमान में कोल इंडिया के पास 115 मिलियन टन से अधिक कोयला स्टॉक मौजूद है। गुरुवार को बेरमो दौरे के दौरान सीसीएल के कथारा गेस्ट हाउस में मंत्री ने कहा कि पहले देश में कोयले की कमी के कारण कई पावर प्लांट बंद होने की स्थिति में पहुंच जाते थे लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। पावर प्लांटों के पास भी पर्याप्त कोयला भंडार मौजूद है। झरिया एक्शन प्लान के संबंध में मंत्री ने कहा कि इस परियोजना पर काफी गतिशील तरीके से काम चल रहा है। लगातार इसकी समीक्षा की जा रही है। उन्होंने बताया कि लोगों के लिए आवास, शुद्ध पेयजल, बिजली, स्कूल और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर काम किया जा रहा है। साथ ही पशुओं के लिए भी रैन बसेरा तैयार करने की योजना है। कई परियोजनाओं के टेंडर जारी हो चुके हैं और कई योजनाओं का डीपीआर तैयार कर लिया गया है। मंत्री ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में झरिया क्षेत्र में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि बरसात के मौसम में कोयला उत्पादन प्रभावित होता है। ऐसे समय में मौजूदा स्टॉक बिजली उत्पादन और उद्योगों की जरूरत पूरी करने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं बल्कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ऊर्ज़ा सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि भारत अब अपने उत्पादित कोयले को विदेशों में निर्यात करने की दिशा में भी तेजी से

आगे बढ़ रहा है। सरकार इस बात पर फोकस कर रही है कि भारतीय कोयले की खपत अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी बढ़े। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में ऊर्ज़ा क्षेत्र में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। पूरी दुनिया गैस संकट से जूझ रही है और भविष्य में कोयले की मांग बढ़ सकती है। ऐसे में भारत अभी से उत्पादन क्षमता बढ़ाने और नए बाजार तलाशने की रणनीति पर काम कर रहा है। मंत्री ने कहा कि देश में सौर ऊर्ज़ा के क्षेत्र में तेजी से काम हो रहा है इसके बावजूद बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऊर्ज़ा के विभिन्न स्रोतों का संतुलन जरूरी होगा और कोयला अभी भी देश की ऊर्ज़ा व्यवस्था की रीढ़ बना रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में घरेलू उपयोग में भी कोयले के इस्तेमाल को लेकर नई संभावनाएं तलाश की जा रही हैं। एक सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार कोकिंग कोल के आयात को कम करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। देश में नई कोल वाशरियां स्थापित की जा रही हैं और बंद पड़ी वाशरियों को फिर से चालू करने की योजना बन रही है। उन्होंने बताया कि कोल इंडिया बंद कोल वाशरियों को 30 वर्षों के लिए निजी स्टील कंपनियों को देने की तैयारी कर रही है। हालांकि इन कंपनियों को वाश्ड कोल केवल अपने प्लांट के उपयोग के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति होगी। खुले बाजार में बेचने का अधिकार नहीं दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि कोकिंग कोयला इस्पात उत्पादन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कई वाशरियों के फिर से शुरू होने से देश को विदेशों से आयातित वाश्ड कोल पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे कोल इंडिया को भी आर्थिक लाभ होगा और देश की विदेशी मुद्रा की बचत भी होगी। बेरमो दौरे के उद्देश्य पर चर्चा करते हुए मंत्री ने कहा कि कोल इंडिया की 147 भूमिगत खदानें लंबे समय से बंद पड़ी हैं। इन्हें फाइनल क्लोजर की प्रक्रिया के तहत बंद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बंद खदानों के कारण भू-स्खलन और दुर्घटनाओं की घटनाएं सामने आती रहती हैं।

आंधी-पानी ने ली दो लोगों की जान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले में बुधवार देर रात आए तेज आंधी-पानी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। हैदरनगर थाना क्षेत्र के हाई स्कूल-शिवालय रोड स्थित मरघटिया के पास एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां तेज तूफान के दौरान एक विशाल पीपल का पेड़ बाइक सवारों पर गिर गया। इस दुर्घटना में बिहार के औरंगाबाद निवासी 50 वर्षीय कामदेव चंद्रवंशी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उनके रिश्तेदार अनिल चंद्रवंशी गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार दोनों इलाज कराकर बाइक से लौट रहे थे तभी अचानक आए तेज झोंके के कारण पेड़ उखड़कर उनके ऊपर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों की तत्परता से दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने कामदेव को मृत घोषित कर दिया। घायल अनिल का इलाज एमएमसीएच मेदिनीनगर में चल रहा है जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। दूसरी घटना लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के नौडीहा गांव में सामने आई जहां एक बारात में डीजे साउंड सिस्टम लेकर जा रहे 18 वर्षीय पप्पू कुमार की जान चली गई। बताया गया कि पप्पू बारात में साउंड सिस्टम पहुंचाने के लिए जा रहा था तभी तेज आंधी के बीच एक पेड़ अचानक उस पर गिर गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तुरंत जेसीबी मशीन की मदद से उसे पेड़ के नीचे से निकालने का प्रयास किया लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और उसकी मौत हो चुकी थी। इस घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है। वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। तेज आंधी और बारिश के कारण जिले के कई हिस्सों में व्यापक नुकसान हुआ है। कई घरों की छतें उड़ गईं, एस्बेस्टस शीट और सोलर प्लेटें क्षतिग्रस्त हो गईं। ग्रामीण क्षेत्रों में पेड़ गिरने से आवागमन भी बाधित हुआ। इसके अलावा डालटनगंज रेलवे स्टेशन के पास सिंगरा इलाके में रेलवे का तार टूटने से करीब एक घंटे तक रेल परिचालन प्रभावित रहा जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रशासन ने घटनास्थलों का जायजा लेकर नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। साथ ही लोगों को सतर्क रहने और खराब मौसम में अनावश्यक बाहर न निकलने की सलाह दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

महिला की गला रेतकर हत्या

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के सदर थाना क्षेत्र स्थित मिटको कॉलोनी में गुरुवार को एक महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। महिला का शव घर में पड़ा था और स्कूल से वापस आने पर बेटे ने सबसे पहले लाश देखी। मृतका की पहचान 30 वर्षीय नेहा राज के रूप में हुई है। नेहा ने 9 साल पहले शंभू राणा से प्रेम विवाह किया था। घटना का खुलासा तब हुआ जब नेहा राज का बेटा दोपहर करीब 12:30 बजे स्कूल से घर लौटा। कमरे में प्रवेश करते ही उसने अपनी मां को खून से लथपथ देखा और चीखते हुए घर से बाहर भागा। उसकी चीख सुनकर पड़ोसी जमा हो गए। पड़ोसियों ने बच्चे से जानकारी ली, जिसने बताया कि उसकी मां के गले से खून बह रहा है और वह बोल नहीं पा रही है।

दीवार गिरने से मजदूर की मौत

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। ईस्ट बसुरिया ओपी क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में बोरवेल गाड़ी में काम करने वाले मजदूर की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में जल निकासी को लेकर बोरिंग का कार्य चल रहा था। इसी दौरान बोरवेल गाड़ी में कार्यरत मजदूर लक्ष्मण हांसदा पास में शौच के लिए गया था। तभी वहां मौजूद करीब 30 फीट ऊंची दीवार अचानक भरभराकर गिर गई और मजदूर मलबे में दब गया। मृतक की पहचान पूर्वी सिंहभूम जिले के जोबा निवासी लक्ष्मण हांसदा के रूप में हुई है।

जमीन विवाद ने ली वृद्धा की जान

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जिले के पचंबा थाना क्षेत्र अंतर्गत सुंदरटांड़ में जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया जिसमें 70 वर्षीय वृद्धा पोथवा देवी की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल व्याप्त है। मृतका के पुत्र गिरधारी यादव ने बताया कि वे लोग अपनी खतियानी जमीन पर बाउंड्रीवाल का निर्माण करा रहे थे। इसी दौरान गांव के ही किशुन यादव, बासदेब यादव, मितान यादव समेत कई लोग वहां पहुंचे और जमीन पर अपना दावा जताते हुए निर्माण कार्य रुकवा दिया।

पंजाब रेजिमेंटल सेंटर की संपत्ति कुर्क करने का आदेश

रामगढ़ (नबिटा ब्यूरो)। रामगढ़ के सिविल जज (सीनियर डिवीजन)-दो सह विशेष न्यायाधीश (एलए) शिवेंदु द्विवेदी की अदालत ने भूमि अधिग्रहण मुआवजा मामले में लगभग 1.42 करोड़ रुपये की बकाया राशि वसूली के लिए रक्षा मंत्रालय से संबंधित संपत्ति की कुर्की का आदेश जारी किया है।

आने वाला सफर संघर्षपूर्ण होगा, आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार : आलगमीर आलम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में करीब दो साल तक न्यायिक हिरासत में रहने के बाद पूर्व मंत्री आलमगीर आलम गुरुवार को जेल से बाहर आ गए हैं। हाल ही में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली है। जेल से बाहर निकलने के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए उन्होंने अपनी पहली प्रतिक्रिया दी और भविष्य की चुनौतियों पर चर्चा की। दो साल बाद जेल से बाहर आने के सवाल पर आलमगीर आलम ने सबसे पहले न्यायपालिका के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक लंबे समय बाद मैं जेल से बाहर आया हूं। मुझे माननीय न्यायालय से बेल मिली है, इसलिए मैं सबसे पहले न्यायालय का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। दो साल बाद भी समर्थकों के भारी जमावड़े और उत्साह को देखकर आलमगीर आलम भावुक नजर आए। उन्होंने अपने समर्थकों को ही अपनी सबसे बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि दो साल पहले मैं जो छोड़कर गया था आज भी वही उमंग और उत्साह बरकरार है। जो कार्यकर्ता और सहयोगी पहले मेरे साथ थे, वे आज भी उसी जोश के साथ खड़े हैं। यही मेरी असली पूंजी है। जब आलमगीर आलम से आगे के राजनीतिक सफर और संघर्ष के बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट किया कि वे आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार हैं। हालांकि समर्थकों की भारी नारेबाजी के बीच उन्होंने अपनी बात पूरी की और संकेत दिया कि आने वाला सफर संघर्षपूर्ण होगा। इससे पहले जैसे ही वह बाहर निकले परिजनों और उनके समर्थकों ने फूल-मालाओं से लाद दिया।

भवन नियमितीकरण नियमावली-2026 के तहत ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार ने रांची में अनाधिकृत रूप से बने मकानों को नियमित करने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए झारखंड अनाधिकृत निर्मित भवन नियमितीकरण नियमावली-2026 के तहत ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च कर दिया। नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने गुरुवार को प्रोजेक्ट भवन से पोर्टल का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य के हजारों लोगों को अब अपने अनियमित मकानों को वैध कराने का अवसर मिलेगा। मंत्री ने कहा कि कई लोगों ने बिना नक्शा पास कराए या मास्टर प्लान के अनुरूप निर्माण नहीं कराया था जिसके कारण वे लगातार चिंता में थे। सरकार अब ऐसे लोगों को राहत देने के उद्देश्य से यह योजना लेकर आई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल और इच्छाशक्ति के कारण यह नियमावली तैयार हो सकी।

लंबे समय तक विभागीय स्तर पर काम करने के बाद अब इसे ऑनलाइन पोर्टल के जरिए लागू किया गया है। सरकार के अनुसार इस योजना के तहत केवल जी+2 और 300 वर्गफीट तक बने मकानों का ही नियमितीकरण किया जाएगा। आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन होगा और लोगों को पोर्टल पर जाकर दो महीने के भीतर आवेदन करना होगा। अधिकारियों ने बताया कि आवेदन मिलने के बाद छह महीने के अंदर नियमितीकरण पर फैसला लिया जाएगा। सुदिव्य कुमार ने कहा कि भवन नियमितीकरण का उद्देश्य अनियमित निर्माण को बढ़ावा देना नहीं है बल्कि उन लोगों को एक मौका देना है जिन्होंने जानकारी के अभाव या अन्य कारणों से बिना अनुमति मकान बना लिया। उन्होंने बताया कि नियमों को सरल और लिबरल बनाया गया है ताकि आम लोगों को परेशानी न हो। साथ ही नियमितीकरण शुल्क को तीन किस्तों में जमा करने की सुविधा भी दी गई है जिससे आर्थिक बोझ कम होगा। कार्यक्रम में मौजूद प्रधान सचिव सुनील कुमार ने कहा कि सरकार राज्य में व्यवस्थित शहरीकरण पर गंभीरता से काम कर रही है। रांची में कई फ्लाईओवर तैयार हो चुके हैं जबकि नए फ्लाईओवरों की स्वीकृति भी मिल चुकी है। जमशेदपुर और धनबाद में भी बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि शहरों का विकास योजनाबद्ध तरीके से हो और सड़क, फुटपाथ, नाली, बस स्टैंड जैसी बुनियादी सुविधाएं व्यवस्थित हों। इस दौरान सूडा निदेशक सूरज कुमार ने पोर्टल पर आवेदन प्रक्रिया का लाइव डेमो भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में नगर विकास विभाग और राज्य शहरी विकास अभिकरण के कई अधिकारी मौजूद रहे।

तीन बार से हो रही हमारी हकमारी : बालमुच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद झारखंड में अब राजनीति राज्यसभा चुनाव पर केंद्रित हो गई है। महागठबंधन के पास संख्या बल के आधार पर दोनों सीटें जीतने की स्थिति है लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रदीप बालमुचू को आशंका है कि झामुमो की कथित चालाकी से भाजपा एक सीट हथिया सकती है। झारखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सांसद प्रदीप बालमुचू ने कहा कि हेमंत सोरेन पहली बार पार्टी की मदद से ही राज्यसभा पहुंचे थे। उस समय धीरज प्रसाद साहू के साथ हेमंत सोरेन कांग्रेस के समर्थन से चुनाव जीतकर राज्यसभा सांसद बने थे। बालमुचू ने कहा कि हमारी मंशा हमेशा सहयोगी दलों के साथ चलने की रही है

लेकिन सहयोगी दल का व्यवहार कैसा रहा, इस पर कांग्रेस आलाकमान को गंभीरता से विचार करना चाहिए। प्रदीप बालमुचू ने आरोप लगाया कि पिछले तीन बार राज्यसभा चुनाव में झामुमो ने कांग्रेस के हक पर डाका डाला है। पहली बार शिबू सोरेन को राज्यसभा भेजा गया। दूसरी बार सोनिया गांधी से आश्वासन मिलने के बाद भी हेमंत सोरेन ने महुआ माजी के नाम की घोषणा कर दी। तीसरी बार सरफराज अहमद को गांडेय से इस्तीफा दिलवाकर अपनी पत्नी को विधानसभा चुनाव लड़वाने के लिए राज्यसभा भेजा गया। बालमुचू ने कहा कि आप (झामुमो) तीन बार हमारी जगह गए जबकि उस समय संख्या बल के हिसाब से एक सीट महागठबंधन और एक भाजपा के पास जाती। अब तो स्थिति पूरी तरह महागठबंधन के पक्ष में है। प्रदीप बालमुचू ने विधायकों की संख्या का जिक्र करते हुए कहा कि झामुमो अपने उम्मीदवार के लिए 29 वोट सुरक्षित रखना चाहेगा जिसके बाद उसके पास सिर्फ 5-6 सरप्लस वोट बचेंगे। वहीं कांग्रेस के पास 16 विधायक हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि झामुमो सिर्फ एक राज्यसभा सीट का हकदार है। दूसरी सीट पर कांग्रेस का पुख्ता दावा है।

अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चतरा। जिले में पुलिस को नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। इटखोरी थाना पुलिस ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए करीब 10 लाख रुपये मूल्य का अफीम बरामद किया है। इस दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार भी किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अनिमेष नैथानी ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इटखोरी थाना क्षेत्र से एक तस्कर कार के जरिए अवैध अफीम की खरीद-बिक्री करने जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की योजना बनाई और छापेमारी टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध वाहन की जांच की। तलाशी के दौरान कार से दो किलो 28 ग्राम अफीम बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सदर थाना क्षेत्र के लिपदा गांव निवासी विकास कुमार के रूप में हुई है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी मिल सके। पुलिस अधिकारियों के अनुसार बरामद अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 10 लाख रुपये आंकी गई है। चतरा और आसपास के इलाके लंबे समय से अफीम तस्करी के लिए संवेदनशील माने जाते रहे हैं। पुलिस का कहना है कि नशा कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और तस्करों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर के खिलाफ इटखोरी थाना में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस एक्ट) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में मुख्यालय पुलिस उपाधीक्षक अमिता लकड़ा, इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह, सहायक अवर निरीक्षक पंकज कुमार, दुखीराम महतो, ओमप्रकाश यादव और जयपाल उरांव सहित पुलिस बल के कई जवान शामिल थे। पुलिस की इस कार्रवाई को जिले में नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

झारखंड में 30 जून से शुरू होगा एसआइआर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड समेत 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को हरी झंडी भारत निर्वाचन आयोग ने दे दी है। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार 1 अक्टूबर 2026 को आधार मानते हुए झारखंड में 30 जून से घर-घर सर्वेक्षण का काम किया जाएगा जो 29 जुलाई तक चलेगा। चुनाव आयोग द्वारा जारी शिड्यूल के अनुसार 29 जुलाई को मतदान केंद्रों का पुनरीक्षण होगा और 5 अगस्त को मतदाता सूची का ड्राफ्ट पब्लिकेशन होगा। 5 अगस्त से 4 सितंबर तक मतदाता सूची को लेकर आपत्ति दर्ज की जा सकेगी। वहीं 5 अगस्त से 3 अक्टूबर तक आपत्तियों का निपटारा किया जाएगा। अंतिम रूप से मतदाता सूची का प्रकाशन 7 अक्टूबर 2026 को चुनाव आयोग द्वारा किया जाएगा। झारखंड के साथ-साथ कर्नाटक, मेघालय, महाराष्ट्र और दिल्ली में भी इसी शेड्यूल के साथ एसआइआर कराए जाएंगे। तीसरे चरण में जिन 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेश में मतदाता गहन पुनरीक्षण का कार्यक्रम चलाया जाएगा, उसमें ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम, मणिपुर, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, तेलंगाना, पंजाब, नागालैंड, त्रिपुरा, दादर नगर हवेली और दमन दीव शामिल है। एसआईआर 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में चरणबद्ध तरीके से आयोजित किया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण होंगे। निर्वाचन नामावली का एसआइआर चरण-दो में हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख को छोड़कर पूरे देश को कवर करेगा। इन तीनों राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में जनगणना के दूसरे चरण की समाप्ति और ऊपरी इलाकों/बर्फबारी वाले क्षेत्रों में मौसम की स्थिति पर विचार करने के बाद, इनके लिए एसआइआर कार्यक्रम की घोषणा बाद में की जाएगी। एसआइआर चरण-दो के दौरान, 3.94 लाख से अधिक बूथ स्तर के अधिकारी गणना चरण के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 3.42 लाख बूथ स्तर के एजेंटों की सहायता से 36.73 करोड़ मतदाताओं के घर-घर जाएंगे। एसआइआर से पहले दो चरणों में 13 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों मेंस, जहां संबंधित राज्यों में एसआइआर के आदेश की तिथि तक लगभग 59 करोड़ मतदाता शामिल थे, एसआइआर प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में 6.3 लाख से अधिक बीएलओएस और राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 9.2 लाख बीएलएएस मिले थे। झारखंड में होने वाले एसआइआर के लिए 29571 बीएलओ लगाए जायेंगे, जिन्हें 2,64,89,777 मतदाता की पहचान करने की जिम्मेदारी होगी। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक राज्य में 21644 बीएलए हैं, जिन्हें मतदाता गहन पुनरीक्षण में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभानी होगी। चुनाव आयोग ने मतदाता गहन पुनरीक्षण के लिए 20 जून से 29 जून तक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने का निर्देश दिया है। उसके बाद 30 जून से घर-घर मतदाता गहन को निरीक्षण का कार्यक्रम संचालित किया जाएगा।

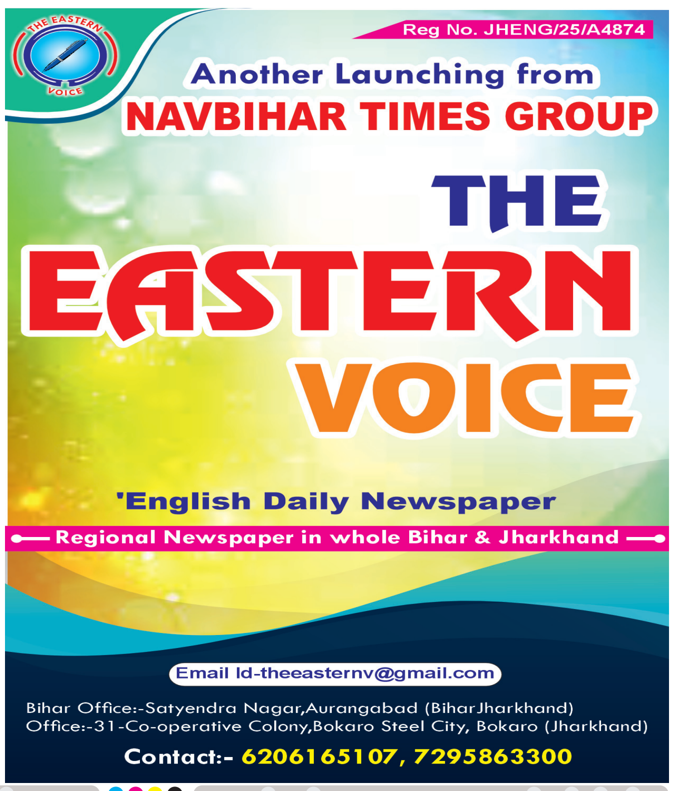

CMYK

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर होगी कार्रवाई, अस्पतालों में सुविधाएं सुनिश्चित करें : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। समाहरणालय सभाकक्ष में बुधवार को जिला स्वास्थ्य समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन पीएम अभिम मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, ब्लड बैंक संचालन, आभा कार्ड निर्माण सहित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई बैठक में उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी पीएम अभिम योजना के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। सदर अस्पताल स्थित रक्त केंद्र की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने रक्त संग्रहण एवं वितरण व्यवस्था को और सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। उन्होंने नियमित रक्तदान शिविर आयोजित करने पर भी जोर दिया ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके।बैठक में मुख्यमंत्री रख रखाव मद के तहत प्राप्त आवंटन एवं व्यय की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पीएचसी में जेनरेटर, सोलर सिस्टम, इनवर्टर तथा निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में बिजली, पेयजल, बैठने की व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए उपायुक्त ने स्वास्थ्य कर्मियों एवं चिकित्सकों की बायोमेट्रिक उपस्थिति की समीक्षा करते हुए समय पर अस्पताल पहुंचने का निर्देश दिया। साथ ही ब्लॉकवार सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, ऑपरेशन थियेटर, चिकित्सीय उपकरणों की उपलब्धता एवं मरीजों की सुविधाओं की भी समीक्षा की गई बैठक में बताया गया कि जिले में अब तक लगभग 11.4 लाख आभा कार्ड बनाए जा चुके हैं। उपायुक्त ने लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके अलावा एचएम आईएस स्टेटस, एनसी रजिस्ट्रेशन एवं एम्बुलेंस चालकों की नियमित मॉनिटरिंग की भी समीक्षा की गई सहियाओं के कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कार्य में लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने 9 से 11 माह के बच्चों के शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

कुपोषण उपचार केंद्र (एमटीसी) की समीक्षा के दौरान अधिक से अधिक कुपोषित बच्चों को भर्ती कर बेहतर इलाज उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया गया मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक सहिया को महीने में कम से कम पांच संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करना होगा।बैठक में उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी, सिविल सर्जन, उप नगर आयुक्त, अस्पताल उपाधीक्षक, सहायक नगर आयुक्त, जिला आरसीएच पदाधिकारी, संबंधित कार्यपालक अभियंता, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, बीपीएम एवं एनएचएम के अधिकारी उपस्थित थे।

छत गिरी, व्यवस्था नहीं जागी : घायल महिला ने फिर खोल दी गरीब कल्याण की पोल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। सरकारें गरीबों को पक्का मकान देने के दावे करती हैं, योजनाओं के पोस्टर चमकते हैं, भाषणों में विकास दौड़ता है, लेकिन जमीनी हकीकत अब भी टपकती छतों और गिरती दीवारों के नीचे कराह रही है। बीते रात्रि आई तेज आंधी ने एक बार फिर सरकारी आवास योजनाओं की चमकदार तस्वीर पर वास्तविकता का मलबा गिरा दिया। विजैया पंचायत के खुटवाटांड निवासी जुम्मन अंसारी की पत्नी सगीरा खातून (35) अपने बच्चों के साथ एस्बेस्टस वाले जर्जर घर में सो रही थीं। तभी तेज हवा चली और सरकार की झगरीब कल्याणझ वाली व्यवस्था की तरह घर का एस्बेस्टस भी उड़ गया। छत का हिस्सा सीधे महिला पर आ गिरा। कुछ ईंटें भी टूटीं।

फर्क सिर्फ इतना रहा कि इस बार मौत नहीं आई, केवल गंभीर चोट देकर चली गई। बच्चे का बच जाना शायद सरकारी उपलब्धि में नहीं गिना जाएगा। घटना की सूचना पर अल्पसंख्यक कल्याण मोर्चा के विस अध्यक्ष मो. कयूम अंसारी, मुखिया प्रतिनिधि मो. मंसूर सहित स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। समाजसेवियों ने तत्काल आर्थिक सहयोग कर घायल महिला को अस्पताल भेजा। प्रशासन बाद में हजानकारी लेनेह की प्रक्रिया में सक्रिय हुआ। मुखिया प्रतिनिधि ने बताया कि करीब तीन वर्ष पूर्व महिला की मां के नाम पर अंबेडकर आवास मिला था, जिसमें तीन भाई किसी तरह रह रहे हैं। स्वयं सगीरा खातून का नाम भी आवास सूची में है, लेकिन सूची से घर तक की दूरी शायद सरकारी फाइलों से भी लंबी है। पंचायत में सौ से अधिक परिवार अब भी जर्जर मकानों में रहने को मजबूर हैं। विडंबना है कि घटना के घंटों बाद तक संबंधित अधिकारियों को औपचारिक सूचना तक नहीं दी गई। शायद व्यवस्था को गरीब की चीख से ज्यादा आवेदन संख्या और पोर्टल अपडेट की चिंता रहती है। हालांकि बाद में सूचना मिलने पर बरही बीडीओ जयपाल महतो ने पंचायत सचिव को जांच के लिए भेजने की बात कही। अल्पसंख्यक कल्याण मोर्चा के अध्यक्ष मो. कयूम अंसारी ने बताया कि पीड़ित परिवार अत्यंत गरीब है और आगामी 10 तारीख को उनकी बेटी की शादी निर्धारित है। ऐसे समय में यह हादसा परिवार के लिए दोहरी मार बनकर सामने आया है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन से शीघ्र आपदा राहत कोष से मुआवजा उपलब्ध कराने तथा आवास योजना के तहत तत्काल पक्का मकान स्वीकृत करने की मांग की है। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि आखिर सरकारी आवास योजनाएं किनके लिए हैं? क्या गरीबों का नंबर सिर्फ सर्वे सूची, प्रतीक्षा सूची और चुनावी घोषणा तक सीमित रहेगा? क्या हअबुआ आवासह और हइंदिरा आवासह केवल उन लोगों तक पहुंचेंगे, जिनकी पहुंच पहले से मजबूत है? गरीब आज भी छत के नीचे नहीं, बल्कि उम्मीद और उपेक्षा के बीच रह रहा है। राजनीति का गणित भी बड़ा विचित्र है।

संक्षिप्त समाचार

वाहन जांच में 68 वाहनों से 82,400 जुमार्ना वसूला

गिरिडीह (नबिटाब)। जिला प्रशासन द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार सख्ती बरती जा रही है। उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर गुरुवार को जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष कुमार के नेतृत्व में मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित ओल्ड टोल गेट के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया अभियान के दौरान बिना वैध दस्तावेज, ड्राइविंग लाइसेंस, फिटनेस, बीमा, हेलमेट एवं अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। जांच के दौरान कुल 68 वाहनों से 82,400 जुमार्ना वसूला गया जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार चलाया जा रहा है। उन्होंने वाहन चालकों से वाहन चलाते समय सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की अभियान के दौरान वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, ओवरलोडिंग से बचने तथा निर्धारित गति सीमा का पालन करने के प्रति जागरूक भी किया गया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा से समझौता करने वालों के खिलाफ आगे भी नियमित रूप से सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कौशल विकास योजनाओं में तेजी लाने का निर्देश, युवाओं को रोजगार से जोड़ने पर विशेष जोर

गिरिडीह (नबिटाब)। उपायुक्त रामनिवास यादव ने कौशल विकास एवं श्रम विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश रामनिवास यादव की अध्यक्षता में गुरवार को समाहरणालय सभागार में कौशल विकास एवं श्रम विभाग से संबंधित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न कौशल विकास योजनाओं, रोजगार सृजन कार्यक्रमों, श्रमिक कल्याण योजनाओं एवं प्रशिक्षण गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई।उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक युवाओं एवं श्रमिकों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कौशल प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने हेतु प्रभावी पहल करने पर जोर दिया। साथ ही प्रशिक्षण केंद्रों की गुणवत्ता, प्रशिक्षण उपरांत प्लेसमेंट तथा योजनाओं की वास्तविक प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया बैठक में श्रम विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने असंगठित श्रमिकों के निबंधन कार्य में तेजी लाने, श्रमिकों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने तथा जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं सुगम तरीके से उपलब्ध कराया जाए इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन, विभागीय समन्वय को मजबूत करने तथा लक्ष्य के अनुरूप कार्य प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को नियमित फील्ड निरीक्षण कर योजनाओं की जमीनी स्थिति का आकलन करने एवं किसी भी प्रकार की लापरवाही पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी, सहायक श्रमायुक्त प्रवीण कुमार, श्रम अधीक्षक दीपिका कुमारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

माइका उद्योग को पुनर्जीवित करने की मांग

गिरिडीह (नबिटाब)। गिरिडीह एवं कोडरमा जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में बंद पड़ी माइका खदानों को पुनः चालू करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पहल करने की अपील की गई है। इस संबंध में भेजे गए आग्रह पत्र में कहा गया है कि गिरिडीह कोडरमा क्षेत्र विश्व की सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली माइका के विशाल भंडार के लिए जाना जाता रहा है पत्र में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 1980 में वन संरक्षण अधिनियम लागू होने से पूर्व इस क्षेत्र में 100 से अधिक माइका खदानें संचालित थीं। उस समय यहां से सालाना लगभग 1000 करोड़ रुपये से अधिक का माइका निर्यात होता था तथा करीब दो लाख लोग प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से इस उद्योग से जुड़े हुए थे बताया गया कि वन संरक्षण अधिनियम लागू होने के बाद अधिकांश माइका खदानें बंद हो गईं, जिससे क्षेत्र की आर्थिक स्थिति और रोजगार व्यवस्था पर व्यापक असर पड़ा। मांगकताओं ने राज्य सरकार पर इस मामले में संवेदनहीन रवैया अपनाने का आरोप भी लगाया है प्रधानमंत्री से आग्रह किया गया है कि देशहित, रोजगार सृजन और विदेशी मुद्रा अर्जन को ध्यान में रखते हुए माइका उद्योग को पुनर्जीवित करने के लिए ठोस योजना बनाई जाए।

अवैध शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, पिकअप वाहन जब्त

गिरिडीह (नबिटाब)। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, गिरिडीह द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार हिरोडीह थाना क्षेत्र के बरवाडीह गांव के आसपास अवैध विदेशी शराब की तस्करी की गुप्त सूचना पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी खोरीमहुआ के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान पिकअप व-23सी 7405 की जांच की गई, जिसमें भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद हुई पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में माणिकबाद निवासी कृष्णा साव (19 वर्ष) एवं हेमाली साव (40 वर्ष) शामिल हैं।छापेमारी के दौरान पुलिस ने कुल 345 बोतल विदेशी शराब जब्त की। जब्त शराब में रॉयल स्टैग डिलक्स व्हिस्की 375 एमएल की 245 बोतल, बी-7 स्टर्लिंग रिजर्व 375 एमएल की 45 बोतल तथा आइकोनिक व्हाइट एलीट इंटरनेशनल ग्रेन व्हिस्की 375 एमएल की 45 बोतल शामिल है। साथ ही शराब परिवहन में प्रयुक्त पिकअप वाहन को भी जब्त कर लिया गया।

निजी विद्यालयों में बिना फिटनेस व इंश्योरेंस के वाहन परिचालन पर उठे सवाल

गिरिडीह (नबिटाब)। गिरिडीह जिला सहित विभिन्न प्रखंडों में संचालित निजी विद्यालयों के वाहनों को लेकर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। आरोप है कि कई स्कूलों में बिना वैध रजिस्ट्रेशन, फिटनेस और इंश्योरेंस वाले छोटे-बड़े वाहन बच्चों के परिवहन में लगाए जा रहे हैं, जिससे स्कूली बच्चों एवं राहगीरों की सुरक्षा पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। साथ ही सरकार को हर वर्ष करोड़ों रुपये के राजस्व नुकसान होने की बात भी सामने आ रही है ताजा मामला सरिया क्षेत्र के एक निजी विद्यालय से जुड़ा बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार बुधवार को बच्चों को लेकर विद्यालय से निकली एक टाटा मैजिक वाहन ने लगभग 200 मीटर दूरी पर एक व्यक्ति को अपनी चपेट में ले लिया।

पबरा जंगल से 169 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद, तीन तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पेलावल ओपी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पबरा में अवैध ब्राउन शुगर कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 169 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई बुधवार सुबह लगभग 9 बजे की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया।

टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम पबरा स्थित बोंगा रोड जंगल क्षेत्र में छापेमारी की, जहां दो युवक अवैध ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते पकड़े गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अविनाश कुमार, पिता संतोष प्रसाद मेहता, निवासी पबरा थाना कटकमसांडी (पेलावल ओपी) तथा संदीप कुमार उर्फ निक्की, पिता तिरेन्द्र प्रसाद मेहता, निवासी हदारी थाना ईचाक के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान दोनों के पास से कुल 169 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्हें ब्राउन शुगर की सप्लाई किरण कुमारी उर्फ काजल कुमार, पति दीपक कुमार मेहता, निवासी हदारी थाना ईचाक द्वारा की जाती थी। पुलिस ने महिला आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में कटकमसांडी (पेलावल थाना) कांड संख्या 70/2026 दिनांक 14 मई 2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(), 22(), 29 एवं 32 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी संदीप कुमार उर्फ निक्की पहले भी एनडीपीएस एक्ट के दो मामलों में जेल जा चुका है। उसके खिलाफ ईचाक थाना में वर्ष 2025 और 2026 में मादक पदार्थ तस्करी से संबंधित मामले दर्ज हैं। छापामारी दल में अपर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार, सदर एसडीपीओ अमित आनंद, पेलावल ओपी प्रभारी वेद प्रकाश पाण्डेय, ईचाक थाना प्रभारी गौतम कुमार, लोहसिंघना थाना प्रभारी निशांत केरकेट्टा सहित पेलावल ओपी, ईचाक थाना के सशस्त्र बल एवं तकनीकी शाखा के जवान शामिल थे।

चन्द्रगुप्त परियोजना के विस्थापितों की समस्याओं को लेकर विधायक ने उपायुक्त से की मुलाकात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केरेडारी (हजारीबाग)। बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोशन लाल चौधरी ने हजारीबाग में उपायुक्त हेमन्त सती से शिष्टाचार मुलाकात कर चन्द्रगुप्त परियोजना क्षेत्र के विस्थापित परिवारों की वर्षों से लंबित मांगों एवं समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

मुलाकात के दौरान विधायक ने परियोजना प्रभावित एवं विस्थापित परिवारों की समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन उपायुक्त को सौंपा। ज्ञापन में पुनर्वास, रोजगार, उचित मुआवजा, मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता तथा विस्थापितों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर शीघ्र उच्च स्तरीय वार्ता आयोजित करने की मांग की गई। विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि चन्द्रगुप्त परियोजना क्षेत्र के विस्थापित परिवार लंबे समय से अपने अधिकारों और न्यायोचित मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार एवं प्रशासन को संवेदनशीलता दिखाते हुए स्थायी समाधान की दिशा में ठोस एवं सकारात्मक पहल करनी चाहिए, ताकि प्रभावित परिवारों को न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि विस्थापित परिवारों का अधिकार, सम्मान और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है तथा क्षेत्र के प्रत्येक प्रभावित परिवार को न्याय दिलाने के लिए उनका संघर्ष लगातार जारी रहेगा। वहीं उपायुक्त हेमन्त सती ने भी मामले को गंभीरता से सुनते हुए समन्वय एवं सकारात्मक पहल के साथ समाधान की दिशा में कार्य करने का भरोसा दिलाया।

12वीं परीक्षा में डीएवी पब्लिक स्कूल सीसीएल गिरिडीह का शानदार प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई द्वारा घोषित 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में डीएवी पब्लिक स्कूल सीसीएल गिरिडीह के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय, जिला एवं राज्य का नाम रोशन किया है। विद्यालय के छात्र अवी गोयल ने वाणिज्य संकाय में 99.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। उनके इस प्रदर्शन को जिले के साथ-साथ राज्य और देश स्तर पर भी बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है अवी गोयल ने अकाउंटेंसी, अर्थशास्त्र एवं चित्रकला में शत-प्रतिशत 100 अंक प्राप्त किए। वहीं व्यवसायिक अध्ययन में 99, अंग्रेजी में 98 तथा व्यवहारिक गणित में 97 अंक हासिल किए। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से पूरे विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है विद्यालय में वाणिज्य संकाय में शिरीष दारुका ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान हासिल किया। इस संकाय में कुल 10 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय की गरिमा बढ़ाई वहीं विज्ञान संकाय में स्वाति भदानी एवं अदनान आलम ने संयुक्त रूप से 92.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। विज्ञान संकाय में भी 10 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया अपनी सफलता पर अवी गोयल ने कहा कि यह उपलब्धि केवल उनकी मेहनत का परिणाम नहीं, बल्कि विद्यालय परिवार एवं शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और अवसरों का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण अत्यंत प्रेरणादायक है तथा शिक्षक विद्यार्थियों की हर समस्या का समाधान दोस्ताना व्यवहार के साथ करते हैं। यही कारण है कि छात्र बिना किसी संकोच के अपनी जिज्ञासाएं शिक्षकों के समक्ष रखते हैं विद्यालय के प्राचार्य ओमप्रकाश गोयल ने कहा कि यह परिणाम पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं तथा शिक्षकों की मेहनत की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी इस अवसर पर सहायक क्षेत्रीय अधिकारी प्रवीर हाजरा ने भी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय का वातावरण शिक्षा और अनुशासन से परिपूर्ण है, जिसका सकारात्मक परिणाम विद्यार्थियों की सफलता में स्पष्ट दिखाई देता है सीसीएल गिरिडीह के महाप्रबंधक गिरीश कुमार राठौड़ ने विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय भविष्य में भी शिक्षा की गुणवत्ता और गरिमा को बनाए रखे, यही अपेक्षा है विद्यालय प्रबंधन ने मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विशेष छात्रवृत्ति योजना भी संचालित की है। इसके तहत कक्षा 10वीं में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को वार्षिक शुल्क एवं ट्यूशन फी में 50 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। वहीं 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ट्यूशन फी में 50 प्रतिशत छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। यह सुविधा अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए भी उपलब्ध रहेगी।

प्रमंडलीय आयुक्त से लातेहार के उपायुक्त ने की मुलाकात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। प्रमंडलीय आयुक्त श्रीमती कुमुद सहाय से आज लातेहार उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री संदीप कुमार, एस.डी.ओ (लातेहार) श्री अजय रजक और पलामू ए.सी. श्री कुन्दन कुमार ने शिष्टाचार मुलाकात की। उपायुक्त ने आयुक्त को गुलदस्ता भेंट कर अभिवादन किया। यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें प्रशासनिक कार्यों, विकास योजनाओं एवं जिले की वर्तमान स्थिति को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

उपायुक्त श्री संदीप कुमार ने लातेहार जिले में चल रहे विकास कार्यों, राजस्व प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, ग्रामीण विकास तथा कानून-व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहा है। इस पर एस.डी.ओ. श्री अजय रजक ने अनुमंडल क्षेत्र में चल रहे प्रशासनिक एवं जनहित कार्यों की जानकारी दी। वहीं ए.सी. पलामू श्री कुन्दन कुमार द्वारा क्षेत्रीय प्रशासनिक गतिविधियों एवं समन्वयात्मक कार्यों पर चर्चा की । प्रमंडलीय आयुक्त ने जिले में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपायुक्त ने की आपूर्ति विभाग की योजनाओं की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंडवार योजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए बैठक के दौरान उपायुक्त ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एनएफएसए के तहत अप्रैल एवं मई 2026 माह के खाद्यान्न वितरण की समीक्षा करते हुए समयबद्ध तरीके से शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही जसएफएसएस योजना के तहत खाद्यान्न वितरण, चना दाल वितरण, मुख्यमंत्री दाल भात योजना, चीनी एवं नमक वितरण, पीवीटीजी परिवारों के लिए संचालित डाकिया योजना, जन वितरण प्रणाली तथा ग्रीन राशन कार्ड सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी लोगों तक तत्काल पहुंचायें : मुख्यमंत्री

सभी विभागों को योजनाओं के अनुश्रवण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए०आई०) का उपयोग करना चाहिये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने लोक सेवक आवास, 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' सभागार में सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग की समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक के दौरान सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के सचिव डॉ० चन्द्रशेखर सिंह ने विभाग के कार्यों की अद्यतन स्थिति तथा भावी कार्ययोजना की जानकारी दी। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार का गौरवशाली अतीत रहा है। बिहार तेजी से तरक्की कर रहा है। यहां कई महत्वपूर्ण चीजों का निर्माण कराया गया है। इनफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के साथ-साथ बेहतर कानून व्यवस्था एवं लोगों की बुनियादी सुविधाओं पर काफी काम किया गया है। राज्य में छोटे-छोटे उद्योग भी लगाये गये हैं। इसका लाभ लोगों को मिलने लगा है। उन्होंने कहा कि सरकार के कार्यों और क्रियान्वित योजनाओं की जानकारी लोगों तक ठीक ढंग से और त्वरित पहुंचना चाहिये। लोगों का फीडबैक, सुझाव और शिकायतों पर भी हमलोगों की नजर रहनी चाहिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की खासियत, यहां की उपलब्धियां, नये-नये बदलाव, हेरिटेज आदि के बारे में राज्य और राज्य के बाहर के लोगों को सुगमतापूर्वक जानकारी मिले, इसके लिये समुचित व्यवस्था की जाय। साथ ही जिलों के महत्वपूर्ण स्थलों, उसकी खासियत तथा महत्वपूर्ण आधारभूत संरचनाओं आदि की जानकारी लोगों तक जिलावार उपलब्ध हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महत्व बढ़ गया है। इसकी उपयोगिता को ध्यान में रखते हुये सभी विभाग अपनी योजनाओं के अनुश्रवण में इसका प्रयोग कर सकते हैं, इससे पारदर्शिता बढ़ेगी। साथ ही बिहार के सभी जिलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रयोग के लिये जिलावार प्लान बनायें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यदि कोई तथ्यहीन, भ्रामक या नकारात्मक खबरें प्रसारित होती हैं तो पूर्ण तथ्यों के साथ उसका तुरंत खंडन किया जाना चाहिये।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी डॉ० गोपाल सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री संजय कुमार सिंह, सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के सचिव डॉ० चन्द्रशेखर सिंह, सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के निदेशक श्री अनिल कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

गांव में बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने का वादा सरकार ने किया पूरा : तारकिशोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन योजना अंतर्गत कटिहार विधानसभा क्षेत्र के भवाड़ा पंचायत अंतर्गत दलन-पदमपुर पीएमजीएसवाई पथ में हनुमान मंदिर से नया टोला, हवेली टोला होते हुए रामपुर रेल गुमटी तक विभागीय पथ का सुदृढ़ीकरण एवं कालीकरण कार्य का पूर्व उप मुख्यमंत्री सह विधायक तारकिशोर प्रसाद ने शिलापट अनावरण एवं नारियल फोड़कर किया। इस पथ की लंबाई लगभग 02 किलोमीटर एवं लागत राशि 01 करोड़ 36 लाख रुपए है। इस अवसर पर भाजपा नेता धर्मनाथ तिवारी, वीरेंद्र यादव, अमित गुप्ता उर्फ बबलू, सकलदीप साह, सिकंदर साह, गोपाल गुप्ता, गोपाल मंडल, नारायण महतो, गोविंद उरांव, विजय चौधरी, अर्जुन दास, जितेंद्र दास, भगवान मंडल,तेज नारायण मंडल, लता देवी, मीना देवी के साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। इस अवसर पर पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कटिहार प्रखंड के चारों ओर एन एचएआई द्वारा निर्मित पथ से आवागमन सुगम कर दिया गया है। क्षेत्र में पक्की सड़कों का जाल बिछाया गया है। पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कटिहार विधानसभा क्षेत्र के साथ-साथ कटिहार जिला के चौमुखी विकास के प्रति अपने संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि बिहार में कटिहार विकास के नए आयाम को छूएगा। उन्होंने उपस्थित सभा को राज्य सरकार के सहयोग कार्यक्रम जो प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को नियमित होगा में अपनी कठिनाइयों को बताने का आग्रह किया। साथ ही आने वाले दिनों में राज्य के प्रत्येक प्रखंड में डिग्री कॉलेज खोलने का सरकार के निर्णय से लोगों अवगत कराया। उन्होंने हर खेत तक कृषि विद्युत आपूर्ति करने का आश्वासन दिया। पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके प्रयास से कटिहार विधानसभा क्षेत्र में पथों का जाल बिछाकर प्रत्येक गांव को मुख्य सड़क से जोड़ा गया है। अब नए पथ निर्माण की मांग नहीं बल्कि पूर्व के निमित्त पथ जो समय के साथ जर्जर हुए हैं, जिससे आम जनता को आवागमन में कठिनाई हो रही है। उसके सुदृढ़ीकरण एवं कालीकरण कराने की बात सामने आ रही है।

नीट पेपर लीक पर एनएसयूआई का केंद्र सरकार पर तीखा हमला, शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई ने केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला है। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनय उरांव ने परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाते हुए कहा कि लगातार सामने आ रही गड़बड़ियों का खामियाजा देश के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की लापरवाही के कारण लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है। उरांव ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधते हुए उनसे नैतिक आधार पर इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि देश में इस समय सबसे बड़ी चिंता छात्रों और युवाओं के भविष्य को लेकर है, लेकिन सरकार इस दिशा में गंभीर नहीं दिख रही है। एनएसयूआई नेता ने कहा कि नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में बार-बार हो रही अनियमितताओं ने न केवल परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाया है, बल्कि इससे जुड़े 22 लाख से अधिक छात्र और उनके परिवार मानसिक तनाव में हैं। उन्होंने कहा कि छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम और समर्पण के साथ तैयारी करते हैं, लेकिन परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता के अभाव से उनका भरोसा टूट रहा है। उरांव ने कहा कि छात्र पढ़ाई करना चाहते हैं, न कि सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करना। उन्होंने पेपर लीक के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में सख्त से सख्त सजा सुनिश्चित की जानी चाहिए। एनएसयूआई ने केंद्र सरकार पर परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित और निष्पक्ष बनाने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है।

रामगढ़ पुलिस की नई पहल 'प्रहरी' लॉन्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। जिले में अपराध नियंत्रण, अड्डेबाजी रोकने, महिलाओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से रामगढ़ के एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने गुरुवार को 'प्रहरी' नामक पहल की शुरुआत की। इस अभियान के तहत पूरे जिले में नियमित पैदल गश्ती, अड्डेबाजी के खिलाफ विशेष कार्रवाई और एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। इस मौके पर एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने रामगढ़ शहर के प्रमुख इलाकों में पुलिस पदाधिकारियों और जवानों के साथ पैदल मार्च किया।

एशिया कप से लौटी फुटबॉल खिलाड़ी दिव्यानी लिंडा का स्वागत, बेटियों के लिए बनीं प्रेरणा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची की प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ी दिव्यानी लिंडा एशिया कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चीन से लौटने के बाद गुरुवार को रांची पहुंचीं, जहां एयरपोर्ट पर उनका भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया। उनके स्वागत में खेल प्रेमियों, ग्रामीणों और बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। पूरे एयरपोर्ट परिसर में "दिव्यानी लिंडा जिंदाबाद" और "भारत माता की जय" के नारों से वातावरण गूंज उठा। स्टार वॉरियर्स फुटबॉल क्लब के दर्जनों बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर एयरपोर्ट पहुंचे और फूल-मालाओं तथा तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान कई खेल प्रेमियों ने उनके साथ तस्वीरें खिंचवाई और उनकी उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। दिव्यानी लिंडा रांची की इकलौती महिला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने एशिया कप में भाग लेकर झारखंड और देश का नाम रोशन किया है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत, संघर्ष और लगन के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का मुकाम हासिल किया। उनकी यह उपलब्धि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है। एयरपोर्ट से सीधे दिव्यानी अपने गांव और प्रशिक्षण मैदान पहुंचीं, जहां छोटे बच्चों ने भी उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने कहा कि दिव्यानी ने यह साबित कर दिया है कि बड़े लक्ष्य और सच्ची मेहनत से किसी भी परिस्थिति में सफलता हासिल की जा सकती है। इस अवसर पर समाजसेवी जगदीश सिंह जग्गू, पंचायत समिति सदस्य रश्मि तिर्की, एंजेल गार्डन स्कूल के निदेशक सुरेंद्र उरांव, 22 पड़हा अध्यक्ष बाबूलाल महली और स्टार वॉरियर्स फुटबॉल क्लब के संस्थापक सह कोच अनवरूल हक उर्फ बबलू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

देवघर में स्वास्थ्य कर्मियों को तीन महीने से नहीं मिला वेतन, आंदोलन की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। जिले के स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को पिछले तीन महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों में भारी नाराजगी और हताशा देखी जा रही है। वेतन भुगतान लंबित रहने से कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है कि मार्च और अप्रैल का महीना खर्च के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण होता है। इसी दौरान बच्चों के स्कूल एडमिशन, फीस और पढ़ाई से जुड़े अन्य खर्च बढ़ जाते हैं। ऐसे में समय पर वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों की परेशानी और बढ़ गई है। कर्मचारियों ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई के बीच परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है। स्वास्थ्य कर्मचारियों की समस्या को देखते हुए संगठन की ओर से जिला प्रशासन से जल्द वेतन भुगतान कराने की मांग की गई है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द भुगतान नहीं हुआ तो आंदोलन शुरू किया जाएगा। स्वास्थ्य संगठन के सदस्य एवं सदर अस्पताल में लैब टेक्नीशियन के रूप में कार्यरत मनोज मिश्रा ने बताया कि अगर जल्द वेतन भुगतान नहीं किया गया तो 18 मई को कर्मचारी काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद 19 मई को एक दिवसीय कार्य बहिष्कार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यदि इसके बावजूद वेतन का भुगतान नहीं हुआ तो आगे की रणनीति बनाते हुए कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को मजबूर होंगे।गौरतलब है कि मई महीने में देवघर स्वास्थ्य विभाग में वेतन घोटाले से जुड़ा मामला भी सामने आया था, जिसके बाद विभागीय व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे। हालांकि कर्मचारियों का कहना है कि राज्य सरकार की ओर से आवंटन जारी होने के बावजूद वेतन रोका जाना उचित नहीं है। स्वास्थ्य कर्मियों ने कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

अतिक्रमण के खिलाफ रेल प्रशासन की कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। सदर थाना क्षेत्र के विनोद नगर स्थित रेलवे लाइन के किनारे गुरुवार को रेल प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान बुलडोजर के माध्यम से कई मकानों को ध्वस्त कर दिया गया। इस दौरान प्रभावित परिवारों ने रेल प्रशासन की इस कार्रवाई का विरोध जताया। लोगों का कहना है कि बिना पूर्ण मुआवजा दिए ही उनके आशियाने तोड़े जा रहे हैं, जिससे दर्जनों परिवारों के सामने सिर छुपाने की समस्या उत्पन्न हो गई है।

लोगों ने की मुआवजा राशि के भुगतान की मांग

स्थानीय लोगों के अनुसार रेलवे लाइन के विस्तार को लेकर पहले अधिकारियों के साथ कई बार बैठकें हुई थी। उस दौरान आश्वासन दिया गया था कि जिन मकानों को हटाया जाएगा, उनके मालिकों को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा। लोगों का कहना है कि कुछ लोगों को मुआवजा का भुगतान कर दिया गया है, लेकिन करीब एक दर्जन परिवार ऐसे हैं जिन्हें अब तक मुआवजे की राशि नहीं मिली है। इसके बावजूद उनके घरों पर बुलडोजर चला दिया गया।

वहीं रेल प्रशासन की कार्रवाई के दौरान महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी विरोध में सड़क पर उतर आए। उनका कहना था कि जब तक सभी प्रभावित परिवारों को मुआवजा नहीं मिल जाता, तब तक अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया स्थगित की जानी चाहिए। लोगों ने आरोप लगाया कि वे वर्षों से इस इलाके में रह रहे हैं और अचानक मकान तोड़े जाने से उनका पूरा परिवार बेघर हो गया है।

भूमि विवाद में कलयुगी बेटों ने की मां की हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिलसा (नालंदा)। चंडी थाना क्षेत्र के बढ़ौरा गांव में जमीन और मकान विवाद में मां -बेटे के रिश्ते को शर्मसार कर दिया। बुधवार देर रात दो बेटों के द्वारा अपनी ही मां की गला रेतकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान बढ़ौरा गांव निवासी स्वर्गीय रामचंद्र प्रसाद की 55 वर्षीया पत्नी जिलबी देवी के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर करीब तीन घंटे तक सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। ग्रामीणों के अनुसार मृतका का मायका भी बढ़ौरा गांव में ही था और वह पिछले कुछ समय से वहीं रह रही थीं। परिवार में जमीन और मकान को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। परिजनों का कहना है कि मृतका अपने बेटों के व्यवहार से भयभीत रहती थीं। मृतका के छोटे बेटे रवि राज ने आरोप लगाया है कि बड़े और मंझले भाई का मां के साथ अक्सर जमीन को लेकर विवाद होता था। उसने बताया कि उसकी मां कई बार अनहोनी की आशंका जता चुकी थी। आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद दोनों भाइयों ने मिलकर घटना को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए और सड़क जाम कर दिया। इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई। बाद में अधिकारियों के समझाने-बुझाने पर जाम समाप्त कराया गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मृतका ने पहले भी अपनी जान को खतरा बताते हुए पुलिस से शिकायत की थी, लेकिन समय रहते कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसको लेकर ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति काफी आक्रोश देखा गया। चंडी थाना अध्यक्ष अखिलेश झा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला जमीन विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है, और दोषियों के खिलाफ लगातार छापामारी किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मुख्य अभियंता (निर्माण)/II/गार्डन रीच, कोलकाता–700043 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निम्नलिखित निविदा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गई है। निविदा नियत तिथि को 12.00 बजे बंद की जाएगी। **क्रम सं., ई–निविदा सूचना सं., कार्यों का संक्षिप्त विवरण** निम्ननुसार हैं: **(1) 4623–जीआरसी–सीई–सी–एसओ–07–2026,** उप सीई/निर्माण/ II/खड़गपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे के कार्यक्षेत्र में खड़गपुर वर्कशॉप की वैगन पीओएच क्षमता को 550 से 750 वैगन प्रति माह तक बढ़ाने में सेवा भवन, बाउंडरी वॉल, साइड ड्रेन, सड़क कार्य, मिट्टी भराई द्वारा क्षेत्र विकास, पी. वे कार्य, बैलस्ट आपूर्ति और अन्य संबंधित विविध कार्यों का निष्पादन। **अनुमानित मूल्य:** रु.40.07 करोड़। **बोली प्रतिभूति:** रु. 80,13,800/–, **समापन अवधि:** 18 माह । **(2) 4590–जीआरसी–सीई–सी–01–22–2026,** ईएलएस/बीकेएससी में 300 लोको (फेज–I) तक रखने की क्षमता बढ़ाने के लिए ईएलएस/बीकेएससी के क्षमता विस्तार हेतु कम्पोजिट कार्य, ईएलएस/बीकेएससी में इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए उन्नत रखरखाव सुविधाओं का निर्माण और ईएलएस/बीकेएससी में ट्रिप शेड का निर्माण–फॉर्मेशन और कटिंग में मिट्टी का कार्य का निष्पादन जिसमें शामिल है बैलस्टिंग सहित पी.वे लिंकिंग कार्य, साथ में लूप लाइन और साइडिंग, शेड और सेवा भवन, सड़क और प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया का निर्माण और अन्य संबंधित कार्य, जिसमें दक्षिण पूर्व रेलवे के बोकारो में यांत्रिक, एस एंड टी और विद्युत कार्य शामिल हैं। **अनुमानित मूल्य:** रु.65.63 करोड़। **बोली प्रतिभूति:** रु. 1,31,26,900/–, **समापन अवधि:** 18 माह। **(3) 4631–जीआरसी–सीई–सी–01–24–2026,** दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में अनुमोदित ईएसपी और एसआईपी के अनुसार विद्युत कार्यों सहित बोकारो स्टील सिटी स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्यों के संबंध में फॉर्मेशन और कटिंग में मिट्टी कार्य के निष्पादन, छोटे पुलों, नए प्लेटफार्म के निर्माण, एफओबी के विस्तार, पी.वे ट्रैक लिंकिंग कार्य, बैलस्ट की आपूर्ति, ईआई बिल्डिंग, अन्य सेवा भवनों, अप्रोच रोड, साइड ड्रेन, सुरक्षा कार्य, एआरटी/एआरएमई लोकेशन के स्थानांतरण आदि के लिए कम्पोजिट कार्य, **अनुमानित मूल्य:** रु.36.61 करोड़। **बोली प्रतिभूति:** रु. 73,21,500/–, **समापन अवधि:** 12 माह। **अंतिम तिथि:** दिनांक 10.06.2026 (प्रत्येक हेतु)। इच्छुक निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। किसी भी परिस्थिति में इन मदों के लिए मैनुअल निविदाएँ स्वीकार नहीं की जाएंगी। **द्रष्टव्य:** "प्रत्याशित बोलीदाता सभी अन्य निविदाओं में भाग लेने के लिए, **www.ireps.gov.in** नियमित रूप से देख सकते हैं।" **(PR-170)**

एक नजर

श्रीहनुमान जी की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न

कौआकोल। थाना क्षेत्र के जोरावरडीह गांव में चल रहे तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान के तहत गुरुवार को श्रीहनुमान जी की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा विधिवत संपन्न कराई गई। वैदिक मंत्रोच्चारण एवं धार्मिक रीति-रिवाजों के बीच आचार्य पंडित कुंदन पराशर के देखरेख में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत हवन एवं पूर्णाहुति संपन्न कर श्रद्धालुओं ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। इस अवसर पर गांव में भक्तिमय वातावरण बना रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर पूजा-अर्चना में शामिल हुए। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया तथा भंडारा का आयोजन कर सभीनको महाप्रसाद ग्रहण कराया गया। गांव के स्थानीय ग्रामीणों एवं आयोजन समिति के सदस्यों का आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नालंदा कॉलेज में एनएसएस शिविर का प्रमाण पत्र वितरित

बिहारशरीफ। एनएसएस नालंदा कॉलेज के द्वारा आयोजित सात दिवसीय स्पेशल कैम्प संपन्न होने पर छात्रों को प्रमाणपत्र वितरित किया गया। शिविर के अंतर्गत स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, जागरूकता रैली, महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम, डिजिटल साक्षरता अभियान, शिक्षा प्रोत्साहन गतिविधियां एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। शिविर के दौरान गोद लिए गए गाँव उपरौरा में भी छात्रों ने विद्यालय भ्रमण, गांववासियों के साथ चर्चा एवं जागरूकता अभियान चलाया। इस अवसर पर प्राचार्या प्रो. सुनीता सिन्हा ने शिविर में भाग लेने वाले सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी एवं कहा कि शिविर में जो प्रशिक्षण मिला है उसको समाज में आगे बढ़ाने का काम करें। एनएसएस पदाधिकारी डॉ बिनीत लाल ने कहा कि शिविर में व्यावहारिक परियोजनाओं, ज्ञानवर्धक अतिथि व्याख्यानों और सांस्कृतिक गतिविधियों के मिश्रण के माध्यम से, शिविर का उद्देश्य समुदाय की विकासात्मक आवश्यकताओं को पूरा करना और प्रतिभागियों में नागरिक कर्तव्य और नेतृत्व की भावना को विकसित करना था।

मेसकौर की प्रखंड प्रमुख बनी प्रभावती देवी

रजौली (नवादा)। रजौली अनुमंडल सभागार में गुरुवार को मेसकौर प्रखंड के प्रमुख के लिए चुनाव प्रक्रिया का आयोजन निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। गौरतलब हो कि बीते 18 अप्रैल को प्रखंड कार्यालय सभागार में एडीएम सह पर्यवेक्षक शम्भू शरण पाण्डेय की मौजूदगी में निवर्तमान प्रमुख संतोष कुमार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। इस दौरान प्रखंड के 14 पंचायत समितियों में से 10 सदस्य उपस्थित हुए थे एवं सभी ने एकमत होकर संतोष कुमार के विरुद्ध मतदान किया था,जिसके बाद उन्हें प्रमुख पद से हटना पड़ा था। प्रमुख पद खाली होने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 14 मई को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान का निर्देश दिया गया था। अनुमंडल सभागार में गुरुवार को हुए मतदान के दौरान मेसकौर प्रखंड के सभी 14 पंचायत समितियां उपस्थित थे। प्रमुख के लिए रसलपुरा पंचायत समिति प्रभावती देवी ने अपना नामांकन किया। मतदान के दौरान 14 में से 10 पंचायत समितियों का मत प्रभावती देवी को प्राप्त हुआ। नवनिर्वाचित प्रखंड प्रमुख प्रभावती देवी ने अपनी जीत का श्रेय सभी 10 पंचायत समितियों को दी। साथ ही कही कि वह पूरी तरह से जनता हित में विकास कार्य करेंगी।

जिला कृषि पदाधिकारी ने एग्री स्टैक जाकरुकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। एग्री स्टैक परियोजना के अंतर्गत नालन्दा जिले में फॉर्मर रजिस्ट्री अभियान को पुनः मिशन मोड में संचालित किये जाने को लेकर जिला कृषि पदाधिकारी, डॉ नितेश कुमार के द्वारा किसानों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से बुधवार को सभी 20 प्रखंडों के लिए जिला कृषि कार्यालय में एग्री स्टैक जाकरुकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह जागरूकता रथ नालन्दा जिले के तीनो अनुमंडलों में जाकर लोगों को फॉर्मर आईडी के लिए जागरूक करेगा। विदित हो कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की एग्री स्टैक परियोजना के अंतर्गत नालन्दा जिले में फॉर्मर रजिस्ट्री अभियान को पुनः मिशन मोड में संचालित किया जाएगा। 12 मई से 30 जून तक अधिक से अधिक किसानों का फॉर्मर आईडी बनाया जाएगा। इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी मिशन मोड में शतप्रतिशत किसानों का फॉर्मर रजिस्टेशन करवाना सुनिश्चित करें। सभी कर्मी एवं पदाधिकारी परिणामोन्मुखी कार्यशैली अपनाते हुए अपने अपने क्षेत्र में अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करें, ताकि जिले का कोई भी पात्र किसान योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर से लेकर जिला स्तर तक इस अभियान की लगातार निगरानी की जा रही है। तथा किसी भी तकनीकी अथवा प्रक्रियागत समस्या के समाधान के लिए त्वरित व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। अब तक लगभग 106190 किसानों का फॉर्मर आईडी बन चुका है। कृषि एवं राजस्व विभाग के संयुक्त प्रयास से अभियान को काफी गति मिलेगी। एग्री स्टैक परियोजना के अंतर्गत किसानों का फार्मर आईडी तैयार किया जा रहा है। जिसके आधार पर कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुँचाया जाएगा। अब तक कृषि विभाग एवं राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के संयुक्त प्रयास से जिले के 106190 किसानों का फॉर्मर आईडी तैयार किया जा चुका है। फार्मर आईडी निर्माण की प्रक्रिया में सर्वप्रथम कृषि विभाग के कृषि सलाहकार, कृषि समन्वयक, सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं प्रखंड तकनीकी प्रबंधक के माध्यम से किसानों का ई.केवाईसी किया जाता है। इसके पश्चात राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकृत कर्मियों द्वारा किसानों के नाम से जमांबदी प्रविष्टि की जाती है, जिसके बाद किसानों को फार्मर आईडी उपलब्ध हो जाती है। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि सरकार द्वारा सॉफ्टवेयर में बदलाव करते हुए किसानों को स्वयं फार्मर रजिस्टी करने की सुविधा भी प्रदान की गई है। किसान कॉमन सर्विस सेंटर, ऑनलाइन के माध्यम से भी अपना फार्मर रजिस्ट्री करा सकते है । उन्होने कहा कि जो किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से लाभान्वित हैं तथा जिनके नाम से जमाबंदी उपलब्ध है, वे शिविर में पहुंचकर आसानी से अपना फार्मर आईडी प्राप्त कर सकते हैं।

झारखंड टी20 क्रिकेट लीग 2026: ट्रॉफी लॉन्च में पहुंचे धाकड़ बल्लेबाज ईशान किशन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से राज्य क्रिकेट के लिए एक बड़ी और ऐतिहासिक पहल करते हुए झारखंड टी20 क्रिकेट लीग 2026 की आधिकारिक घोषणा की गई। रांची स्थित रेडिसन ब्लू होटल में आयोजित भव्य कार्यक्रम में लीग की ट्रॉफी लॉन्च की गई। राज्य में विश्वस्तरीय क्रिकेट प्लेटफॉर्म तैयार करने की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई। इस दौरान आयोजन को लेकर विस्तृत जानकारी साझा की गई। इस कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज और झारखंड के खिलाड़ी ईशान किशन रहे। आईपीएल के व्यस्त कार्यक्रम के बीच ईशान किशन विशेष तौर पर इस आयोजन में शामिल होने रांची पहुंचे। उनके पहुंचते ही कार्यक्रम में मौजूद क्रिकेट प्रेमियों और मीडिया कर्मियों में उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर जेएससीए अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव, उपाध्यक्ष संजय पांडेय, सचिव सौरभ तिवारी, जॉइंट सेक्रेटरी शहवाज नदीम समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस का भी आयोजन किया गया, जिसमें लीग से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी दी गई। जेएससीए अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव ने कहा कि झारखंड में क्रिकेट प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। इस लीग का उद्देश्य राज्य के खिलाड़ियों को बड़ा मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि यह आयोजन आईपीएल की तर्ज पर कराया जाएगा, ताकि झारखंड के युवा खिलाड़ियों को प्रोफेशनल क्रिकेट का अनुभव मिल सके।

उन्होंने जानकारी दी कि लीग में छह फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें रांची कैपिटल, जमशेदपुर स्टीलर्स, धनबाद किंग्स, बोकारो बुल्स, दुमका डायमंड और संथाल स्ट्राइकर्स शामिल हैं। सभी टीमों में 18 से 20 खिलाड़ियों का स्क्वाड होगा। खिलाड़ियों का चयन ऑक्शन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा।

सीबीएसई 12वीं की परीक्षा में सीता शरण मेमारियल स्कूल के 95 फिसदी छात्र हुए सफल

नबिटा ब्यूरो

बिहारशरीफ। बुधवार को सीबीएसई द्वारा वर्ग बारहवी का परीक्षाफल प्रकाशित किया गया। जिसमें सीता शरण मेमारियल स्कूल, भतहर, थरथरी, नालन्दा के बारहवी वर्ग के 95% विद्यार्थियों ने सभी विषयों में सफलता प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। सौमुख शंकर के साथ अनेक विधार्थियो ने भी पेन्टिग विषय में 100 में 100 अंक प्राप्त किया साथ ही साथ प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सौरभ कुमार वर्मा ने गणित विषय में 100 में 100 अंक लाकर विद्यालय का मान सम्मान को बढ़ाया। विद्यालय में अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले सौमुख शंकर एवं सौरभ कुमार वर्मा दोनो ने 96% अंक के साथ प्रथम स्थान, रिशु मेहता 95.4% अंक के साथ द्वितीय स्थान एवं तृतीय स्थान श्रितु पटेल 94.6% अंक के साथ सफलता हासिल किए। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ० संजय कुमार एवं प्राचार्य संजय कुमार एवं कैरियर पब्लिक स्कूल के प्राचार्य ई० संदीप कुमार, उपप्राचार्या अणुप्रिया भारती ने सभी सफल परीक्षार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद दिए। 95% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या 03 रही एवं 90 से 94 प्रतिशत अंक लाने वाले छात्रों की संख्या 12 रही। प्राचार्य संजय कुमार एवं कैरियर पब्लिक स्कूल के प्राचार्य ई० संदीप कुमार ने संबोधन में कहा कि जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति व लक्ष्य प्राप्ति हेतु दिशा व दशा देने का कार्य छात्र को खुद करना पड़ता है।

पूर्व रेलवे

शुद्धिपत्र

निविदा सूचना संख्या: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (सूचना)/756, निविदा संख्या: ईएल–एचडब्ल्यूएच–25–21–3508–आर2 के संबंध में शुद्धिपत्र, जो पूर्व में मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा द्वारा प्रकाशित की गई थी। अंतिम तिथि और समय को बढ़ाकर दिनांक 15.05.2026 को 15.00 बजे तक की जाती है। सभी अन्य सूचनाएं अपरिवर्तित रहेंगी।

HWH-65/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई. निविदा सूचना सं.: एस. जी.–664–04–संकेत–2026–27

भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई. निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं. : 1. **कार्य का नाम:** धनबाद मंडल के अंतर्गत एएसटीई बरकाकाना खंड में दोषपूर्ण सिग्नल एवं/दूरसंचार केबलों, जर्जरक्षतिग्रस्त लोकेशन बॉक्स/अधिक आयु वाले ट्रैक रिले तथा अन्य उपकरणों का प्रतिस्थापन हेतु। **क्र. सं. :** 2. **कार्य का आकलित मूल्य:** ₹ 6,89,79,671.45 (लगभग) **क्र. सं. :** 3. **कार्य का अग्रधन राशि:** ₹ 13,79,600.00 **क्र. सं. :** 4. **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:** 02.06.2026 (12:30 बजे)। **क्र. सं. :** 5. ऐसी ई. निविदाओं के तहत डाक/ कुरियर /फैक्स या व्यक्तिगत रुप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई. निविदा के ई. निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे। **द्रष्टव्य :–** प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई. निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट: http://www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

वरीय मण्डल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/0221/डीएचएन/एसएण्डटी./टी/26–27/40

बच्चों से भरी स्कूल वैन पलटी

घटना के बाद बच्चे और वाहन छोड़कर चालक फरार

कई बच्चे घायल, मौके पर अफरातफरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेतिया। पश्चिम चंपारण के बगहा से गुरुवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया, जहां स्कूल जा रहे बच्चों से भरी वैन दुर्घटनाग्रस्त हो गई। रामनगर थाना क्षेत्र के दिउलिया गांव स्थित बहुअरी मोड़ के पास एक स्कूल वैन अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे करीब 10 बच्चे घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए।

जानकारी के अनुसार, रामनगर के तौलाहा स्थित ए.के. पब्लिक स्कूल की वैन में 15 से 20 बच्चे और एक शिक्षिका सवार थीं। सभी बच्चे स्कूल जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार में बहुअरी मोड़ पार करते समय चालक वाहन से संतुलन खो बैठा और वैन सड़क से करीब पांच फीट नीचे गड्ढे में जा गिरी। हादसे के बाद चालक बच्चों और वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और बच्चों को वैन से बाहर निकाला।

सूचना मिलते ही रामनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को रामनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद कुछ बच्चों और शिक्षिका की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया रेफर कर दिया गया।

रामनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि घायलों का इलाज किया जा रहा है और गंभीर रूप से घायल बच्चों को बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए रेफर किया गया है।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। चालक की तलाश की जा रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

इस घटना के बाद निजी स्कूल वाहनों की फिटनेस, सुरक्षा मानकों और चालक की जिम्मेदारी पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

मलमास मेले की तैयारी भी हुई हाईटेक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। 17 मई से शुरू होने वाले पुरुषोत्तम मास मेले को लेकर जिला प्रशासन ने इस बार अभूतपूर्व और हाईटेक तैयारी की है। शिरडी, तिरुपति बालाजी और उज्जैन की तर्ज पर पहली बार मेले में जिग-जैग बैरिकेडिंग, रेड कॉरिडोर, बफर जोन, होल्डिंग जोन और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए व्हील चेयर जैसी विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। डीएम कुंदन कुमार ने बताया कि इस बार मेले की तैयारी राष्ट्रीय स्तर के मानकों के अनुरूप की गई है। आम और शाही स्नान के दौरान भीड़ नियंत्रण के लिए जिग-जैग बैरिकेडिंग लगाई गई है।

उन्होंने कहा कि सांप की तरह टेढ़ी-मेढ़ी यह बैरिकेडिंग श्रद्धालुओं की गति को नियंत्रित करेगी, जिससे एक साथ भारी भीड़ कुंड तक नहीं पहुंच सकेगी और भगदड़ जैसी स्थिति से बचाव होगा।

अखाड़ों के संतों और साधुओं के लिए अलग और चौड़े रास्ते आरक्षित किए गए हैं, ताकि वे बिना बाधा के कुंड तक पहुंच सकें। बिहारशरीफ-गया मुख्य मार्ग और विरायतन की ओर से श्रद्धालुओं के आने-जाने की व्यवस्था की गई है। पूरे मेला क्षेत्र को रेड कॉरिडोर, बफर जोन और होल्डिंग जोन में विभाजित किया गया है।

लगाई गई जिग-जैग बैरिकेडिंग

डीएम ने बताया कि रेड कॉरिडोर केवल एम्बुलेंस, दमकल, पुलिस और क्यूआरटी (त्वरित प्रतिक्रिया दल) जैसे आपातकालीन वाहनों के लिए आरक्षित रहेगा।

उन्होंने कहा कि किसी भी दुर्घटना या आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव दल बिना बाधा सीधे घटनास्थल तक पहुंच सकेंगे। आम श्रद्धालुओं और निजी वाहनों का प्रवेश इस कॉरिडोर में पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

सृष्टि लक्ष्मी बनीं सूर्य राघव मंदिर बड़ेम की ब्रांड एंबेसडर

चुनाव में मतदाता जागरूकता के लिए रह चुकीं हैं आइकॉन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। *नवीनगर प्रखंड के प्रसिद्ध ग्राम बड़ेम स्थित सूर्य राघव मंदिर का ब्रांड एंबेसडर औरंगाबाद जिले की प्रसिद्ध लोक गायिका सृष्टि लक्ष्मी को घोषित किया गया है।सूर्य राघव मंदिर बड़ेम के अध्यक्ष महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह एवं मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी जम्होरिया ने इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि सौर उपासना का प्रसिद्ध स्थल सूर्य राघव मंदिर बड़ेम अपने आप में एक अनोखा तीर्थ स्थल है।*

जहां भगवान सूर्य के गोद में भगवान श्रीराम और माता जानकी विराजमान है।उनके साथ सेवक भाव में भ्राता लक्ष्मण एवं संकट मोचन हनुमान जी विराजमान है।विश्व प्रसिद्ध संत त्रिदंडी स्वामी जी महाराज एवं विद्या भास्कर वासुदेवाचार्य जी महाराज के सान्निध्य में स्थापित यह मंदिर औरंगाबाद जिले के लिए एक विशेष पहचान वाला तीर्थ स्थल है। जहां दोनों ही छठ पर्व पर लाखों श्रद्धालु छठ व्रत कर सुयोर्पासना का व्रत करते हैं। इस स्थल की प्रसिद्धि औरंगाबाद जिले ही नहीं, बिहार राज्य के बाहर देश दुनिया में चर्चित है ।यहां प्रतिवर्ष जनवरी माह में राजकीय महोत्सव भी कराया जाता है इन्हीं सब बिंदुओं को देखते हुए प्रसिद्ध लोक गायिका सृष्टि लक्ष्मी को सूर्य राघव मंदिर न्यास समिति द्वारा ब्रांड एंबेसडर के रूप में मनोनीत किया गया है।जिससे इस स्थल की प्रसिद्धि और भी बढ़े। सृष्टि लक्ष्मी एक ऐसी लोक गायिका है जिनके आवाज का जादू किसी से छुपा नहीं है,इनकी मधुर गीत सुनकर लोग भाव विभोर हो जाते हैं।

मंचीय कार्यक्रम मे जब सृष्टि लक्ष्मी अपनी प्रस्तुति करती हैं तो उनकी गायकी सुनकर दर्शक दीर्घा में बैठे लोग झूमने के लिए बाध्य हो जाते हैं।पिछले वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव मे मतदाता जागरूकता के लिए जिला स्तर पर आइकॉन के रूप मे चयनित किया गया था।

कांग्रेस नेताओं ने किया पीएम का पुतला दहन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। जिला अध्यक्ष आनंद शंकर सिंह वरीय कांग्रेसी नेता अरविंद शर्मा शैलेंद्र दुबे कांग्र विजय शंकर पांडे विकास कुमार सिंह शैलेंद्र मिश्र शैल प्रखंड सदर अध्यक्ष वृज किशोर सिंह देव प्रखण्ड अध्यक्ष रवि कुमार सिंह यूवा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र पासवान एनएसयूआई आशुतोष एवं भीम कुमार रविश कुमार घीरेन्द्र सिंह वरिष्ठ नेता अजय कुमार सिंह अजय सिंह उदय सिंह नवीन शर्मा मुकेश कुमार नागेन्द्र कुमार सिंह अम्बिका पासवान शैलेश कुमार सिंह वैगरह नीट के प्रश्न पत्र लीक एवं 22 लाख छात्र एवं छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ के विरोध में जिला अध्यक्ष आनंद शंकर के नेतृत्व में प्रधानमंत्री का पुतला दहन कार्यक्रम एवं शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का त्याग पत्र का मांग किया गया।

मंत्री ने पुनर्वास नीति को ले झारखंड सरकार पर साधा निशाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे दो दिवसीय दौरे पर धनबाद पहुंचे हैं। धनबाद के भू-धंसान और डेंजर जोन में रहने वाले हजारों लोगों के सुरक्षित पुनर्वास को लेकर झरिया मास्टर प्लान 2.0 केंद्र सरकार लेकर आई है। इस महत्वाकांक्षी पुनर्वास योजना के तहत भू-धंसान प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेलगढ़िया टाउनशिप में बसाने का प्रयास किया जा रहा है।इसे लेकर बेलगढ़िया टाउनशिप में बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ रोजगार, ई-रिक्शा और प्रशिक्षण की समुचित व्यवस्था बीसीसीएल और जिला प्रशासन द्वारा लगातार की जा रही है। इसके बावजूद लोग बेलगढ़िया आने में संकोच कर रहे हैं। केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने पुनर्वास और विस्थापन नीति के सफल नहीं होने के लिए झारखंड सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पुनर्वास को लेकर झारखंड सरकार का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। राज्य सरकार के सहयोग के बिना विस्थापन की समस्या का समाधान संभव नहीं है। मंत्री ने कहा कि जिन क्षेत्रों में विस्थापन का मुद्दा है, वहां गैस रिसाव और भू-धंसान जैसी गंभीर समस्याएं लगातार बनी हुई हैं। ऐसे में जब भी किसी प्रकार की दुर्घटना या नुकसान होता है, तो केंद्र को जिम्मेदार ठहराया जाता है। मंत्री ने केंदुआडीह-धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग को बंद करने की बात कही और भू-धंसान व गैस रिसाव प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों से सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोगों की जान सबसे पहले है।

रसोई गैस से हो रहा अंतिम संस्कार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। जिले में रसोई गैस किल्लत को लेकर उपभोक्ता परेशान हैं। रोजाना गैस एजेंसियों पर घंटों इंतजार के बाद सैकड़ों लोगों को खाली सिलिंडर लेकर वापस घर लौटना पड़ता है। कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर के अभाव से कई औद्योगिक इकाइयां भी प्रभावित है।

ऐसे हालात में शहर के भीगो स्थित श्मशान घाट में घरेलू गैस सिलिंडर का प्रयोग कर शव के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया नगर निगम कर्मी संपन्न करा रहे हैं। इसे देख लोग आश्चर्यचकित ही नहीं हो रहे बल्कि, आक्रोश भी व्यक्त कर रहे हैं।

घरेलू गैस सिलिंडर का दूसरा प्रयोग प्रतिबंधित है। ऐसे में दरभंगा नगर निगम गैस आधारित शवदाह प्लांट में इसका इस्तेमाल कैसे हो रहा है, यह बताने को कोई तैयार नहीं है। हालांकि, वाहवाही लेने वाले कई सफेदपोश आगे हैं।शवदाह प्लांट के बगल में बने 18 कनेक्शन प्वाइंट में बुधवार को चार रसोई गैस सिलिंडर लगा मिला। जबकि, शेष प्वाइंट खाली थे। यहां निगम के द्वारा शवदाह कार्य के लिए पांच कर्मी महेंद्र महतो, राजीव कुमार, सुनील मल्लिक, संजय महतो एवं किशोरी सहनी तैनात हैं। इनका कहना है कि मेरा काम शव जलाना है, रसोई गैस सिलिंडर कहां से आता है, इसकी जानकारी नहीं है। गैस प्लांट से एक शव जलाने में करीब 90 मिनट लगता है। इस दौरान 14 लीटर वाली दो रसोई गैस सिलिंडर की खपत होती है। इसका उपयोग लावारिस शवों को जलाने में अधिक करने की बात कही।

आम लोगों के लिए निगम के द्वारा मुफ्त में शवदाहगृह की सुविधा दी गई है। सिर्फ शव जलाने वाले स्वजन को गैस सिलिंडर उपलब्ध कराना होता है। हालांकि, शवदाहगृह में लकड़ी और उपले पर शव जलाने के लिए शेड भी बना है। जहां एक साथ सात स्थल बना है।

सूत्र बताते हैं कि अरसे से शवदाहगृह में रसोई गैस की धड़ल्ले से खपत हो रही है। किल्लत भरे माहौल में दोगुने दाम में 14 लीटर का रसोई गैस सिलिंडर की खरीद बिक्री होती है।

एक महीने में करीब 25-30 शव जलाया जाता है। जिसमें से करीब 10 से 15 शव गैस प्लांट में जलाया जाता है। इसके लिए महीने भर में 50 से अधिक रसोई गैस सिलिंडर खर्च हो रहा है।

दरभंगा नगर निगम के उपनगर आयुक्त जयचंद अकेला ने कहा कि श्मशान घाट में कौन-से सिलिंडर प्रयोग हो रहा है यह संज्ञान में नहीं है। कर्मियों से जानकारी ली जायेगी।

छात्रा की मौत पर उठ रहे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सासाराम। जिले के चेनारी प्रखंड स्थित खुरमाबाद के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में गुरुवार दोपहर एक छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद विद्यालय प्रबंधन में हड़कंप मच गया, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृत छात्रा की पहचान कैमूर जिले के अधौरा प्रखंड के बंधा गांव निवासी तिलकधारी सिंह की 10 वर्षीय पुत्री इंदु कुमारी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि छात्रा ने सीने में दर्द की शिकायत की थी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए शिवसागर सीएचसी में भर्ती कराया गया। रोहतास के सिविल सर्जन डॉ. मणिराज रंजन ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद बच्ची की हालत गंभीर होने पर उसे सदर अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। सिविल सर्जन ने कहा कि फिलहाल मौत के कारणों को लेकर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां शव देखते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने घटना को लेकर आशंका जताई है। वहीं विद्यालय में पढ़ने वाली अन्य छात्राओं के बीच भी डर और दहशत का माहौल है।

संतुलित उर्वरक के प्रयोग का प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। कृषि विज्ञान केंद्र सिरिस में एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य संतुलित उर्वरक के प्रयोग है। वहीं प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न प्रखंडों से किसान शामिल हुए। इस मौके पर केंद्र के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डा. विनय कुमार मंडल ने उपस्थित सभी प्रशिक्षणार्थियों को संतुलित उर्वरक के प्रयोग के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। साथ ही सतुलित उर्वरक के प्रयोग पर बल दिया। वहीं तकनीकी सत्र में डा. प्रतिभा कुमारी और डा. आशुतोष कुमार ने बताया कि संतुलित उर्वरक का मतलब सिर्फ बराबर मात्रा नहीं बल्कि फसल और मिरी की आवश्यकता के अनुसार सही मात्रा है। सरल शब्दों में इसका अर्थ फसल की आवश्यकता, मिरी के प्रकार और उसमे मौजूद तत्वों की जांच के आधार पर नाइट्रोजन फास्फोरस और पोटैशियम जरूरी पोषक तत्वों को सही अनुपात में देना। मिरी की उर्वरता बनाए रखने एवं फसल उत्पादकता बढ़ाने के लिए उर्वरकों को सही मात्रा, सही समय, सही विधि एवं सही जगह का प्रयोग करना चाहिए। साथ ही जैविक उर्वरकों, वर्मी कम्पोस्ट, हरी खाद का प्रयोग लाभकारी है।

बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे सैकड़ों परिवार

नल जल योजना बनी शो पीस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। जिले के मोहनपुर प्रखंड की ग्राम पंचायत अमकोला के वार्ड संख्या-9 में सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना सिर्फ दिखावा बनकर रह गई है।

योजना के तहत लगभग 600 परिवारों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने का दावा किया गया था, लेकिन आज तक एक भी घर में पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। स्थिति यह है कि लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई पानी टंकी कई महीनों से खराब पड़ी हुई है और पूरे गांव के लोग पेयजल संकट झेलने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि योजना का कार्य केवल कागजों और दिखावे तक सीमित रहा। पाइपलाइन और जलापूर्ति व्यवस्था पूरी तरह ठप है, जबकि गांव के लोग अब भी पुराने चापाकलों और अन्य असुरक्षित जल स्त्रोतों पर निर्भर हैं। खासकर गर्मी के दिनों में लोगों की परेशानी और बढ़ गई है ।स्थानीय लोगों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार पंचायत प्रतिनिधियों एवं प्रखंड कार्यालय में शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई।

ग्रामीणों का कहना है कि ना तो पंचायत के मुखिया स्थिति देखने पहुंचे और ना ही संबंधित अधिकारियों ने खराब पड़ी योजना को चालू कराने की गंभीर कोशिश की।

इस संबंध में पूछे जाने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी दीप्ति कुमारी सुमन ने बताया कि यह योजना पीएचईडी विभाग के अधीन है। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि प्रखंड प्रशासन को भी जनता की समस्या के प्रति जिम्मेदारी निभानी चाहिए और संबंधित विभाग पर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से अविलंब जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने तथा बंद पड़ी नल-जल योजना को शीघ्र चालू कराने की मांग की है, ताकि लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके।

चौर से युवक की लाश बरामद

बेगूसराय। बखरी थाना क्षेत्र के लौछे गांव में बुधवार की रात बेखौफ अपराधियों ने गोली मारकर युवक की हत्या कर दी। गोली युवक के सिर और छाती में मारी गई है। मृतक गांव के विपुल सिंह का पुत्र 29 वर्षीय रोबीन सिंह है। देर रात एक बजे शव घर से दूर पोठियारी चौर में मिला है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम में भेजकर तहकीकात में जुट गई है।

थानाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस हत्या के कारणों का पता कर रही है। स्वजन के आवेदन या फर्द बयान का इंतजार किया जा रहा है। उसके बाद अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

छापेमारी करने पहुंची पुलिस टीम पर हमला, पुलिसकर्मी घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। नारदीगंज थाना क्षेत्र के पंचाने नदी के समीप बुधवार की देर शाम में बालू खनन के विरुद्ध छापेमारी को पहुंची पुलिस टीम पर हमला किया गया। इस घटना में एक पुलिसकर्मी के घायल होने की सूचना है।

पुलिस ने ट्रैक्टर समेत चालक को पकड़ने का प्रयास किया इसी क्रम में एक पुलिसकर्मी जख्मी हो गए।इस बीच बालू माफिया वहां से भाग निकला। नवादा के किसी निजी अस्पताल में इलाज के बाद जख्मी पुलिस कर्मी को पटना रेफर किया गया है।

इस बारे में नवादा एसपी अभिनव धीमान ने बताया कि मधुबन के पास पुलिस टीम छापेमारी के लिए पहुंची थी। इसी में एएसआई नागेंद्र कुमार जख्मी हुए हैं। नवादा में प्रारंभिक इलाज के बाद पटना भेजा गया है। उनके स्वजन को सूचना दे दी गई है।

जिले के नेमदारगंज थाना क्षेत्र में बालू घाट पर रंगदारी को लेकर हथियारबंद बदमाशों ने एक ट्रक को आग के हवाले कर दिया। घटना धनवारा गांव के समीप की बताई जा रही है।

बदमाशों ने ट्रक चालक और उप चालक को हथियार के बल पर नीचे उतारकर ट्रक में पेट्रोल छिड़क आग लगा दी तथा कई राउंड हवाई फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दी।

जानकारी के अनुसार ट्रक चालक अरविंद यादव और उप चालक राहुल कुमार कुंज बालू घाट ब्लाक नंबर-04 से बालू लोड कर लौट रहे थे। इसी दौरान पांच से छह की संख्या में रहे नकाबपोश बदमाशों ने ट्रक रोक लिया। चालक और उप चालक को नीचे उतारने के बाद बदमाशों ने ट्रक में आग लगा दी। देखते ही देखते ट्रक का अगला हिस्सा जलकर क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना के बाद चालक ने ट्रक मालिक पचगामा निवासी उदय कुमार को सूचना दी। सूचना मिलते ही नेमदारगंज थानाध्यक्ष रंजीत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

बताया जाता है कि घटनास्थल से करीब 500 मीटर पहले भी कुछ बदमाशों ने ट्रक रोककर चालक से 200 रुपये रंगदारी मांगी थी। चालक द्वारा 500 रुपये देने पर बदमाशों ने 300 रुपये वापस कर दिए थे। इस मामले में ट्रक मालिक के बयान पर नेमदारगंज थाने में कांड संख्या-187/26 दर्ज किया गया है। पुलिस ने पांच-छह अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रंगदारी, आगजनी एवं आर्म्स एक्ट की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शहीद बैकुंठ शुक्ल के शहादत दिवस पर पद यात्रा एवं संकल्प सभा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी महान स्वतंत्रता सेनानी, शाहीदे आजम भगत सिंह की शहादत के प्रतिशोधी शहीद बैकुंठ शुक्ल के 92 वां बलिदान दिवस के अवसर पर गयाजी केंद्रीय कारा से विशाल पदयात्रा निकाला जो रामपुर थाना, गया कॉलेज, अनुग्रहपूरी कॉलोनी, आशा सिंह मोड़ होते चाणक्यपुरी बैकुंठ शुक्ल नगर होते, शहीद बैकुंठ शुक्ल पार्क पहुच कर संकल्प सभा में तब्दील हो गया।

पदयात्रा एवं शहादत समारोह कार्यक्रम में शामिल विधान परिषद जीवन कुमार, पूर्व मंत्री बिहार सरकार अवधेश कुमार सिंह, पूर्व विधान परिषद संजीव श्याम सिंह, पूर्व विधायक सतीश कुमार दास, पूर्व विधायक कृष्ण नंदन यादव, रंजीत कुमार, विजय कुमार मिट्ठू, लालजी प्रसाद, गजेंद्र सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता अधिवक्ता मुकेश कुमार, कौशलेंद्र कुमार मोहम्मद इकबाल हुसैन, सुरेंद्र सिंह सुरेंद्र, कपिलदेव प्रसाद, मोहम्मद याहीया सुधीर शर्मा, निशी कांत शर्मा, अशोक शर्मा, नीरज कुमार शर्मा, राजेन्द्र दुबे, अर्जुन यादव, विराज कुमार, आदि शहीद बैकुंठ शुक्ल अमर रहे, जब तक सूरज- चांद रहेगा, शहीद बैकुंठ शुक्ल का नाम रहेगा, गयाजी केंद्रीय कारा का नामकरण शहीद बैकुंठ शुक्ल करना होगा आदि नारों को बुलंद करते हुए कहा कि शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव की फांसी की सजा में अँग्रेजी हुकूमत के मुखबिर, तथा इकबालिया गवाह देने वाले गद्दार फनीन्द नाथ घोष को मौत के नींद सुलाने वाले शहीद बैकुंठ शुक्ल को 14 मई 1934 अँग्रेजी हुकूमत ने गया केंद्रीय कारा में फांसी दिया था।

प्रतिमा स्थापित करने के अतिरिक्त कारा का नाम बदलने की मांग

आज भी गया केंद्रीय कारा के वार्ड नंबर 15 का वह कमरा जिसमें शहीद बैकुंठ शुक्ल रहते थे, उस कमरे की नियमित साफ, सफाई एवं उस कमरे में रखे बेड के चादर भी बदले जाता है।

उन्होंने कहा कि परंतु अभी तक राज्य सरकार गयाजी केंद्रीय कारा का नामकरण शहीद बैकुंठ शुक्ल केंद्रीय कारा नहीं किया गया, जबकि मुजफ्फरपुर केंद्रीय कारा में शहीद खुदी राम बोस को फांसी की सजा होने पर उसका नाम शहीद खुदी राम बोस केंद्रीय कारा है, तो भागलपुर केंद्रीय कारा में शहीद जुबा सहनी को फांसी की सजा होने के कारण इस जेल का भी नाम शहीद जुबा सहनी केंद्रीय कारा है।

समिति द्वारा गाया के स्थानीय शहीद बैकुंठ शुक्ल पार्क में इनकी आदमकद कास्य प्रतिमा स्थापित कराने के संकल्प के साथ कार्य जारी है, जिसमें संपूर्ण गयाजी वासियों से सहयोग को अपेक्षा रखते हुए लोगों से ज्यादा से ज्यादा लोग से सहयोग करने का भी आह्वान किया गया। नेताओं ने राज्य सरकार से यथाशीघ्र गया केंद्रीय कारा का नामकरण शहीद बैकुंठ शुक्ल करने तथा इनकी जीवनी बिहार के पाठ्य पुस्तकों में शामिल करने की मांग दोहराई है।

जनता को सूचनाओं से लैस करने के लिए एआई के इस्तेमाल पर सीएम का जोर

सरकारी योजनाओं की सही और त्वरित जानकारी जनता तक एआई से पहुंचाने की तैयारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार अब सरकारी योजनाओं की सही और त्वरित जानकारी जनता तक पहुंचाने के लिए एआई के इस्तेमाल पर विचार कर रही है। इस दिशा में सरकारी प्रयासों की गंभीरता तब रेखांकित हुई जब खुद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी आम लोगों तक तेज, प्रभावी और सही तरीके से पहुंचनी चाहिए। उन्होंने योजनाओं की निगरानी और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के व्यापक उपयोग पर भी जोर दिया। वे सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक के दौरान सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह ने विभागीय कार्यों की अद्यतन स्थिति और भावी कार्ययोजना की जानकारी प्रस्तुत की। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार का गौरवशाली इतिहास रहा है और राज्य तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में आधारभूत संरचना, कानून व्यवस्था, बुनियादी सुविधाओं और छोटे उद्योगों के क्षेत्र में व्यापक काम हुआ है, जिसका लाभ अब लोगों तक पहुंचने लगा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की विशेषताओं, विरासत, नए बदलावों और जिलों की महत्वपूर्ण पहचान को राज्य और देशभर के लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए समुचित व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी जिलों के प्रमुख पर्यटन स्थलों, आधारभूत संरचनाओं और स्थानीय खासियतों की जानकारी जिलावार उपलब्ध कराई जाए। सम्राट चौधरी ने कहा कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता तेजी से बढ़ रही है। सभी विभाग अपनी योजनाओं के अनुश्रवण में इसका उपयोग करें तथा जिलावार एआई आधारित कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक और तथ्यहीन खबरों का तत्काल तथ्यों के साथ खंडन करने का भी निर्देश दिया। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, सचिव लोकेश कुमार सिंह, विशेष कार्य पदाधिकारी डॉ. गोपाल सिंह, सचिव संजय कुमार सिंह तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक अनिल कुमार समेत कई वरीय अधिकारी मौजूद रहे।

एनटीपीसी पूर्वी क्षेत्र-1 मुख्यालय में हिन्दी कार्यशाला आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

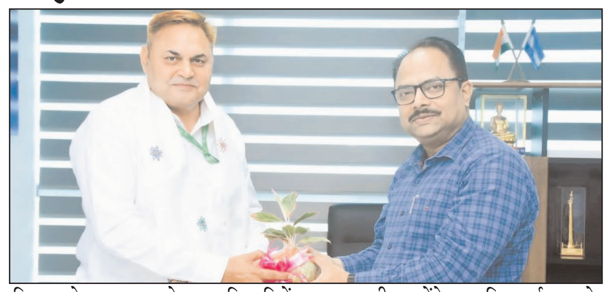

पटना। एनटीपीसी के पूर्वी क्षेत्र-1 मुख्यालय में गुरुवार को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के उपनिदेशक (राजभाषा) शमशेर सिंह ने किया। कार्यशाला के दौरान उपनिदेशक शमशेर सिंह ने एनटीपीसी पूर्वी क्षेत्र-1 मुख्यालय में राजभाषा नीति के अनुपालन हेतु किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने राजभाषा अधिनियम, 1963 एवं राजभाषा नियम, 1976 के तहत जारी दिशा-निर्देशों के प्रभावी अनुपालन पर विशेष बल दिया। साथ ही सरकारी कार्यों से संबंधित 14 प्रकार के दस्तावेजों को द्विभाषी रूप में जारी करने के संबंध में आवश्यक निर्देश भी दिए। इस अवसर पर श्री सिंह ने राजभाषा हिन्दी के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा के सफल क्रियान्वयन के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने हिन्दी के प्रभावी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए पूर्वी क्षेत्र-1 मुख्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना भी की। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (मानव संसाधन) विल्सन अब्राहम ने राजभाषा प्रावधानों के शत-प्रतिशत अनुपालन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कार्यशाला के दौरान प्राप्त सुझावों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। कार्यशाला में सभी विभागाध्यक्षों एवं कर्मचारियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने और कार्यालयी कार्यों में हिन्दी के अधिकाधिक उपयोग पर विशेष चर्चा की गई।

मुजफ्फरपुर में 11 सौ करोड़ के निवेश से स्थापित होगा सीमेंट कारखाना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में औद्योगिक विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में बड़े निवेश प्रस्ताव लगातार राज्य की बदलती औद्योगिक तस्वीर को मजबूत कर रहे हैं। उद्योग अनुकूल नीतियों और निवेशकों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का परिणाम है कि देश के प्रमुख औद्योगिक समूह अब बिहार को अपने विस्तार के लिए एक मजबूत गंतव्य के रूप में देख रहे हैं। तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक वातावरण के बीच राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड की 67वीं बैठक में अंबुजा कॉन्क्रीट नॉर्थ प्रा. लि. की बड़ी सीमेंट परियोजना को मिली स्टेज 1 स्वीकृति राज्य के औद्योगिक भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। यह निवेश न केवल औद्योगिक विकास को नई गति देगा, बल्कि रोजगार, आधारभूत संरचना और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी व्यापक रूप से मजबूत करेगा। कंपनी द्वारा औद्योगिक क्षेत्र महवल, मुजफ्फरपुर में लगभग 1114.94 करोड़ के निवेश से 8219एमटीपीडी क्षमता की सीमेंट इकाई स्थापित की जाएगी। यह परियोजना बिहार में सीमेंट एवं निर्माण क्षेत्र से जुड़े उद्योगों के विस्तार में मील का पत्थर साबित हो सकती है। आधुनिक तकनीक आधारित यह इकाई उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता एवं पर्यावरणीय मानकों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उद्योग विभाग के सचिव सह बियाडा एवं आइडा के प्रबंध निदेशक कुंदन कुमार ने कहा कि बिहार में तेजी से विकसित हो रहा औद्योगिक वातावरण अब बड़े निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। अंबुजा की यह परियोजना राज्य में निवेशकों के बढ़ते विश्वास का प्रतीक है जिससे रोजगार, आधारभूत संरचना और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

महासंघ की ओर से 15 सूत्री मांग पत्र शिक्षा मंत्री को सौंपा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय कर्मचारी महासंघ का एक प्रतिनिधिमंडल उच्च शिक्षा मंत्री से मिला तथा उन्हें नवगठित उच्च शिक्षा विभाग के मंत्री पद का दायित्व संभालने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महासंघ की ओर से 15 सूत्री मांग-पत्र मंत्री को सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के कर्मचारियों के वेतन एवं पेंशन भुगतान में हो रही देरी की ओर मंत्री का ध्यान आकृष्ट करते हुए शीघ्र भुगतान सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया। साथ ही उच्च शिक्षा में शैच्छनिक एवं प्रशासनिक सुधार एवं बेहतरी का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल में महासंघ के अध्यक्ष वेंकटेश कुमार, महामंत्री रोहित कुमार, प्रेमचंद, प्रमोद कुमार, दीपक कुमार, शशि रंजन, मनोज कुमार सिंह, विनोद कुमार, संजीव कुमार, राजकमल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री की राष्ट्रहित अपीलों को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

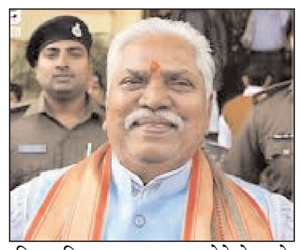

पटना। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने देशवासियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रहित में की गई अपीलों को गंभीरता से लेने और उन्हें जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक परिस्थितियों का प्रभाव सीधे आम जनजीवन और देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय तनाव, आर्थिक चुनौतियां, ऊर्जा संकट तथा पर्यावरणीय समस्याओं के बीच प्रधानमंत्री द्वारा किए गए आह्वान देश को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने अपने विस्तृत संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री की अपीलों का उद्देश्य केवल वर्तमान संकट से निपटना नहीं, बल्कि भारत को दीर्घकालिक रूप से मजबूत एवं सुरक्षित बनाना है। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा अध्यक्ष होने के नाते वे यह महसूस करते हैं कि प्रधानमंत्री के संदेशों को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अनावश्यक रूप से सोना खरीदने से बचने की अपील की है। भारत दुनिया में सबसे अधिक सोना आयात करने वाले देशों में शामिल है और अत्यधिक सोना खरीदने से देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ता है। ऐसे में नागरिकों को निवेश और बचत की ऐसी आदतें अपनानी चाहिए जिससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विदेश यात्राओं को भी केवल आवश्यकता पड़ने पर ही करने का आग्रह किया है। इसका उद्देश्य विदेशी मुद्रा की बचत के साथ-साथ देश के भीतर पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि भारत प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक स्थलों से समृद्ध देश है। यदि लोग देश के पर्यटन स्थलों को प्राथमिकता देंगे तो इससे स्थानीय रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा। उन्होंने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि राष्ट्रहित में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए संदेशों को समझना और अपने जीवन में अपनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इससे न केवल देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का सपना भी साकार होगा।

विदेश-यात्राओं पर हुए खर्च के श्रोत का राहुल गांधी करें खुलासा : मंगल पाण्डेय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा विदेशी-मुद्रा की बचत के लिए की गई सात अपील की आलोचना करने वाली कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाते हुए उसकी फंडिंग का खुलासा करने की मांग की है। श्री पाण्डेय ने कहा है कि राहुल गांधी लगभग 22 वर्षों से निर्वाचित जनप्रतिनिधि है। इन 22 वर्षों में उनकी घोषित और पब्लिक डोमेन में आई सूचना के अनुसार उन्होंने 54 विदेश यात्राएं की है जिन पर कुल 60 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। राहुल गांधी को बताना चाहिए कि उनकी यात्राओं की फंडिंग का स्रोत क्या रहा है। राहुल गांधी की अधिकांश विदेश की यात्राएं निजी थी। इनमें इनकी इटली, यूनाइटेड किंगडम, यूनाइटेड स्टेट्स, जर्मनी, वियतनाम, कंबोडिया, सिंगापुर, बहरीन, मालदीव्स, कतर, यूनाइटेड अरब एमिरेट्स आदि देश शामिल हैं। 3 मई 2026 को उनकी अघोषित यात्रा मस्कट और ओमान की रही है। उनकी प्रत्येक विदेश यात्रा में लगभग 3-4 लोग उनके साथ रहे हैं। उनकी विदेश यात्राओं का कुल खर्च 60 करोड़ रुपये रहा है जबकि 2013-14 से 2022-23 तक राहुल गांधी की घोषित आय 11 करोड़ रुपये थी। 11 करोड़ रुपये की आय के साथ राहुल गांधी ने 60 करोड़ रुपये खर्च कर विदेश यात्राएं कैसे की।

पंचायत स्तर पर होगा जन समस्याओं का ऑन स्पॉट समाधान

राज्य के सभी पंचायतों में महीने के पहले व तीसरे मंगलवार को लगाए जाएंगे 'सहयोग शिविर'

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। 'सबका सम्मान, जीवन आसान' अभियान के तहत बिहार सरकार ने पंचायत स्तर पर 'सहयोग शिविर' लगाकर जन-समस्याओं का ऑन स्पॉट समाधान करने फैसला लिया है। इस सहयोग शिविर का मुख्य उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है, ताकि लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़े। इस शिविर में आम लोगों को पंचायत स्तर पर ही सभी प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। 'सहयोग शिविर' बिहार सरकार की एक ग्रासरूट गवर्नेंस पहल है जिसका लक्ष्य है सरकार को जनता के दरवाजे तक पहुंचाना और लोगों की समस्याओं का तेज एवं पारदर्शी समाधान करना। इसके अलावा इस शिविर का उद्देश्य है जनता का विश्वास प्रशासनिक व्यवस्था में बढ़ाया जाए। इस सहयोग शिविर के सफल आयोजन को लेकर बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया जिसमें अबतक प्राप्त प्रतिवेदनों एवं शिकायतों की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न जिलों से प्राप्त आवेदनों, उनके निष्पादन की प्रगति तथा लंबित मामलों की भी समीक्षा की गई। सहयोग शिविर के आयोजन के लिए सामान्य प्रशासन विभाग को नोडल समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सहयोग शिविर का एक मुख्य उद्देश्य सरकार और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना भी है जिससे सरकारी सेवाओं को आमलोगों तक पहुंचाया जा सके। इस सहयोग शिविर का आयोजन राज्य के सभी पंचायतों में लगाया जाएगा ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोग आसानी से अपनी शिकायत दर्ज करा सकें। इस शिविर का आयोजन हर महीने दो बार किया जाएगा जिसके लिए महीने के पहले मंगलवार और तीसरे मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस सहयोग शिविर में बिहार का कोई भी नागरिक अपनी समस्या से सम्बंधित शिकायत दर्ज करा सकता है। सहयोग शिविर में लोग समस्याओं के समाधान से सम्बंधित अपने सुझाव भी सरकार को दे सकते हैं जिन समस्याओं का समाधान तुरंत हो सकता है, उनका निपटारा भी शिविर स्थल पर ही किया जाएगा। वैसे मामले जिनके समाधान में समय लग सकता है, उसे भी एक तय समयसीमा के अंदर निपटाया जाएगा। ऐसी समस्याओं के समाधान के लिए अधिकतम 30 दिनों की समय-सीमा निर्धारित की गई है। सहयोग शिविर में सरकार और प्रशासन के बड़े अधिकारियों की मौजूदगी अनिवार्य रूप से होगी जिसमें जिला पदाधिकारी, अनुमंडलाधिकारी, भूमि सुधार अधिकारी के साथ पुलिस के वरीय अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इतना ही नहीं, इस शिविर में लोगों को सभी सरकारी योजनाओं की जानकारी के साथ उसके लाभ और आवेदन की प्रक्रिया की भी जानकारी दी जाएगी।

लोक कलाकारों के सम्मान में बड़ा कदम, 153 नए नामों को पेंशन मंजूरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से संचालित मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना के अंतर्गत गुरुवार को मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने 153 नए कलाकारों के पेंशन प्रस्ताव को अनुमोदित किया। साथ ही योजना के अंतर्गत लाभुक कलाकारों की कुल संख्या अब 411 हो गई है। इससे पूर्व 258 कलाकार इस योजना से लाभान्वित हो रहे थे। नए स्वीकृत कलाकारों को मई माह से पेंशन राशि का लाभ प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना राज्य के उन कलाकारों को आर्थिक सहयोग प्रदान करने की महत्वपूर्ण पहल है जिन्होंने कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस योजना के अंतर्गत पात्र कलाकारों को 3 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन राशि उपलब्ध कराई जाती है। योजना के माध्यम से लोक कलाकारों, रंगकर्मियों, गायकों, वादकों तथा विभिन्न पारंपरिक कला विधाओं से जुड़े कलाकारों को सम्मानजनक आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि राज्य सरकार कलाकारों के आर्थिक संबल और सम्मान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विभाग का प्रयास है कि पात्र कलाकारों को समय पर सहायता उपलब्ध हो तथा योजना की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं सुगम बनाया जाए, ताकि दूर-दराज क्षेत्रों के कलाकार भी इसका लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि बिहार की लोक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखने में कलाकारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और सरकार उनके योगदान का सम्मान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

रामभद्रपुर-थलवारा रेलखंड का सीआरएस निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। श्री गुरू प्रकाश, संरक्षा आयुक्त (रेलवे), पूर्वी परिमंडल, कोलकाता द्वारा समस्तीपुर-दरभंगा दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत नवनिर्मित 12 किमी लंबे रामभद्रपुर-थलवारा रेलखंड का रामभद्रपुर से थलवारा तक मोटर ट्रॉली द्वारा निरीक्षण किया। मोटर ट्रॉली निरीक्षण के उपरांत रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा थलवारा से रामभद्रपुर स्टेशनों के मध्य विशेष ट्रेन द्वारा 120 किमी की गति से सफलतापूर्वक स्पीड ट्रायल भी किया गया। इस अवसर पर समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक ज्योति प्रकाश मिश्रा एवं निर्माण विभाग तथा समस्तीपुर मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे। विदित हो कि 38 किमी लंबे समस्तीपुर-दरभंगा परियोजना के अंतर्गत अब तक 26 किलोमीटर रेलखंड का दोहरीकरण कार्य पूरा कर इसकी कमीशनिंग की जा चुकी है। आज इस परियोजना के अंतर्गत 12 किलोमीटर लंबे रामभद्रपुर-थलवारा रेलखंड का दोहरीकरण के पश्चात सीआरएस द्वारा निरीक्षण किया गया।

युवा इंटक नेता चंदन सिंह पार्टी से छह वर्ष के लिए निष्कासित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति ने पार्टी विरोधी गतिविधियों, अमर्यादित आचरण और अनुशासनहीनता के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए और दो नेताओं पर बड़ी कार्रवाई की है। प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव ने गयाजी जिला के ओंकार शक्ति और युवा इंटक नेता चंदन सिंह को तत्काल प्रभाव से कांग्रेस पार्टी की सदस्यता से आगामी छह वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया है। अनुशासन समिति ने अपने आदेश में कहा है कि दोनों नेताओं द्वारा पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहने और अनुशासनहीनता करने के कारण यह कार्रवाई की गई है। अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव ने कहा कि अनुशासनहीनता एवं पार्टी विरोधी आचरण के कारण ओंकार शक्ति एवं चंदन सिंह को तत्काल प्रभाव से निष्कासित किया गया है।

सोनू कुमार की जीत पर मिठाइयां खिला नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मनाई खुशियां

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय के परिसर में भोजपुर- बक्सर स्थानीय प्राधिकार विधान परिषद के उपचुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के उम्मीदवार सोनू कुमार राय की जीत पर पार्टी नेताओं ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर जीत की खुशियां मनाई और भोजपुरी और बक्सर के पंचायत प्रतिनिधियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ लोगों को बधाई दी। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल, पूर्व केंद्रीय मंत्री मो. अली अशरफ फातिमी, राष्ट्रीय महासचिव बीनु यादव, प्रदेश राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव, प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद, सारिका पासवान, प्रदेश महासचिव फैयाज आलम कमाल, निराला यादव, हरेंद्र कुमार कुशवाहा, संजय यादव, निर्भय कुमार अंबेडकर, डॉ प्रेम कुमार गुप्ता, उपेंद्र चंद्रवंशी, संजय कुमार वर्मा, गणेश कुमार यादव, विमल राय, चंदेश्वर प्रसाद सिंह सहित बड़ी

जैविक खेती को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी सरकार : विजय कुमार सिन्हा

मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राज्य में कृषि के भविष्य और जन स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार न केवल जैविक खेती को प्रोत्साहित करेगी, बल्कि इस क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवा किसानों को सम्मानित भी करेगी। श्री सिन्हा ने आज कृषि भवन, मीठापुर में उच्चाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में ये बातें कहीं। श्री सिन्हा ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में सरकार गोबर/बायोगैस को प्रोत्साहित करने के लिए 100 इकाई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा इसमें 50 प्रतिशत तक का अनुदान 22500 रूपये का प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार पूर्व के वर्षों की भांति पक्का वर्मी कम्पोस्ट इकाई, व्यावसायिक वर्मी कम्पोस्ट इकाई पर अनुदान की व्यवस्था की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 7500 पक्का वर्मी कम्पोस्ट इकाई की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जैविक खेती के साथ-साथ प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में 5700 हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती क्रियान्वयन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस योजना में शामिल सभी किसानों को 4000 रूपये प्रति एकड़ की दर से अनुदान राशि उपलब्ध कराई जायेगी। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र में नवाचार लाने के लिए युवाओं का इस ओर आकर्षित होना अनिवार्य है। मंत्री जी ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि हम अपने युवा किसानों को जैविक खेती की आधुनिक तकनीकों से जोड़ेंगे और

गांव-गांव तैयार हो रहे 'सब्जी गुरु', किसानों को सिखाएंगे कमाई के नए तरीके

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सब्जी उत्पादक किसानों को संगठित, प्रशिक्षित एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए पटना स्थित दीप नारायण सिंह क्षेत्रीय प्रबंधन संस्थान में चल रहा तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार को समाप्त हो गया। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने सभी मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र प्रदान किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सहकारिता विभाग के बिहार राज्य सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी परिसंघ लिमिटेड की ओर से किया गया। इस मौके पर सहकारिता मंत्री ने कहा कि यहां प्रशिक्षित सभी मास्टर ट्रेनर केवल प्रशिक्षण देने भर तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि गांवों में बदलाव लाने का भी प्रयास करेंगे। प्रशिक्षण में केवल किताबी बातें ही नहीं, बल्कि बेहतर फसल प्रबंधन, मोबाइल ऐप और डिजिटल भुगतान जैसी जानकारियां भी दी गई हैं। सभी मास्टर ट्रेनर किसानों को नई जानकारी और नई तकनीक से जोड़ने का दायित्व निभाएंगे। आज के समय में किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ना जरूरी है। सहकारिता के जरिए सब्जी उत्पादक किसानों का सशक्तिकरण किया जाएगा। सहकारिता विभाग के प्रयास से अब तक 256 मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त 302 पीवीसीएस अध्यक्ष, 296 सहायक प्रबंधक, 99 सब्जी पर्यवेक्षक तथा 3,624 बोर्ड सदस्यों को भी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। मास्टर ट्रेनरों को वैज्ञानिक खेती, उन्नत फसल प्रबंधन, कृषि आधारित मोबाइल ऐप्स, डिजिटल भुगतान प्रणाली एवं आधुनिक डिजिटल साक्षरता का प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि किसान तकनीकी रूप से सक्षम होकर प्रतिस्पर्धी बाजार में अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनरों ने विकेंद्रीकृत व्यवस्था के तहत गांवों में पहुंचकर अब तक 11,158 किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया है। इससे ग्रामीण स्तर पर सहकारिता आधारित कृषि प्रबंधन को नई मजबूती मिली है।

बिहारशरीफ -भागलपुर के रास्ते राजगीर और हावड़ा के मध्य स्पेशल ट्रेन का परिचालन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। राजगीर में लगने वाले मालमास मेला के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा हेतु बिहार शरीफ-अस्थावां-बरबीघा-शेखपुरा-किउल-भागलपुर के रास्ते राजगीर और हावड़ा के मध्य एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन 03029/03030 के परिचालन का निर्णय लिया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है - गाड़ी सं. 03029 हावड़ा-राजगीर स्पेशल 16.05.2026 से 17.06.2026 तक प्रतिदिन हावड़ा से 22.50 बजे खुलकर अगले दिन 06.30 बजे भागलपुर, 09.20 बजे किउल, 09.32 बजे लखीसराय, 10.15 बजे शेखपुरा, 10.38 बजे सरसा जमालपुर, 10.50 बजे बरबीघा, 11.13 बजे अस्थावां, 11.35 बजे बिहार शरीफ एवं 12.20 बजे नालन्दा रुकते हुए 13.00 बजे राजगीर पहुंचेगी। इस स्पेशल में शयनयान श्रेणी के 4 कोच, साधारण श्रेणी के 8 कोच तथा एसएलआर के 2 कोच सहित कुल 14 होंगे।

अवैध हथियार एवं गोली रखने के जुर्म में ट्रांसपोर्टर को सजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार की राजधानी पटना स्थित एक अदालत ने अवैध हथियार एवं गोली रखने के जुर्म में एक ट्रांसपोर्टर को दो वर्षों के सश्रम कारावास की सजा के साथ दस हजार रुपए का जुर्माना भी किया। अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी दसम सुश्री वंदना की अदालत ने मामले में सुनवाई के बाद नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र के मूल निवासी सुनील कुमार को शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं में दोषी करार देने के बाद यह सजा सुनाई है। जुर्माने की राशि अदा नहीं करने पर दोषी को तीन माह के कारावास की सजा अलग से भुगतनी होगी। पटना जिला के मुख्य अभियोजक विद्यासागर और सहायक अभियोजक पूजा गुप्ता ने बताया कि 23 अप्रैल 2010 को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर दोषी सुनील कुमार के रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र स्थित ट्रांसपोर्ट के कार्यालय में छापा मारा था और तलाशी के दौरान वहां से एक देशी पिस्तौल और तीन गोली बरामद की थी।

तेजस्वी समेत चार ने किया अदालत में आत्मसमर्पण, जमानत पर छूटे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कोरोना काल में भारत सरकार की ओर से जारी प्रतिबंधों का उल्लंघन कर धरना प्रदर्शन करने के मामले में राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव समेत चार अभियुक्तों ने पटना की एक विशेष अदालत में आत्म समर्पण किया जहां बाद में उन्हें जमानत पर मुक्त कर दिया गया। सांसदों एवं विधायकों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित विशेष अदालत के न्यायाधीश प्रवीण कुमार मालवीय की अदालत में तेजस्वी यादव, आलोक कुमार मेहता, सोहेल उर्फ साहेब और शक्ति सिंह यादव ने आत्मसमर्पण करने के साथ ही जमानत पर मुक्त किए जाने प्रार्थना की थी। अदालत ने चारों अभियुक्तों की ओर से दाखिल की गई आत्म समर्पण सह जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद उन्हें दस-दस हजार रूपयों के निजी मुचलके के साथ उसी राशि के दो-दो जमानतदारों का बंध पत्र दाखिल करने पर जमानत पर मुक्त किए जाने का आदेश दिया। मामला वर्ष 2020 का था। इस मामले की प्राथमिकी गांधी मैदान थाना कांड संख्या 360 / 2020 के रूप में भारतीय दंड विधान की धारा 188,143, 145, 269 और 279 के तहत दर्ज की गयी थी। आरोप के अनुसार 5 दिसम्बर 2020 को कोरोना काल के दौरान गांधी मैदान के पास प्रतिबंधित क्षेत्र में राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं ने झंडा बैनर के साथ धरना प्रदर्शन किया था।

संपादकीय

संकट का सामना करने की जिम्मेदारी आम नागरिकों की भी

पश्चिम एशिया में संघर्ष का असर अब भारत की अर्थव्यवस्था पर साफ दिखने लगा है। ऊर्जा संकट और व्यापार में बाधाओं के कारण पैदा हुई चुनौतियों का दायरा बढ़ता जा रहा है। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और मुद्रा (रुपये) के लगातार कमजोर होने से देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। उधर, अमेरिका और ईरान के तल्ख तेवरों से शांति समझौते पर बातचीत आगे नहीं बढ़ पा रही है।ऐसे में अब मौजूदा संकट से निपटने के लिए वैकल्पिक उपायों को अमल में लाना जरूरी हो गया है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते रविवार को देश की जनता से पेट्रोलियम उत्पादों का संयमित तरीके से उपयोग करने, सोने की खरीदारी से परहेज करने, गैर जरूरी विदेश यात्रा से बचने और स्थानीय वस्तुओं को प्राथमिकता देने का आह्वान किया है।सरकार का मानना है कि इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत दुनिया भर में जारी ऊर्जा संकट का प्रभावी ढंग से सामना कर सकेगा। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी, जिससे सरकारी कोष को मजबूत बनाए रखने में मदद मिलेगी। इसमें दोराय नहीं कि पिछले कुछ वर्षों में भारत सौर ऊर्जा के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल हो गया है, लेकिन देश की जरूरत मुख्य तौर पर अभी भी जीवाश्म ईंधन से पूरी की जा रही है।ऐसे में जरूरी है कि मौजूदा संकट के दौरान आयातित ऊर्जा संसाधनों का उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से और वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही किया जाए। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण होर्मुज जलमार्ग के बंद होने से तेल की आपूर्ति शृंखला बाधित हुई है, जिससे ऊर्जा का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।खबरों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से वैश्विक ऊर्जा कीमतों में हुई बढ़ोतरी से देश की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है, जिस कारण आने वाले दिनों में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ सकते हैं। हालांकि, अभी तक सरकार ने पेट्रोल-डीजल और घरेलू रसोई गैस के दामों को नियंत्रित करने के प्रयास किए हैं, लेकिन संकट गहराने से अब यह सब आसान नहीं होगा। इसके लिए वैकल्पिक उपायों पर गंभीरता से काम करना होगा, ताकि प्रतिकूल प्रभावों को कम किया जा सके।प्रधानमंत्री के आह्वान से इस बात के संकेत भी मिल रहे हैं कि आने वाले समय में रोजमर्रा के इस्तेमाल की जरूरी वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। यानी कच्चे तेल से जुड़ी महंगाई, पैकेजिंग सामग्री और ईंधन लागत में बढ़ोतरी के बीच साबुन, डिटर्जेंट, बिस्किट, पैकेट बंद खाद्य पदार्थ और पेय उत्पाद जैसी वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं।खबरों के मुताबिक, आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन करने वाली देश की प्रमुख कंपनियां मुनाफे पर पड़ रहे दबाव को कम करने के लिए चरणबद्ध तरीके से दाम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। यह सही है कि संकट जब गंभीर हो, तो उससे निपटने के लिए सरकारी उपायों के साथ-साथ आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे उसमें सक्रिय भागीदारी निभाएं। मगर इस सब के बीच यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि इस तरह के उपायों का समाज के निचले और मध्य वर्ग की आजीविका पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े।

सिर्फ मुआवजा काफी नहीं- नाबालिग मांओं के भविष्य और बच्चों की नीति पर उठते बड़े सवाल

प्रजनन संबंधी स्वायत्तता, निजता और स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित मौलिक अधिकार हैं। समाज और कानून दोनों में बदलाव वक्त की जरूरत है लंबे समय से संवेदनाओं के धरातल पर बलात्कार की शिकार बनी नाबालिग बच्चियों के गर्भ को बचाने के सवाल पर बहस जारी है। सवाल यह है कि क्या दुर्व्यवहार का दंश झेलने वाली बच्ची के स्वास्थ्य और भविष्य को जोखिम में डालना उचित है! हाल ही में उच्चतम न्यायालय द्वारा एक नाबालिग बलात्कार पीड़िता की तीस सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति पर आया निर्णय समग्र समाज के लिए विचारणीय है। इस मामले में न्यायालय ने न केवल समय के साथ कानून में बदलाव लाने की बात कही, बल्कि यह भी स्पष्ट कहा कि जब गर्भधारण बलात्कार के कारण हुआ हो, तो समय सीमा नहीं होनी चाहिए। ऐसे में अगर गर्भपात की अनुमति नहीं दी गई, तो पीड़िता को जीवनभर मानसिक आघात झेलना पड़ेगा। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात की अनुमति देते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को निर्देश दिया कि वह पीड़िता के माता-पिता को इस मुद्दे पर उचित परामर्श दे। अगर मां को स्थायी शारीरिक हानि नहीं होती है, तो गर्भपात किया जाना चाहिए। इस विषय में अंतिम निर्णय पीड़िता और उसके परिवार का होना चाहिए।

(मोनिका शर्मा)

अदालत ने केंद्र सरकार से भी कहा कि कानून में संशोधन कर बलात्कार पीड़िताओं को बीस सप्ताह से अधिक समय के बाद भी गर्भपात की अनुमति देने पर विचार किया जाए। देखा जाए तो शोषण और सामाजिक आक्षेपों से उपजी भावनाओं और उलझनों को समझने वाली इस टिप्पणी का एक मजबूत व्यावहारिक धरातल है।

गौरतलब है कि एम्स द्वारा उच्चतम न्यायालय की ओर से पंद्रह साल की लड़की को तीस सप्ताह की गर्भावस्था को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की अनुमति दिए जाने के आदेश को रद्द करने के लिए यह याचिका दाखिल की गई थी। मगर पीठ ने कहा कि 'यह एक उपचारात्मक याचिका है। किसी पर अनचाहा गर्भ नहीं थोपा जा सकता। सोचिए कि वह एक बच्ची है, जिसे इस समय पढ़ाई करनी चाहिए, लेकिन हम उसे मां बनाना चाहते हैं।

उसने जो पीड़ा और अपमान सहा है, उसकी कल्पना कीजिए।' निश्चित रूप से मातृत्व एक बड़ी जिम्मेदारी और मन से जिया जाने वाला भाव है। समझना कठिन नहीं कि किसी नाबालिग की अवांछित गर्भावस्था को जबरन जारी रखने के मामले इस भाव से कोसों दूर होते हैं। बलात्कार के कारण हुई अनचाही गर्भावस्था जीवन के हर पक्ष पर दीर्घकालिक प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं शिक्षा और सामाजिक-पारिवारिक जीवन भी बुरी तरह प्रभावित होता है। इसके बावजूद गर्भावस्था को कायम रखना सीधे-सीधे नागरिक अधिकारों का हनन है। ऐसे में शीर्ष अदालत ने भी कहा कि प्रजनन संबंधी स्वायत्तता, निजता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित मौलिक अधिकार हैज ऐसे मामलों में राहत नहीं दी गई, तो अवैध तथा असुरक्षित गर्भपात केंद्रों की ओर रुख करने की समस्या बढ़ सकती है।

मानसिक आघात से सामाजिक उपेक्षा तक

बलात्कार जैसे जघन्य आपराधिक घटना की बदौलत हिस्से आए ऐसे हालात नाबालिग लड़कियों के भीतर अवसाद, चिंता और आत्महत्या की मनःस्थिति तक बना देते हैं। बहुत सारी पीड़ित महिलाओं को मनोवैज्ञानिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पढ़ाई छूट जाती है।

अपनों के व्यवहार में उनके प्रति सहजता का भाव नहीं रहता। सामाजिक परिवेश में भी उपेक्षा और उलाहने ही मिलते हैं। भविष्य हर मोर्चे पर असुरक्षित प्रतीत होता है। ज्ञात हो कि पिछले साल बंबई हाईकोर्ट ने भी पंद्रह वर्षीया बलात्कार पीड़िता को गर्भ हटाने की अनुमति दी थी। इस

मामले में पीड़िता ने कहा था कि वह भावनात्मक, आर्थिक और सामाजिक रूप से बच्चे की देखभाल नहीं कर पाएगी।

असल में बलात्कार की घटनाओं का परिणाम गर्भाधान के रूप में सामने आना पूरी दुनिया में चिंता का विषय बना हुआ है। अलग-अलग देशों में इससे जुड़े कानून अलग-अलग हैं। ऐसी घटनाओं से मिली मानसिक-शारीरिक प्रताड़ना और अनचाही जिम्मेदारी का बोझ झेलने का दर्द सभी जगह एक-सा ही है। समझना आवश्यक है कि बलात्कार की शिकार नाबालिगों को गर्भावस्था के लक्षणों की कोई समझ नहीं होती। अधिकतर बच्चियों को इस बारे में पता चलने या स्वजनों को बताने में देरी हो जाती है। कुछ समय पहले शिमला में बलात्कार की शिकार एक नाबालिग पीड़िता द्वारा अपनी माता से पेट में दर्द की शिकायत करने पर गर्भवती होने का पता चला। कम उम्र में शारीरिक शोषण करने वालों में पचास फीसद आरोपी बच्चों के परिचित और परिवार के भरोसे वाले लोग होते हैं। नाबालिग बच्चियां डर की वजह से भी इनकी शिकायत नहीं कर पातीं। उत्पीड़न को लेकर अभिभावकों को कुछ नहीं बता पातीं। कानून से ज्यादा जरूरी सामाजिक संवेदनशीलता ऐसे मामलों में कानून के साथ-साथ समाज की सोच में भी बदलाव आवश्यक है। उत्पीड़न की शिकार नाबालिग के लिए यह स्थिति बिना कोई अपराध किए दंड मिलने जैसी होती है। ऐसे में न केवल परिवार का सहयोग और संबल जरूरी है, बल्कि कानूनी बदलाव भी वक्त का तकाजा है। आमतौर पर पहले से ही शोषण का दुख झेल रहीं बच्चियां बिल्कुल अकेली पड़ जाती हैं। पीड़ित बच्चियों के भविष्य पर अब भी अधूरा कानून बलात्कार के परिणामस्वरूप जन्म लेने वाले बच्चों के लिए फिलहाल कोई कानून नहीं है। कुछ साल पहले इलाहबाद हाईकोर्ट ने कहा था कि नाबालिग से बलात्कार के बाद जन्मे बच्चे का दोषी पिता की संपत्ति पर अधिकार होगा। दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा भी ऐसे बच्चे को मां से अलग मुआवजा देने का आदेश दिया जा चुका है। बंबई हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि पीड़िताओं को मुआवजा देना पर्याप्त नहीं, उनसे जन्मे बच्चों के लिए भी नीति बने। विचारणीय है कि यह स्थिति खुद नाबालिग मां या उसके परिवार के लिए ही सहज नहीं होती। कुछ समय पहले लखनऊ में बलात्कार की शिकार हुई बारह साल की बच्ची के मां बनने पर बच्ची और परिवार ने नवजात को घर ले जाने से इनकार कर दिया था। ऐसे में हालिया न्यायिक निर्णय बलात्कार का दंश झेल चुकी बच्चियों का भविष्य सहेजने वाला है।

अंग, बंग और कलिंग में खिला कमल- बंगाल में 'भय' पर 'भरोसे' की जीत और दीदी की विदाई

(सुधीश पचौरी)

ममता दीदी हार नहीं मान रहीं, वे कहती हैं–हमें हराया गया है। लोकतंत्र में स्थिति ऐसी हो गई है कि कोई हारकर भी इस्तीफा नहीं देता। 'इंडिया' के एक बड़े नेता ने पहले आरोप लगाया कि बंगाल में भाजपा के प्रवेश के लिए दीदी जिम्मेदार हैं।

एक चेतावनी चार मई के बाद गुंडों को उल्टा लटका कर सीधा कर देंगे! फिर एक जवाब - चार मई के बाद देखते हैं दिल्ली का कौन आपको बचाने आता है! चार मई की सुबह - चैनलों में मतदान बाद सर्वेक्षण को लेकर भिड़ंत जारी रही। भाजपा मतदान बाद जनमत सर्वेक्षण में आठ में से छह में जीतती दिखी, जबकि तृणमूल कांग्रेस दो में जीतती दिखी। तनाव जारी रहा। अंत में आए परिणाम और उनके साथ आई 'चार मई' की 'क्रांति'। तृणमूल कांग्रेस साफ, और भाजपा को तगड़ा बहुमत मिला। ममता दीदी को बड़ा झटका लगा। वे अपने गढ़ भवानीपुर चुनाव क्षेत्र से हार गईं और भाजपा के बड़े नेता शुभेंदु अधिकारी 15,000 मतों से जीत गए।

मतगणना के दौरान अपनी आसन्न हार को देखते हुए ममता दीदी का मतदान केंद्र में घुसना और देर तक बैठे रहना सामने आया। फिर सुरक्षा बलों पर धक्का-मुक्की के आरोप लगाए गए। अंत में भाजपा की प्रचंड जीत और तृणमूल कांग्रेस की करारी हार हुई और बंगाल में लोगों का जश्न मनाया गया। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधन दिया कि 'अंग, बंग और कलिंग' में भाजपा की जीत हुई है। बंगाल में 'भय' की जगह 'भरोसे' की जीत हुई है। कई चैनलों ने इसे 'हिंदुत्व की जीत', 'सनातन की जीत', 'हिंदू एकजुटता की जीत' बताया। कुछ ने इसे ध्रुवीकरण की जीत कहा, तो कुछ ने कहा कि इससे 2027 के उत्तर प्रदेश चुनावों और 2029 के आम चुनावों में भाजपा की जीत का रास्ता साफ हो गया है। बंगाल की जनता के दमित विक्षोभ की अभिव्यक्ति भी दिखाई दी। कोई नाच रहा था, कोई गा रहा था, कोई झालमूड़ी और संदेश बांट रहा था। ढोल-चंग बज रहे थे, गुलाल लग रहा था, स्त्री-पुरुष, वृद्ध और बच्चे सभी शामिल थे। कुछ लोग कह रहे थे कि पंद्रह साल की तानाशाही खत्म हुई, दमन खत्म हुआ। चार मई की हार के बाद ममता दीदी को इस्तीफा देना चाहिए था, लेकिन उन्होंने नहीं दिया। वे कहने लगीं कि वे हारी नहीं हैं, बल्कि हराई गई हैं। भाजपा और चुनाव आयोग ने मिलकर सौ सीटें चुराई हैं। वे अदालत जाएंगी, जरूरत पड़ी तो अंतरराष्ट्रीय अदालत तक जाएंगी। वे लोकतंत्र और संविधान बचाने की बात करने लगीं।

'इंडिया' के एक बड़े नेता ने पहले आरोप लगाया कि बंगाल में भाजपा के प्रवेश के लिए दीदी जिम्मेदार हैं। लेकिन जब दीदी हार गईं, तो उन्होंने इसे वोट चोरी बताया। कहा गया कि पहले महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव भी चोरी किए गए। 'इंडिया' के एक अन्य नेता भी दीदी से मिलने पहुंचे, आंसू पोंछे और कहा कि चुनाव की चोरी की गई है। पहले उत्तर प्रदेश में हुई, आगे भी हो सकती है। इसके बाद बंगाल का असली हिंसक चेहरा सामने आया। चुनाव परिणाम के दो दिन बाद रात में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सचिव चंद्रनाथ रथ की उनकी कार में उनके घर के पास हत्या कर दी गई। इस घटना ने बंगाल की हिंसा को फिर से बहस में ला दिया। कुछ लोगों ने इसे हार की बौखलाहट बताया, तो कुछ ने कहा कि चुनाव के दौरान दी गई धमकियों का यह परिणाम है। इसके बाद यह हत्या भी उसी तरह बहस में निपटाई गई जैसे अन्य घटनाएं की जाती हैं। हर वक्ता और प्रवक्ता पहले अहिंसा का संदेश देता है, फिर हत्या की निंदा करता है और साथ ही प्रशासन, चुनाव आयोग और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाता है। इसी बीच राज्यपाल ने बंगाल की पिछली विधानसभा और मंत्रिमंडल को भंग कर दिया। इससे ममता बनर्जी के इस्तीफा न देने का मामला अप्रासंगिक हो गया और नई विधानसभा तथा नए मुख्यमंत्री के शपथ समारोह का मार्ग प्रशस्त हो गया। असम, केरल और पुदुचेरी में मिले जनादेशों पर कोई विवाद नहीं हुआ, लेकिन तमिलनाडु में मामला अटक गया। तमिल फिल्मी हीरो जोसेफ विजय का दल टीवीके बहुमत से दस-ग्यारह सीटें कम रह गया। कांग्रेस के पांच सदस्य उनके साथ आए, फिर भी बहुमत नहीं बना। जोसेफ विजय जब राज्यपाल के पास गए तो उन्हें कहा गया कि पहले बहुमत सिद्ध करें, तभी शपथ ली जाएगी। इसी बिंदु पर संविधान विशेषज्ञों में बहस छिड़ गई। एक पक्ष का मानना था कि विजय सबसे बड़ी पार्टी के नेता हैं, इसलिए राज्यपाल को उन्हें बहुमत सिद्ध करने का अवसर देना चाहिए था। लेकिन राज्यपाल अपने निर्णय पर अडिग रहे। अंत में यह चर्चा भी उठी कि लोकतंत्र में स्थिति ऐसी हो गई है कि कोई हारकर भी इस्तीफा नहीं देता और कोई जीतकर भी समय पर शपथ नहीं ले पाता। तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद पार्टी के कुछ प्रवक्ता चेहरे अचानक दयनीय और उपहास के पात्र बनते दिखे। एक प्रवक्ता ने टीवी पर माफी मांगते हुए कहा कि वह दबाव में थे और सिर्फ प्रवक्ता थे, नेता नहीं। इसी संदर्भ में कहा गया कि छुरी बन, कांटा बन ओ माई सन! सब कुछ बन, किसी का प्रवक्ता नहीं बन! (यह लेखक के अपने विचार हैं)

मेक इन इंडिया से डिजिटल इंडिया तक - कॉरपोरेट सेक्टर की बढ़ती ताकत

निगमित क्षेत्र के इन आयामों से जुड़ी समस्याओं के समाधान की दृष्टि से पुराने श्रम कानून और व्यवसाय शुरू करने तथा उनको चलाने में अत्यधिक दस्तावेजीकरण निवेश को हतोत्साहित करते हैं। देश की अर्थव्यवस्था में निगमित क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान है। यह क्षेत्र अब तेजी से वृद्धि और बदलाव के दौर में है। वर्तमान में यह संरचनात्मक परिवर्तनों, तकनीकी एकीकरण और स्थिरता की दिशा में विकास के चरण से गुजर रहा है। इस क्षेत्र में विनिर्माण क्षेत्र सर्वाधिक अहम है। पिछले कुछ वर्षों से इसकी गति धीमी चल रही थी।

(अजय जोशी)

अब इसके पुनरुद्धार की दिशा में किए गए प्रयासों से विनिर्माण क्षेत्र में तेज वृद्धि देखी जा रही है। नवंबर 2025 तक विनिर्माण क्षेत्र में 8.0 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई है।सरकार की ओर से समय-समय पर जारी आंकड़ों के अनुसार, यह क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में इसमें 7.72 फीसद और दूसरी तिमाही में 9.13 फीसद वृद्धि दर्ज की गई है। सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान लगभग 17 फीसद रहा है। ताजा संशोधित आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण की वृद्धि दर वर्ष 2025-26 में 11.5 फीसद रहने का अनुमान है। भारत का लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी को 17 फीसद से बढ़ा कर 25 फीसद करना है।

निगमित क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन का दौर भी तेजी से चल रहा है। बैंकिंग, खुदरा व्यवसाय, स्वास्थ्य सेवा और सामग्री प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम मेधा (एआइ) को तेजी से अपनाया जा रहा है। निगमित क्षेत्र में ब्राडबैंड और इंटरनेट उपयोगकर्ता बढ़ रहे हैं। नवंबर 2025 तक ब्राडबैंड ग्राहकों की संख्या एक सौ करोड़ के पार चली गई, जो एक दशक पहले के 13.15

करोड़ से सात गुना अधिक है। देश के 99.9 फीसद जिलों में 5जी की सुविधा है और 5.18 लाख से अधिक बेस स्टेशन कार्यरत हैं। वहीं यूपीआइ लेन-देन भी तेजी से बढ़ रहा है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा डिजिटल देश है। देश में डेटा की लागत वर्ष 2014 के 269 रुपए प्रति गीगाबाइट से घट कर वर्ष 2025-26 में 8-10 रुपए प्रति गीगाबाइट रह गई है। डेटा सुरक्षा के लिए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम- 2025 में लागू हुए, जिसमें बच्चों के डेटा और गोपनीयता के संबंध में सख्त प्रावधान किए गए हैं।

अब कारपोरेट क्षेत्र में केवल मुनाफे के बजाय पर्यावरणीय और सामाजिक शासन के मापदंडों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इससे हरित ऊर्जा और सतत विकास के क्रियाकलापों में निवेश बढ़ा है। निगमित संस्थाओं में पर्यावरण और समाज के प्रति जिम्मेदारियां बढ़ाई गई हैं। निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए बने सीएसआर कोष से इसके लिए व्यय लगातार बढ़ रहा है। कंपनियां पर्यावरणीय पहलों जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन और जल संरक्षण आदि पर अधिक खर्च कर रही हैं।

सीएसआर के तहत प्रमुख कार्यों में भुखमरी, गरीबी और कुपोषण को दूर करना, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी प्रमुखता से प्रयास किए गए हैं। अब कंपनियां केवल परियोजना-आधारित व्यय के बजाय, स्थायी विकास के लक्ष्यों को अपनी मूल व्यावसायिक रणनीतियों में शामिल कर रही हैं। कंपनियां पर्यावरण अनुकूल उत्पादों को अपना रही हैं, ताकि पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को कम किया जा सके। कई संस्थाएं 18 राज्यों में 2,250 गांवों और कस्बों में पांच लाख से अधिक परिवारों को जोड़ते हुए अपने पर्यावरणीय लक्ष्यों के माध्यम से सतत विकास में योगदान दे रही हैं। इनका प्रमुख जोर पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने पर है।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत नई इकाइयों को मंजूरी देकर वैश्विक केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। इन नवीन पहलुओं के परिणामस्वरूप, भारतीय निगमित क्षेत्र न केवल घरेलू मांग को पूरा कर रहा है, बल्कि वैश्विक मूल्य शृंखला में भी एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभर रहा है। इन सभी के बीच देश के निगमित क्षेत्र में इस समय कई तरह की आर्थिक, ढांचागत और नियामक चुनौतियां हैं। इससे विकास और उत्पादकता प्रभावित होती है। विशेष रूप से लघु और मध्य आकार की कंपनियां अपने कारोबार का विस्तार करने, नई तकनीक अपनाने या उत्पाद शृंखला में विविधता लाने के लिए आवश्यक पूंजी की कमी से जूझ रही हैं। भारत में लाजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 13-14 फीसद है, जो वैश्विक औसत से अधिक है। खराब परिवहन प्रणाली, अपर्याप्त भंडारण और बिजली की कमी, ये सभी उत्पादन लागत को बढ़ाते हैं। जटिल नियामक ढांचा और नीतिगत अनिश्चितता, भ्रष्टाचार और नियमों में बार-बार बदलाव निवेश को हतोत्साहित करते हैं। अनुसंधान और विकास में कम निवेश के कारण भारतीय उद्योग नवाचार और उद्यमिता के मामले में पीछे हैं। सख्त श्रम कानूनों के कारण भी निजी क्षेत्र को कार्य बल प्रबंधन में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हतोत्साहित करते हैं। एकल खिड़की मंजूरी प्रणाली को मजबूत करना तथा श्रम कानूनों का और सरलीकरण करना जरूरी है। खराब परिवहन से उत्पादन और वितरण लागत बढ़ जाती है। गति शक्ति पहल के तहत बहु-परिवहन प्रणालियों और समर्पित माल गलियारों में निवेश तेज करना तथा सामग्री प्रबंधन लागत को कम करने के प्रयास जरूरी है। (यह लेखक के अपने विचार है)

संक्षिप्त समाचार

सड़क दुर्घटना में दो की मौत

प्राणपुर/कटिहार (नबिटासं)। प्राणपर थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय उच्च पथ पर बस्तौल बाजार से पूरब मुसहरी टोला के पास प्राणपुर की ओर से कटिहार की ओर जा रहे ट्रिपल लोड एक बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जा रहे मवेशी के झुंड से टकरा गया। जिसमें बाइक पर सवार दो युवकों की घटनास्थल पर हीं मौत हो गई। जबकि एक गंभीर

रुप से घायल हो गया। घटना बुद्धवार के देर शाम की है। जानकारी के अनुसार घटना के बाद एनएच पर आसपास के लोगों तथा राहगीरों की भीड़ जुट गई।घटना की सूचना प्राणपुर थाना को दी गई।इस दौरान घायलों को इलाज के लिए ले जाया गया। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष विजय प्रकाश दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और भीड़ को नियंत्रित कर मामले को लेकर पूछताछ की।लेकिन मृतक एवं घायल की पहचान नहीं हो सकी।स्थानीय मुखिया मुजाहिद आलम ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा बताया गया है कि तेज रफ्तार के कारण बाइक चालक नियंत्रण खो बैठाऔर सड़क के किनारे जा रहे मवेशियों के झुंड से टकराकर सड़क पर जा गिरा। जिससे यह बड़ी दुर्घटना हुई। उन्होंने प्रशासन से एनएच-31 पर नियमित गश्ती एवं सड़क सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।वहीं पुलिस मृतकों एवं घायल की पहचान को लेकर कार्रवाई में जुटी हुई है।

डीडीसी ने नर्स की सेवा पुस्तिका की जांच की

मनसाही/कटिहार (नबिटासं)। गुरुवार को डीडीसी कटिहार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही पहुंचे। जहां अस्पताल की एक

नर्स का सेवा पुस्तिका की जांच किये । अस्पताल के सभी विभाग का गहन जांच किया तथा अस्पताल परिसर की साफ सफाई में हो रही लापरवाही को लेकर जमकर फटकार लगाई। अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को विभिन्न दिशा निर्देश भी दिए।

भेड़मारा पंचायत भवन में 19 मई को सहयोग शिविर का आयोजन

मनसाही/कटिहार (नबिटासं)। प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ और उनकी समस्याओं का समाधान आसानी से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 19 मई से सहयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस पहल की शुरूआत भेड़मारा पंचायत से होगी। प्रशासन ने शिविर के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। बताया कि

शिविर के सफल संचालन हेतु प्रखंड के सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। शिविर स्थल पर विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे। जहां ग्रामीणों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी और मौके पर ही आवेदन भी स्वीकार किए जाएंगे। प्राप्त मामलों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। गुरुवार को उपविकास आयुक्त अमित कुमार ने मनसाही प्रखंड मुख्यालय का निरीक्षण किया व अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। शिविर में राजस्व,सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य,शिक्षा, कृषि, आपूर्ति, स्वच्छता,पेयजल और बिजली विभाग से संबंधित समस्याओं का समाधान होगा।

100 वर्ष पुरानी अवधूत आश्रम की धरोहर बचाने की गुहार, भूमि बिक्री और ठगी के आरोपों की जांच शुरू

हजारीबाग (नबिटाब)। हजारीबाग शहर के निकट थाना नंबर 121, सिरसी-2, प्रखंड कटकमदाग में स्थित लगभग 100 वर्ष पुरानी अवधूत आश्रम की जमीन और अस्तित्व को बचाने की मांग उठी है। सामाजिक कार्यकर्ता मनोज गुप्ता एवं आरटीआई एक्टिविस्ट राजेश मिश्रा ने उपायुक्त हजारीबाग को आवेदन देकर आश्रम की संपत्ति में कथित अनियमितताओं, अवैध प्लाटिंग और आम लोगों के साथ ठगी की शिकायत की है। बताया गया कि अवधूत आश्रम की स्थापना वर्ष 1928 में बंगाली परिवार की स्वर्गीय कृष्णा देवी द्वारा की गई थी। उस समय आश्रम परिसर में मंदिर, तालाब, कुआं तथा खेती योग्य जमीन विकसित की गई थी, जिससे आश्रम का संचालन होता था। आश्रम का उद्देश्य धार्मिक आयोजन, वृद्धाश्रम संचालन, बच्चों की शिक्षा के लिए पाठशाला निर्माण, ग्रामीणों के लिए चिकित्सा सहायता, खेती-बाड़ी और मछली पालन के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराना था। जानकारी के अनुसार, उस दौर में ग्रामीणों और जमींदारों ने इस सामाजिक कार्य के लिए बड़े भूखंड बेहद कम कीमत पर या रेहन रखकर आश्रम को दिए थे। लगभग 100 एकड़ में फैला यह क्षेत्र उस समय जंगल और झाड़-झंखाड़ से घिरा हुआ था। स्वर्गीय कृष्णा देवी के निधन के बाद भी आश्रम का संचालन समिति के माध्यम से होता रहा। कोलकाता से जुड़े बंगाली समुदाय के सदस्य समय-समय पर समिति में शामिल होते रहे हैं। आश्रम में हर वर्ष चैत और आश्विन मास में दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन किया जाता है, जिसमें बंगाल सहित हजारीबाग और आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। मनोज गुप्ता और राजेश मिश्रा का आरोप है कि वर्तमान में आश्रम का संचालन कर रहे कुछ लोग स्वयं को इस धरोहर का उत्तराधिकारी मानते हुए जमीन बेचने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आश्रम की भूमि पर अवैध प्लाटिंग की जा रही है, जंगल उजाड़े जा रहे हैं और बिना अनुमति के बड़े-बड़े पेड़ काटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित भूमि गैर मजरूआ खास, जंगल झाड़ एवं प्रतिबंधित सूची की श्रेणी में आती है, जिसके कारण इसका नियमित निबंधन संभव नहीं है। ऐसे में एग्रीमेंट के माध्यम से भोले-भाले ग्रामीणों को जमीन बेचने के नाम पर ठगा जा रहा है। इससे सरकार को राजस्व का नुकसान होने के साथ-साथ शहर में घर बनाने का सपना देखने वाले लोगों के साथ धोखाधड़ी भी हो रही है। शिकायत के बाद उपायुक्त हजारीबाग ने मामले की जांच अपर समाहर्ता को सौंपी है। वहीं अपर समाहर्ता ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी, वन विभाग, कटकमदाग थाना प्रभारी एवं अंचल अधिकारी को पत्र भेजकर मामले की जांच एवं धरोहर संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है।

पूर्णिया प्रमंडलीय आयुक्त का औचक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार) । पूर्णियां प्रक्षेत्र के प्रमंडलीय आयुक्त राजेश कुमार गुरुवार को मनिहारी पहुंचे। उन्होंने अनुमंडल कार्यालय एवं परिसर स्थित विभिन्न दफ्तरों की मौके पर निरीक्षण किया। अधिकांश दफ्तरों में संबंधित विभाग के कर्मियों की अनुपस्तिथि से नाराजगी जतायी। प्रखंड सह अंचल कार्यालय का भी प्रमंडलीय आयुक्त श्री कुमार ने बारिकी से निरीक्षण किया। चल रहे भूमि सर्वे कार्य के लिए स्थापित कार्यालय के निरीक्षण के दौरान कार्य की प्रगति की जानकारी ली।

सर्वे दफ्तर से कुछ पंजी को अपने कब्जे में लिया। इसी तरह नगर पंचायत कार्यालय के निरीक्षण के दौरान एक दो कर्मी ही उपस्थित थे। यहां से भी आयुक्त श्री कुमार द्वारा कुछ पंजी अपने कब्जे मे लिये जाने की जानकारी मिली है। निरीक्षण के उपरांत उन्होने जानकारी दी कि सरकार की ननीतियों को धरातल पर उतारने, जन समस्याओं के संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेही पूर्ण व्यवस्था को लेकर इस तरह के कदम समय समय पर उठायेक जाते हैं। मनिहारी नगर पंचायत से जुडी समस्याएं पहले भी संज्ञान मे आ चुकी हैं। लिहाजा आज निरीक्षण के क्रम में इसकी धरातलीय जानकारी ली गयी। जिले के विभिन्न तटीय ईलाकों से यात्री नाव परिचालन वाली घाटों पर निर्धारित सुरक्षा मानकों अनुपालन के संबंध में भी जानकारी ली। मनिहारी साहिबगंज के बीच बाधित फेरी सेवा पुनः आरंभ किये जाने के संबंध मे बताया कि इस दिशा मे निविदा संबंधित तकनीकि बाधाओं को दूर कर शीघ्र फेरी सेवा बहाल की जायेगी। निरीक्षण के दौरान विभिन्न सामाजिक राजनीतिक संगठनों से जुडें लोगों ने मांग पत्र सौंपा। भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष गुड्डु यादव ने जनहित में फेरी सेवा चलाये जाने का मांग पत्र सौंपा। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी, त्रिलोकी नाथ सिंह,बीडीओ सनत कुमार,सीओ मो. इस्माईल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे ।

जयमाला शिक्षा निकेतन का सीबीएसई 12वीं परीक्षा का परिणाम शानदार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। शहर के जयमाला शिक्षा निकेतन विद्यालय का सीबीएसई 12 वीं के परीक्षा का परिणाम शानदार रहा। कटिहार ने एक बार फिर उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा को कायम रखते हुए सीबीएसई 12वीं परीक्षा सत्र

2025-26 में शानदार परिणाम हासिल किया है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने बेहतरीन अंक प्राप्त कर स्कूल एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय के छात्र पुनीत राज सिंह ने 92 फीसदी अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया।

वहीं सानु अग्रवाल,मनु श्रुति एवं हंशिका सागर ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके अलावा ऋषभ सिंह,अंशु कुमार चौधरी एवं संदेश कुमार ने 84, अभिनव शर्मा ने 83 तथा सिद्धि ने प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की। विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों,अभिभावकों एवं शिक्षकों को इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है। विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण एवं अभिभावकों के सहयोग से यह गौरवपूर्ण परिणाम संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि विद्यालय हमेशा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं अनुशासित वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यालय के निदेशक डॉ. एसके सुमन ने सफल छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता केवल परीक्षा परिणाम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की लगन, आत्मविश्वास एवं कठिन परिश्रम का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा कहा कि आने वाले समय में यही छात्र देश और समाज का नाम रोशन करेंगे। विद्यालय परिवार ने कहा कि जयमाला शिक्षा निकेतन आगे भी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट परिणाम देकर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

कोढ़ा में दबोचे गए 3 स्मैक तस्कर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । नशे के काले कारोबार के खिलाफ कोढ़ा पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी चोट की है। कोढ़ा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर आधी रात को घेराबंदी कर नशे के तीन सौदागरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से भारी मात्रा में स्मैक और मोटी नकदी बरामद हुई है। 13 मई की काली रात को जब सभी सो रही थी तब महिनाथपुर नहर के किनारे मौत का सामान स्मैक पहुँचाने की तैयारी थी।

कोढ़ा थानाध्यक्ष को जैसे ही इसकी भनक लगी। उन्होंने पुलिस टीम के साथ जाल बिछा दिया। पुलिस को देखते ही तस्करों ने भागने की नाकाम कोशिश की। लेकिन मुस्तैद जवानों ने उन्हें चारों तरफ से

घेर कर दबोच लिया। गिरफ्तार तस्करों की जब तलाशी ली गई तो उनके पास से पुलिस ने नशे की बड़ी खेप 16.31 ग्राम स्मैक मादक पदार्थ, नकदी 16,040 रुपये तस्करी से कमाए गए पैसे बरामद की ।पकड़े गए तीनों आरोपी मूसापुर के रहने वाले युवा हैं। जो कम उम्र में ही अपराध के दलदल में धंस चुके हैं । जिनमें उदेश कुमार उर्फ कुणाल (21) मुख्य सरगना, सुमित कुमार (20) तस्करी का अहम हिस्सा और अर्जुन कुमार (20) नशे के कारोबार का साथी शामिल है। कोढ़ा पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि नशे का कारोबार करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। फिलहाल पुलिस इन तीनों से पूछताछ कर रही है ताकि इस गिरोह के 'बड़े आकाओं' तक पहुँचा जा सके।

हैदराबाद में मजदूरी करने गए युवक की छत से गिरने से मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। हैदराबाद मजदूरी करने गए एक युवक का छत से गिर कर मौत हो गया है । मृतक युवक राजा महतो (20) पिता टुनटुन महतो मनिहारी नगर के वार्ड दो का रहने वाला है । मृतक के पिता टुनटुन ने बताया कि राजा चार माह पूर्व मजदूरी करने हैदराबाद गया था। विगत दिन काम करने के दौरान वह छत से नीचे गिर गया। अस्पताल ले जाने के दौरान उसकी मौत हो गई है । मृतक के पिता ने यह भी बताया कि जिस कंपनी में राजा काम करता था। वह कंपनी टाल मटौल कर पल्ला झाड़ रहा है। उन्होने बताया कि इनके बेटी दमाद भी हैदराबाद मे काम करते थे। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के बहन बहनोई मृतक राजा का शव बरामद कर लिया है ।

पोठिया में दो नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार)। पोठिया थाना क्षेत्र के एक गांव में दो नाबालिग बच्चियों पुत्री और भतीजी के साथ जबरन दुष्कर्म का मामला सामने आया है।पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गांव के ही दो विधि विरुद्ध बालकों को गिरफ्तार कर बाल सुधार गृह भेज दिया है।दर्ज प्राथमिकी के अनुसार घटना बीते दिनों की है।

पीड़िता अपनी पुत्री को घर में न पाकर उसकी तलाश कर रही थी। इसी दौरान उसने पड़ोस के एक लड़के को अपने घर से बाहर जाते देखा। पूछने पर उसने बताया कि बच्ची बरामदे पर है। जब महिला वहां पहुंची तो उसने अपनी पुत्री और गोतनी की पुत्री भतीजी को आपत्तिजनक स्थिति में पाया और बच्चियों ने घटना की जानकारी दी। जिसके बाद पीड़िता ने थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करवायी। मामले में थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि पीड़िता के आवेदन पर मामला दर्ज कर दोनों विधि विरूद्ध बालक को गिरफ्तार कर बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

आक्रोशित एएनएम ट्रेनिंग स्कूल की छात्राओं ने मनिहारी कटिहार सड़क की जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार ग्रामीण । जिले के मनिहारी अनुमंडल मुख्यालय में बुधवार की देर शाम एएनएम ट्रेनिंग स्कूल की छात्राओ ने छात्रावास के ट्यूटर कृतिमान मनीषा के खिलाफ मनिहारी कटिहार सड़क जाम कर नारेबाजी किया। एसडीएम त्रिलोकीनाथ सिंह, थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा के अथक प्रयास के बाद एएनएम छात्राओं ने सड़क से जाम हटा लिया । छात्राओं ने स्कूल के ट्यूटर कृतिमान मनीषा पर टॉर्चर करने का आरोप लगाया ।

छात्राओ ने एसडीओ को बताया कि बुधवार को कटिहार से एक जांच टीम आई। जांच टीम ने छात्राओं से बगैर कोई बात किये

प्रशासन की पहल से हटा जाम

नाश्ता और भोजन कर निकल गये। छात्राओ ने यह भी बताया कि जांच टीम से जब छात्राओं ने मिलने का प्रयास किया तो वो अपनी गाड़ी पर बैठकर निकल गये । छात्राओं ने बताया कि ट्यूटर छात्राओ से अवैध रूपया की वसुली करती है। रूपया नही देने पर भद्दी भद्दी आरोप लगाकर शारिरिक जांच कराने का धमकी दिया जाता है। एएनएम स्कूल के प्रिंसिपल को भी ट्यूटर तव्वजो नही देती है। सभी छात्राओ ने बताया कि छात्रावास के भोजन व्यवस्था भी काफी खराब है। सभी छात्राओ ने नारे लगाते हुए ट्यूटर कृतिमान का विरोध जताया तथा उनका स्थानांतरण कराने का मांग किया। छात्राओ के मांग को एसडीएम ने गंभीरता से सुनते हुए कारवाई का भरोसा जताया । छात्राओ ने अपनी मांग को लेकर लगभग एक घंटे तक मुख्य सड़क को जाम रखा।

समर कैंप के बच्चों ने सीखे दैनिक जीवन संवाद कौशल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। बिहार शिक्षा परियोजना परिषद एवं शिक्षा विभाग के निर्देश के आलोक में संचालित भारतीय भाषा समर कैंप 2026 के दूसरे दिन मध्य विद्यालय अरिहाना में बच्चों के लिए विभिन्न संवाद आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया। गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों में भाषा कौशल, आत्मविश्वास एवं व्यवहारिक ज्ञान का विकास करना था।

समर कैंप के दौरान बच्चों को दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले संवादों का अभ्यास कराया गया। इस क्रम में ह्वबैंक में संवादह्व,रेलवे इंक्वायरी में बातचीतह्व तथा ह्वरेस्तरां में भोजन ऑर्डर करनेह्व से संबंधित रोल प्ले गतिविधियां आयोजित की गईं। बच्चों ने ग्राहक, वेटर, बैंक कर्मी, यात्री एवं रेलवे कर्मचारी की भूमिका निभाकर संवाद प्रस्तुत किए। गतिविधि के माध्यम से बच्चों ने विनम्र भाषा का प्रयोग, प्रश्न पूछने की शैली तथा सही तरीके से उत्तर देने का अभ्यास किया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में संवाद प्रस्तुत किए। विद्यालय परिसर पूरे समय सीखने और रचनात्मक गतिविधियों से गुलजार रहा। प्रधानाध्यापक रंजन कुमार विश्वास ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों के संकोच को दूर करने के साथ-साथ उनके संप्रेषण कौशल को मजबूत करती हैं। समर कैंप के माध्यम से बच्चों को किताबों से अलग व्यवहारिक शिक्षा देने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे बच्चे दैनिक जीवन में आत्मविश्वास के साथ संवाद कर सकें। इस दौरान शिक्षक विप्लव कुमार, नुरुल होदा एवं टोला सेवक चंदन राय सक्रिय रूप से मौजूद रहकर बच्चों का मार्गदर्शन करते रहे।

सर्वोदय संकल्प शिविर में नैयर मसूद खान सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कांग्रेस पार्टी के अररिया प्रभारी सह कटिहार के अमला टोला निवासी नैयर मसूद खान को संगठन और सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान के लिए ह्यसर्वोदय संकल्प शिविरह्ण में सम्मानित किया गया। शिविर के दौरान उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए पार्टी नेतृत्व ने उनके कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि नैयर मसूद खान लंबे समय से संगठन को मजबूत करने और समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनके समर्पण और मेहनत का ही परिणाम है कि उन्हें यह सम्मान प्राप्त हुआ है। सम्मान मिलने के बाद नैयर मसूद खान ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व एवं कार्यक्रम आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि आगे भी वे संगठन की मजबूती और समाज सेवा के कार्यों में पूरी निष्ठा के साथ जुटे रहेंगे। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग मौजूद रहे। वही नैयर मसूद खान को सम्मानित किए जाने पर उनके समर्थकों में खुशी की लहर है।

60 वर्षीय बुजुर्ग ने 25 साल की महिला से रचाई शादी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार ग्रामीण। जिले के मनिहारी प्रखंड के छोटी बाघमारा से एक अनोखी प्रेम कहानी सामने आई है। जिसने पूरे इलाके में चर्चा का माहौल बना दिया है। यहां 60 वर्षीय एक बुजुर्ग और 25 वर्षीया महिला के बीच ऐसा प्रेम पनपा कि मामला गांव की पंचायत तक पहुंच गया। अंततः गांव वालों की मौजूदगी में दोनों की मंदिर में शादी करा दी गई। जिसकी चर्चा अब सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रही है।जानकारी के अनुसार मनिहारी थाना क्षेत्र के छोटी बाघमारा गांव निवासी सुग्रीव पासवान (60) कटिहार शहर में रिक्शा चालक के रूप में काम करते हैं। इसी दौरान उनकी पहचान गांव की ही एक 25 वर्षीय महिला से हुई। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और यह संबंध प्रेम में बदल गया। उम्र के बड़े अंतर के कारण जब यह मामला सामने आया तो गांव में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं। परिजनों और ग्रामीणों को जब दोनों के प्रेम संबंध की जानकारी मिली तो पहले इसका विरोध भी हुआ। हालांकि समय के साथ मामला शांत हुआ और पंचायत बुलाई गई। पंचायत में दोनों पक्षों की बात सुनी गई। दोनों ने एक-दूसरे के साथ जीवन बिताने की इच्छा जाहिर की। इसके बाद पंचायत ने आपसी सहमति से इस रिश्ते को मान्यता देने का निर्णय लिया। पंचायत के फैसले के बाद गांव के ही एक मंदिर में सादगीपूर्ण माहौल में दोनों की शादी करा दी गई। शादी में गांव के कई लोग एवं महिलाएं मौजूद रहे और पूरे विधि-विधान से मंदिर में विवाह संपन्न कराया गया।

कटिहार स्टेशन पर युद्ध जैसी आपात स्थिति से निपटने को लेकर मॉक ड्रिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के कटिहार जंक्शन पर बुधवार को युद्ध जैसी आपात स्थिति, एयर अटैक, मिसाइल एवं ड्रोन हमले की संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए संयुक्त रूप से विशेष मॉक ड्रिल एवं रिहर्सल का आयोजन किया गया। यह अभ्यास गुरुवार की सुबह 11 बजे से 11:45 बजे तक चला।

कटिहार जंक्शन में आयोजित मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन ब्लैकआउट की स्थिति में रेलवे प्रशासन, सुरक्षा एजेंसियों एवं जिला प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण करना था। इस दौरान स्टेशन परिसर में ब्लैकआउट व्यवस्था, रणनीतिक निकासी योजना एवं

आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का सफल परीक्षण किया गया। आयोजित मॉक ड्रिल के दौरान डीएम कटिहार, कार्यपालक दंडाधिकारी, एसआरपी कटिहार, डीएसआरपी कटिहार, एएससी कटिहार, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, आरपीएफ एवं जीआरपी के अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। सभी विभागों ने आपसी तालमेल के साथ निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अभ्यास को सफल बनाया।रेल प्रशासन के अनुसार मॉक ड्रिल पूरी तरह सफल रही तथा इस दौरान रेल परिचालन पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ा। नियमित ट्रेनों का परिचालन सामान्य रूप से जारी रहा।

टाटा मोटर्स का शेयर डे हाई से 7% लुढ़का, नेट प्रॉफिट बढ़ने के बाद भी बिकवाली

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स के शेयरों में आज गुरुवार की सुबह पहले तेजी देखने को मिली। उसके बाद कंपनी के शेयर भारी बिकवाली के शिकार हो गए। बता दें, टाटा मोटर्स के शेयरों का भाव बीएसई में आज के दिन के उच्चतम स्तर से 7 प्रतिशत लुढ़क गए। अब सवाल खड़ा हो रहा है कि मौजूदा स्थिति में निवेशक क्या करें बीएसई में टाटा मोटर्स के शेयर आज 395.10 रुपये के स्तर पर खुले थे। इसके बाद कंपनी के शेयर 396.30 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। हालांकि, इसके बाद कंपनी के शेयरों में नरमी देखने को मिली। जिसकी वजह से टाटा मोटर्स के शेयरों का भाव बीएसई में टूटकर 367.55 रुपये के स्तर पर आ गया। कंपनी ने शेयर बाजारों को मार्च तिमाही के नतीजों से 13 मई को अवगत करवाया था। टाटा मोटर्स की तरफ से दी जानकारी में कहा गया है कि सालाना आधार नेट प्रॉफिट 69.56 प्रतिशत बढ़ा है। टाटा मोटर्स को पिछली तिमाही के आखिरी वित्त वर्ष के दौरान 2406 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। एक साल पहले इसी तिमाही में टाटा ग्रुप की कंपनी को 1419 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। टाटा मोटर्स ने दी जानकारी में कहा है कि मार्च तिमाही के दौरान कुल 24452 करोड़ रुपये का रेवन्यू हुआ है। जोकि सालाना आधार पर 22 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का मार्च क्वार्टर में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद 3400 करोड़ रुपये रहा। बता दें, टाटा मोटर्स का मार्जिन 13.90 प्रतिशत बढ़ गया है। टाटा मोटर्स ने तिमाही नतीजों के साथ-साथ डिविडेंड का भी ऐलान किया है। कंपनी ने 2 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 4 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। मोतीलाल ओसवाल ने टाटा मोटर्स के शेयरों के लिए न्यूट्रल रेटिंग जारी की है। कंपनी ने 414 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। ब्रोकरेज हाउस ने कहा है कि टैक्स भुगतान के बाद का प्रॉफिट 22 करोड़ रुपये रहा है। जोकि उम्मीद से कम है। नोमुरा ने टाटा मोटर्स के शेयरों के लिए काल दी है। इस ब्रोकरेज हाउस ने 480 रुपये का टारगेट प्राइस टाटा मोटर्स के लिए सेट किया है।

एक दिन की बंपर उछाल के बाद सोना-चांदी के भाव में गिरावट

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमतों में आज यानी गुरुवार 14 मई को गिरावट दर्ज की जा रही है। एक दिन पहले ही गोल्ड-सिल्वर के भाव में जोरदार तेजी दर्ज की गई थी। इसके बाद आज निवेशकों की मुनाफावसूली से कमोडिटी मार्केट में दबाव देखने को मिल रहा है। सरकार द्वारा सोना और चांदी पर आयात शुल्क 6% से बढ़ाकर करीब 15% किए जाने के बाद बुधवार को दोनों धातुओं में तेज उछाल आया था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी की कीमत 1.2% गिरकर 2,96,213 प्रति किलो पर आ गई है, जबकि सोना 0.7% टूटकर 1,61,027 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। बुधवार को सोना 162250 और चांदी 300500 पर बंद हुई थी। इस लिहाज से आज सोना 1223 रुपये सस्ता हुआ है। जबकि, चांदी के भाव में 4287 रुपये की गिरावट है। ग्लोबल मार्केट में भी कीमती धातुओं में कमजोरी रही। निवेशकों की नजर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच चल रही अहम बैठकों पर बनी हुई है। साथ ही ईरान युद्ध से जुड़े घटनाक्रम भी बाजार की दिशा तय कर रहे हैं। स्पॉट सिल्वर 0.9% गिरकर 87.18 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि स्पॉट गोल्ड लगभग स्थिर रहकर 4,688.43 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। वहीं अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 0.2% कमजोर होकर 4,695 डॉलर पर आ गया। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार बुधवार की तेज तेजी के बाद निवेशक आज मुनाफावसूली कर रहे हैं। इससे कीमतों में गिरावट दर्ज की जा रही है। भारत सरकार ने हाल ही में सोना और चांदी के आयात पर शुल्क बढ़ाकर 15% कर दिया है। इसका मकसद बुलियन आयात कम करना, रुपये पर दबाव घटाना और विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करना है। हालांकि, ग्लोबल लेवल पर सुरक्षित निवेश की मांग अभी भी मजबूत बनी हुई है। अमेरिका में बढ़ती महंगाई, ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता और ईरान संघर्ष के चलते निवेशक अभी भी सोना-चांदी में खरदारी कर रहे हैं।

सीएनजी हुई और महंगी! ऑटो, टैक्सी और कार चालकों की जेब पर पड़ेगा सीधा असर

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में लगातार बढ़ती महंगाई के बीच अब सीएनजी वाहन चलाने वालों को भी बड़ा झटका लगा है। महानगर गैस लिमिटेड यानी MGL ने मुंबई में सीएनजी की कीमतों में 2 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी कर दी है। नई कीमत लागू होने के बाद अब मुंबई में सीएनजी 84 रुपये प्रति किलो के हिसाब से मिलेगी। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है और आम लोग पहले से ही महंगे ईंधन के दबाव का सामना कर रहे हैं। इस बढ़ोतरी का सीधा असर लाखों ऑटो रिक्शा, टैक्सी और निजी वाहन चालकों की जेब पर पड़ेगा। मुंबई और आसपास के इलाकों में बड़ी संख्या में लोग पेट्रोल-डीजल की तुलना में सस्ती होने की वजह से वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, अब लगातार बढ़ती कीमतों ने इस सस्ते ईंधन का लाभ भी कम कर दिया है। मनी कंट्रोल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सपर्ट का मानना है कि आने वाले दिनों में इसका असर ट्रांसपोर्ट किराए और रोजमर्रा के खर्चों पर भी देखने को मिल सकता है।

घरेलू बाजार में गैस की कीमतों पर दबाव : दिलचस्प बात यह है कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें फिलहाल बहुत ज्यादा नहीं बढ़ी हैं। ब्रेंट क्रूड लगभग 106 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है। इसके बावजूद घरेलू बाजार में गैस और ईंधन की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। इसकी एक बड़ी वजह डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी मानी जा रही है। गुरुवार को भारतीय रुपया हल्की गिरावट के साथ 95.73 प्रति डॉलर पर खुला, जबकि 13 मई (बुधवार दिन) को यह 95.71 पर बंद हुआ था। कमजोर रुपया भारत के लिए कच्चा तेल और गैस आयात करना महंगा बना देता है, जिसका असर सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचता है।

गैस की कीमतों में आगे भी बढ़ोतरी : एक्सपर्ट का कहना है कि मध्य पूर्व में जारी तनाव और वैश्विक बाजारों में बनी अनिश्चितता की वजह से ऊर्जा कीमतों पर दबाव बना हुआ है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में हल्की हलचल भी घरेलू कीमतों को प्रभावित करती है। अगर आने वाले समय में कच्चे तेल की कीमतें और बढ़ती हैं या रुपया और कमजोर होता है, तो पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों में आगे भी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

घरेलू गैस कीमतों पर लोगों की नजर

मुंबई में सीएनजी की कीमत बढ़ने के बाद अब लोगों की नजर घरेलू गैस कीमतों पर है। कई शहरों में पहले ही ष्टह्रत्र महंगी हो चुकी है और कुछ जगहों पर पीएनजी यानी पाइप गैस के दाम भी बढ़ाए गए हैं। इससे घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ने की आशंका है। खासकर मध्यम वर्ग और रोजाना सफर करने वाले लोगों के लिए यह चिंता की बात मानी जा रही है।

ट्रांसपोर्ट सेक्टर में बढ़ेगी लागत

एक्सपर्ट का मानना है कि अगर सरकार जल्द कोई राहत कदम नहीं उठाती, तो ट्रांसपोर्ट सेक्टर में लागत बढ़ सकती है और इसका असर सामानों की कीमतों पर भी दिखाई दे सकता है। फिलहाल, आम लोगों की नजर इस बात पर टिकी हुई है कि क्या आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल के दाम भी बढ़ाए जाएंगे या सरकार कीमतों को स्थिर रखने के लिए कोई बड़ा कदम उठाएगी।

शुगर कंपनियों के शेयरों में 4% तक की गिरावट, सरकार के फैसले का असर

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुवार को चीनी बेचने वाली कंपनियों के शेयरों की कीमतों की स्थिति खराब हो गई है। बलरामपुर चीनी मिल्स और धामपुर शुगर मिल्स के शेयरों में आज 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। बता दें, भारत ने चीनी के निर्यात पर 30 सितंबर तक प्रतिबंध लगा दिया है। एक सरकारी अधिसूचना में यह जानकारी दी गयी है। सरकार के प्रतिबंध लगाने के बाद आज बलरामपुर चीनी का शेयर 4.5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 525 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गया। वहीं, धामपुर के शेयर 4 प्रतिशत तक की गिरावट के बाद 147.55 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गया। भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज के शेयर 3 प्रतिशत की गिरावट के बाद 354 रुपये और श्री रेणुका और EID पेरी के शेयरों में 2-2 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। डीजीएफटी ने कहा, 'कच्ची चीनी, सफेद चीनी और परिष्कृत चीनी) की निर्यात नीति को 'प्रतिबंधित' श्रेणी से बदलकर 'निषिद्ध' श्रेणी में तत्काल प्रभाव से 30 सितंबर 2026 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, कर दिया गया है।' भारत ने ऐसे समय में यह फैसला लिया है जब दुनिया में सबसे अधिक चीनी का उत्पादन करने वाला देश ब्राजील ने अपनी चीनी मिल्स को 1.59 मिलियन मैट्रिक टन एक्सपोर्ट करने के लिए कह दिया है। देश के अंदर चीनी की खपत से ज्यादा उत्पादन होने के बाद यह फैसला किया गया है।

नई थम रही रुपये की गिरावट, डॉलर के मुकाबले फिर पहुंचा ऑल टाइम लो पर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रुपये में गिरावट का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। रुपया आज शुरुआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 95.86 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और पश्चिम एशिया संकट

को लेकर चिंताओं से रुपये पर भारी दबाव है। रुपया इस साल एशिया की सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बन गया है और इसमें अब तक छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ चुकी है। महंगा कच्चा तेल, मजबूत अमेरिकी डॉलर और पश्चिम एशिया संकट को लेकर बढ़ती चिंताएं इसकी मुख्य वजह हैं।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.74 प्रति डॉलर पर खुला। फिर टूटकर 95.86 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 20 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर 95.80 पर पहुंचने के बाद 95.66 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपये की गिरावट को थामने के लिए आरबीआई अब तक अरबों डॉलर झोंक चुका है। जानकारों का कहना है कि अगर केंद्रीय बैंक ऐसा नहीं करता तो रुपये की हालत और बदतर होती।

रुपये वर्सेज डॉलर

लगातार तीसरे दिन डॉलर के मुकाबले रेकॉर्ड लो पर पहुंचा रुपया भारत का करीब 90% कच्चा तेल और 50% गैस बाहर से आती है ईरान युद्ध के बाद कच्चे तेल की कीमत में 50 फीसदी तेजी आई है साथ ही विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में बिकवाली जारी है

क्यों आ रही है गिरावट

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.48 पर रहा। अंतराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106.10 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को शुद्ध बिकवाल रहे थे और उन्होंने 4,703.15 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। डॉलर के मुकाबले रुपये में इस हफ्ते 1.4% गिरावट आई है। पिछले तीन दिन इसने हर सेशन में ऑल टाइम लो छुआ है। भारत का करीब 90 फीसदी कच्चा तेल और 50 फीसदी गैस बाहर से आती है।

चलते-चलते रास्ते में दो समझौते और दूर हो जाएगी एलपीजी की किल्लत!

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 मई को चार यूरोपीय देशों की 5 दिन की यात्रा पर रवाना होंगे। इस दौरान वह कुछ घंटे के लिए खाड़ी देश यूएई में भी रुकेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच दो अहम समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। ये एलपीजी और स्ट्रैटजिक पेट्रोलियम रिजर्व से जुड़े हैं। सरकारी सूत्रों का कहना है कि मोदी के यूएई में तीन घंटे के स्टॉपओवर के दौरान एनर्जी सिक्योरिटी सबसे अहम मुद्दा होगा। ईरान युद्ध के कारण दुनिया में एनर्जी की सप्लाई टाइट हो गई है। भारत पर भी इसका असर दिखने लगा है। प्रधानमंत्री ने हाल में लोगों से पेट्रोल और डीजल बचाने की अपील की थी। यूएई भारत का अहम एनर्जी सप्लायर है। यह भारत के लिए कच्चे तेल का चौथा बड़ा सोर्स होने के साथ-साथ एलपीजी और एलएनजी का दूसरा बड़ा सप्लायर है। ईरान युद्ध के कारण होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही बंद है।

इस कारण अप्रैल में खाड़ी देशों के उत्पादन में गिरावट आई है। अप्रैल में केवल यूएई के उत्पादन में तेजी आई। इसकी वजह यह है कि वह होर्मुज स्ट्रेट को बाइपास करके गल्फ ऑफ ओमान में स्थित फुजैरा पोर्ट से तेल एक्सपोर्ट कर रहा है। मोदी 15 मई को चार यूरोपीय देशों की की यात्रा पर रवाना होंगे इस दौरान वह करीब तीन घंटे के लिए खाड़ी देश यूएई में रुकेंगे इस दौरान एनर्जी सिक्योरिटी से जुड़े दो समझौतों पर हस्ताक्षर होंगे ईरान युद्ध के कारण दुनिया में एनर्जी की सप्लाई टाइट हो गई है यूएई रोजाना करीब 3.6 मिलियन बैरल तेल उत्पादन कर रहा है

20 फीसदी कच्चा तेल इसी रास्ते गुजरता है। कच्चा तेल महंगा होने से भारत की इकॉनमी पर भी असर दिखने लगा है क्योंकि हमारा करीब 90 फीसदी तेल बाहर से आता है। ऐसे में यूएई के साथ समझौते भारत के लिए काफी अहम माने जा रहे हैं।

उत्पादन बढ़ाने की तैयारी

यूएई रोजाना 3.2 से 3.6 मिलियन बैरल तेल का उत्पादन कर रहा है। हाल में वह ओपेक और ओपेक प्लस से बाहर आ चुका है और अगले साल तक रोजाना 5 मिलियन बैरल तेल निकालने की तैयारी कर रहा है। यही वजह है कि भारत की एनर्जी सिक्योरिटी के लिए यूएई काफी अहम है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि मोदी यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान के साथ आपसी रिश्तों, ऊर्जा सहयोग और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। भारत की यूएई के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी है। 45 लाख से अधिक भारतीय इस खाड़ी देश में रहते हैं।

ईरान युद्ध का असर

पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई को ढाई महीने हो चुके हैं और फिलहाल इसके थमने की उम्मीद नहीं है। इसके कारण होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से कच्चे तेल की सप्लाई टाइट हुई है।

पेट्रोल-डीजल की केरल में राशनिंग एक व्यक्ति को 5,000 से ज्यादा का पेट्रोल नहीं मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल में डीजल और पेट्रोल की राशनिंग होने लगी है मातृभूमिडॉटकॉम की एक रिपोर्ट के अनुसार इस दक्षिणी राज्य में पेट्रोल पम्पों पर कथित तौर पर बल्क फ्यूल की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया है। इसमें बताया गया है कि इस समय किसी ग्राहक को अधिकतम 200 लीटर डीज़ल ही दिया जा रहा है। यदि वे पेट्रोल खरीदते हैं तो उन्हें करीब 5,000 रुपये तक का यह ईंधन मिलेगा।

इस रिपोर्ट के मुताबिक पेट्रोल-डीजल की सप्लाई सुनिश्चित करने और ज्यादा डिमांड के बीच पेट्रोल पम्पों पर अचानक स्टॉक की कमी को रोकने के लिए ऐसा किया गया है। ईरान-इजरायल युद्ध के बीच देश में हो रही कच्चे तेल की कमी के बीच पेट्रोल-डीजल बेचने वाली कंपनियां इस समय लॉन्गर सप्लाई विंडो के बजाय अल्पकालीन मांग को देख कर आपूर्ति कर रही हैं। इसलिए पम्प को अगले कुछ दिन के स्टॉक ही मिल पा रहे हैं। रिपोर्ट में

दावा किया गया है कि इस समय ईंधन की आपूर्ति के लिए अग्रिम भुगतान की तो आवश्यकता होती ही है, इसके साथ ही क्रेडिट पर आधारित सप्लाई सिस्टम को खत्म कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि इस व्यवस्था से फ्यूल स्टेशन के लिए काम करना थोड़ा कठिन हो गया है। उल्लेखनीय है कि केरल में करीब 2,500 पेट्रोल पम्प हैं। इनमें से कई नियमित टैंकर डिलीवरी पर निर्भर हैं। इन्हें एक बार में 12,000 लीटर से 24,000 लीटर तक ईंधन मिलता है।

केंद्र सरकार के पेट्रोलियम मिनिस्ट्री का कहना है कि देश भर में कहीं भी पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। हालांकि, अधिकारी बताते हैं कि लॉजिस्टिक वजहों से ईंधन की सप्लाई में अस्थायी व्यवधान हो सकता है। दूसरी तरफ केरल स्टेट पेट्रोलियम ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने बताया है कि ये प्रतिबंध लगातार उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए है।

रूसी तेल खरीद पर पाबंदियों में मिली छूट होने वाली है खत्म

अमेरिका के सस्पेंस से भारत की बढ़ी टेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की नजर 16 मई पर टिकी हुई है। इस हफ्ते के आखिर तक अमेरिका की पाबंदियों में मिली छूट को अगर आगे नहीं बढ़ाया जाता है तो भारतीय तेल रिफाइनरों के लिए मुश्किल पैदा होगी। उन्हें रूसी कच्चे तेल का आयात कम करने पर मजबूर होना पड़ सकता है। वहीं, स्थानीय प्रोसेसर ईरान युद्ध के नतीजों से जूझ रहे हैं। ब्लूमबर्ग ने भारतीय रिफाइनरों के रुख से परिचित लोगों के हवाले से बताया, अमेरिका ने अब तक यह साफ नहीं किया है कि क्या वह उस छूट को आगे बढ़ाएगा, जिससे भारत सहित अन्य देश 16 मई के बाद भी तेल खरीदना जारी रख सकें। रिपोर्ट के अनुसार, अगर ऐसा नहीं होता है तो स्थानीय प्रोसेसरों को कहीं और से ज्यादा कीमत वाले और वैकल्पिक 'स्पॉट बैरल' (बाजार में तुरंत उपलब्ध तेल) खरीदने पर मजबूर होना पड़ सकता है। मई महीने में अब तक रूसी तेल का आयात रिकॉर्ड स्तर यानी 23 लाख बैरल प्रतिदिन रहा है। ऐसा

इसलिए हुआ क्योंकि अमेरिका से मिली छूट के तहत पहले से ही जहाजों में लदे रूसी तेल के आयात की अनुमति थी। लेकिन, मॉस्को से कच्चा तेल लेकर अगर कोई नया जहाज भारत की ओर आता हुआ नहीं दिखता है तो स्थिति बदलेगी। उस स्थिति में पूरे महीने का कुल आयात घटकर 19 लाख बैरल प्रतिदिन तक गिर सकता है। ईरान युद्ध के कारण तेल बाजार में भारी उथल-पुथल मची हुई है। इस युद्ध ने फारस की खाड़ी से भारत सहित अन्य प्रमुख खरीदारों तक होने वाली तेल की बड़ी सप्लाई को बाधित कर दिया है। भारत कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा इंपोर्टर है। तेल की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के प्रयासों के तहत अमेरिका ने सबसे पहले 5 मार्च को भारत के लिए एक विशेष छूट जारी की थी। इसके तहत भारतीय रिफाइनरों को जहाजों में लदे रूसी तेल को खरीदने की अनुमति दी गई थी। एक बार विस्तार मिलने के बाद अब यह छूट 16 मई को समाप्त होने वाली है। इस समय-सीमा के समाप्त होने से ठीक पहले भारत की दो सबसे बड़ी सरकारी तेल रिफाइनिंग कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने इस हफ्ते पश्चिम अफ्रीका और अमेरिका से कच्चे तेल की खरीद की है।

फेंके हुए जूतों से झुग्गी बस्ती में शुरू किया काम, अब 3 करोड़ का बिजनेस, हर कोई हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीयांश भंडारी और रमेश धामी मुंबई के रहने वाले हैं। दोनों ही एथलीट रहे हैं। इन्होंने एक सफल स्टार्टअप खड़ा कर दिया है। इसका नाम 'ग्रीनसोल' है। दोनों ने इसकी नींव 2015 में रखी थी। यह पुराने और फेंके हुए जूतों को रिसाइकिल करके चप्पलें बनाता है। इसकी शुरुआत झुग्गी-बस्ती से हुई थी। यह पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कल्याण को एक साथ जोड़ता है। एक ओर जहां यह स्टार्टअप सालाना 3 करोड़ रुपये की कमाई कर रहा है। वहीं दूसरी तरफ इसने पर्यावरण में कचरा कम करने में मदद की है। आइए, यहां श्रीयांश भंडारी और रमेश धामी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

ऐसे आया आइडिया

इस सफर की शुरुआत तब हुई जब एथलीट श्रीयांश भंडारी ने अपने साथी और मैराथन कोच रमेश धामी को पुराने जूतों की मरम्मत करते देखा। रमेश अपने उन जूतों को फेंकना नहीं चाहते थे क्योंकि उनका 'सोल' अभी भी मजबूत था। इस साधारण सी घटना ने उन्हें गहरी रिसर्च के लिए प्रेरित किया। तब उन्हें पता चला कि दुनिया भर में अरबों जूते लैंडफिल में फेंक दिए जाते हैं। इन्हें नष्ट होने में 200 साल से अधिक समय लगता है। इसी समस्या को समाधान में बदलने के लिए दोनों ने मिलकर अपने स्टार्टअप की नींव रखी।

झुग्गी बस्ती में शुरुआत

शुरुआती सफर काफी चुनौतीपूर्ण था। दोनों संस्थापकों का फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग से कोई वास्ता नहीं था। मुंबई की एक झुग्गी बस्ती में किराए की छोटी सी यूनिट से उन्होंने अपने काम की शुरुआत की। वे दिन में सिर्फ 15-20 जोड़ी जूते ही बना पाते थे। लेकिन 'राम फैशन एक्सपोर्ट्स' के साथ पार्टनरशिप ने उनके लिए गेम-चेंजर का काम किया। उन्होंने एक ऐसी तकनीक विकसित की जिसमें पुराने जूतों को काटकर स्टैंडर्ड साइज दिया जाता है। उसमें 20% नया मटेरियल जोड़कर उसे स्वच्छ और आरामदायक बनाया जाता है।

20 राज्यों में फैला नेटवर्क

श्रीयांस और रमेश का स्टार्टअप हर महीने 15,000 से 20,000 जोड़ी पुराने जूते जुटाता है। इन जूतों को पूरी तरह से खोलकर उनके हिस्सों को अलग किया जाता है। फिर बच्चों के साइज के हिसाब से 'डाई-कटिंग' की जाती है। ग्राउंड टीम गांवों और आदिवासी इलाकों में जाकर बच्चों के पैरों का माप लेती है ताकि उन्हें सही फिटिंग की चप्पलें मिल सकें। 100 से अधिक कॉर्पोरेट पार्टनर्स के सीएसआर सहयोग से यह नेटवर्क आज भारत के 20 राज्यों तक फैल चुका है।

बड़ा है आगे का टारगेट

चैरिटी के अलावा स्टार्टअप का एक रिटेल ब्रांड भी है जो इको-फ्रेंडली स्नीकर्स और एक्सेसरीज बेचकर सालाना 2.5 से 3 करोड़ रुपये का टर्नओवर हासिल कर रहा है। यह मॉडल न केवल कचरे को कम करता है बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करता है। भविष्य में श्रीयांश और रमेश का टारगेट इस मॉडल को नेपाल, भूटान और अफ्रीका जैसे देशों में ले जाना है। साथ ही, वे जूते के कचरे का इस्तेमाल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, जैसे कि रनिंग ट्रैक बनाने के लिए सरकार के साथ सहयोग करने की योजना बना रहे हैं।

पेट्रोल पम्पों पर उमड़ी ग्राहकों की भीड़, मची अफरातफरी

एसोसिएशन ने कहा प्रशासनिक हस्तक्षेप जरूरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। ईरान-अमेरिका तनाव के बीच पेट्रोल-डीजल संकट की अफवाह का असर धनबाद कोयलांचल में साफ दिखने लगा है। गुरुवार शाम यह खबर फैलते ही कि पेट्रोल-डीजल का स्टॉक खत्म होने वाला है, शहर के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

हीरापुर, धैया, बैंक मोड़, सरायढेला, मेमको और लोग बिल्डिंग क्षेत्र के पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे कई जगह जाम की स्थिति बन गई। लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। भीड़ बढ़ने और हंगामे की आशंका को देखते हुए कई पेट्रोल पंप संचालकों ने पेट्रोल-डीजल देना बंद कर दिया।

सुबह से भी शहर में अफरातफरी का माहौल बना रहा। कई पंप बंद रहे, जबकि खुले पंपों पर तेल लेने वालों की भारी भीड़ जुटी रही। पेट्रोल नहीं मिलने से कई जगहों पर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई, जिसके बाद पुलिस को तैनात करना पड़ा।

पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन ने हालात को गंभीर बताते हुए शुक्रवार को उपायुक्त और एसएसपी से मिलने का निर्णय लिया है। एसोसिएशन का कहना है कि अफवाहों के कारण स्थिति बिगड़ी है और प्रशासनिक हस्तक्षेप जरूरी हो गया है।

इधर, मेमको मोड़ स्थित पेट्रोल पंप पर शाम बाइक और चारपहिया वाहनों की लंबी कतार लगी रही। इस दौरान बाइक सवारों ने पंप प्रबंधन पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पंप कर्मियों ने बताया कि अत्यधिक भीड़ और ग्राहकों के हो-हल्ला के कारण कुछ समय के लिए पेट्रोल-डीजल वितरण रोकना पड़ा

पंपों पर राशनिंग कर पेट्रोल-डीजल दिया जा रहा है। पंपों पर दो पहिया वाहनों को सिर्फ सौ-दो सौ रुपये का तेल दिया जा रहा है। हालांकि चारपहिया वाहनों को फुल टैंक पेट्रोल दिया जा रहा है, जबकि दोपहिया वाहनों को केवल सौ-दो सौ रुपये का पेट्रोल दिया जा रहा है।

उप कारा का किया निरीक्षण

खूंटी। उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया एवं पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग द्वारा उप कारा, खूंटी का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। 13 मई को किए गए इस निरीक्षण के दौरान कारा परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने कारा परिसर में साफ-सफाई, सुरक्षा मानकों एवं निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कारा परिसर में अनुशासन एवं सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाए रखने पर बल दिया।

इस दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया, ताकि कारा परिसर में विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रहे। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, डीसीएलआर समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

कारा सुरक्षा समिति की बैठक में सुरक्षा के मुद्दों पर हुई चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में कारा सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जेल की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने एवं परिसर में अनुशासन सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा हुई।

उपायुक्त ने उप-कारा, खूंटी में लगाए गए सुरक्षा उपकरणों, जैसे सीसीटीवी कैमरा एवं अन्य यांत्रिक उपकरणों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की और इनके सुचारु संचालन हेतु आवश्यक निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की सुरक्षा चूक की संभावना न रहे। कैदियों की नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच, चिकित्सक एवं नर्स की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जेल में बनने वाले भोजन की नियमित रूप से फूड सेफ्टी पदाधिकारी द्वारा जांच करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने यह भी कहा कि जेल में अनुशासन बनाए रखने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

बैठक में पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग, अनुमंडल पदाधिकारी-सह-अधीक्षक उप कारा दिपेश कुमारी, अपर समाहर्ता परमेश्वर मुण्डा समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

इलाज के दौरान मौत पर भड़के परिजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक बार फिर इलाज में लापरवाही का आरोप लगा है। इचाक थाना क्षेत्र के ग्राम खुटरा निवासी मिथिलेश प्रसाद के छह माह के पुत्र कार्तिक राज की इलाज के दौरान मौत हो गई।

घटना के बाद आक्रोशित परिजन अस्पताल अधीक्षक कार्यालय के सामने शव रखकर जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग करने लगे। मृतक की मां ममता कुमारी ने बताया कि उनका पुत्र घर में उल्टी कर रहा था, जिसके बाद शुक्रवार दोपहर उसे इलाज के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया।परिजनों के अनुसार, ओपीडी में चिकित्सकों ने बच्चे को भर्ती करने की बात कही। आरोप है कि इसके बाद नर्सिंग स्टाफ द्वारा बच्चे को केनुला लगाने का प्रयास किया गया, लेकिन कई बार सुई चुभाने के बावजूद सही तरीके से नहीं लगाया जा सका। परिजनों का कहना है कि इस दौरान बच्चे की हालत लगातार बिगड़ती चली गई।

ममता कुमारी ने आरोप लगाया कि बच्चा पहले पूरी तरह स्वस्थ था, लेकिन अस्पताल में इलाज के दौरान गंभीर लापरवाही बरती गई। उन्होंने कहा कि जब बच्चे की स्थिति ज्यादा खराब हो गई तो डाक्टरों ने उसे रिम्स रेफर करने की बात कही, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आक्रोशित परिजनों ने अधीक्षक कार्यालय के समक्ष शव रखकर जमकर हंगामा किया और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।सूचना मिलने पर सांसद मीडिया प्रभारी रंजन चौधरी भी अस्पताल पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर मामले की जांच कराने तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। इलाज कर रहे हैं डाक्टर भीम कुमार ने बताया कि बच्चों की हालत पहले से खराब थी हम लोगों ने इलाज करने का प्रयास किया लेकिन बच्चे की मौत हो गई इलाज में कोई लापरवाही नहीं की गई है।

नाबालिग से दुष्कर्म के प्रयास में धराया

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक अधेड़ को छह वर्षीय मासमू बच्ची के साथ दुष्कर्म के प्रयास में गिरफ्तार किया है। आरोपित नाम काली दास है। पुलिस के अनुसार बुधवार की शाम काली दास गांव की एक बच्ची को सुनसान स्थान पर ले जाकर छेड़छाड़ कर रहा था। इसी दौरान बच्ची ने शोर मचाई। शोर सुनकर ग्रामीण पहुंचे। ग्रामीणों ने बच्ची को बचाया। इस दौरान ग्रामीणों ने आरोपित की पिटाई भी की। सूचना मिलते ही पुलिस ने पहुंचकर आरोपित को हिरासत में ले लिया। बच्ची की मां ने बगोदर थाने में काली दास के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने गुरुवार को आरोपित को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

हिमालया बेबीकेयर ने लॉन्च किया भावपूर्ण डीवीसी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। भारत के भरोसेमंद बेबी केयर ब्रांड्स में से एक हिमालया बेबीकेयर ने मदर्स डे के अवसर पर एक भावपूर्ण डिजिटल वीडियो कमर्शियल (डीवीसी) लॉन्च किया है। यह कैंपेन शिशु के ह्यपहले अनुभवोंह्ल और मां के साथ उसके भावनात्मक रिश्ते को दशार्ता है। सदाबहार लोरी चंदा है तू की पृष्ठभूमि में तैयार इस फिल्म में मां और बच्चे के रोजमर्रा के खास पलों को दिखाया गया है। फिल्म में शिशु की पहली मालिश, खेलने के पल और स्कूल के पहले दिन जैसे अनुभवों के जरिए मां की भावनात्मक यात्रा को उभारा गया है। हिमालय वेलनेस कंपनी के निदेशक - बेबीकेयर, चक्रवर्ती एनवी ने कहा कि यह कैंपेन मातृत्व के उन छोटे-छोटे पलों का जश्न है, जो मां और बच्चे के रिश्ते को और मजबूत बनाते हैं। फिल्टरकॉपी के डी2सी हेड विश्वनाथ शेट्टी ने कहा कि चंदा है तू की आत्मीयता के जरिए मातृत्व के खास पलों को भावनात्मक रूप से प्रस्तुत करने की कोशिश की गई है। यह कैंपेन सोशल और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर कई क्षेत्रीय भाषाओं में प्रसारित किया जाएगा।

पुलिस दबिश के कारण सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपितों ने किया सरेंडर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। जिले के चर्चित एकमा सामूहिक दुष्कर्म कांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बीते चार दिनों से फरार चल रहे दो आरोपियों ने पुलिस की लगातार दबिश और कानूनी कार्रवाई के बढ़ते दबाव के बीच छपरा न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण के बाद अदालत ने दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार के निर्देश पर एकमा थाना कांड में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी थी। 10 मई की रात नाबालिग पीड़िता के परिजनों के लिखित आवेदन के आधार पर एकमा थाने में प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़िता की गोपनीयता बनाए रखते हुए सदर-2 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजकुमार के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। इसके साथ ही 11 मई की सुबह एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए, जबकि पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण भी कराया गया। 12 मई को पीड़िता का बयान पॉक्सो कोर्ट में दर्ज कराया गया।

पुलिस जांच में तीन आरोपियों की पहचान हुई थी। इनमें एक विधि-विरुद्ध बालक को पहले ही निरुद्ध कर लिया गया था। वहीं फरार चल रहे निशांत कुमार सिंह, निवासी कोहड़गढ़ और प्रदीप कुमार सिंह, निवासी भोरहोपुर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस निरीक्षक सह एकमा थानाध्यक्ष राम बालक यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। गिरफ्तारी नहीं होने पर पुलिस ने कड़ी कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी। बढ़ते दबाव के बीच दोनों आरोपियों ने 13 मई को छपरा न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया।

वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा 14 मई को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मामले में आगे की विधिसम्मत कार्रवाई जारी है। पुलिस ने आमजन से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल देने की अपील की है।

इधर, पीड़िता के परिजनों और स्थानीय लोगों ने मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक मोड में कर दोषियों को शीघ्र कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। घटना के दूसरे दिन सारण रेंज के डीआईजी निलेश कुमार ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर स्पीडी ट्रायल चलाने की बात कही थी।

इस संवेदनशील मामले को लेकर क्षेत्र में लोगों की नजर जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर टिकी है।

सहयोग शिविर 19 मई को

मनसाही/कटिहार। प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ और उनकी समस्याओं का समाधान आसानी से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 19 मई से सहयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस पहल की शुरूआत भेड़मारा पंचायत से होगी। प्रशासन ने शिविर के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। बताया कि शिविर के सफल संचालन हेतु प्रखंड के सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। शिविर स्थल पर विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे। जहां ग्रामीणों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी और मौके पर ही आवेदन भी स्वीकार किए जाएंगे। प्राप्त मामलों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। गुरुवार को उपविकास आयुक्त अमित कुमार ने मनसाही प्रखंड मुख्यालय का निरीक्षण किया व अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पुलिया धंसने से सिमुलतला का संपर्क भंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। एक तरफ देश में एक्सप्रेस-वे और आधुनिक सड़कों का निर्माण हो रहा है, वहीं जमुई का राष्ट्रीय राजमार्ग-333-ए विभागीय लापरवाही और बदहाल व्यवस्था की कहानी बयां कर रहा है।

गुरुवार को घोरपारन जंगल के समीप स्थित कटोरवा पुलिया अचानक धंस गई, जिससे सिमुलतला का जिला और प्रखंड मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया।

गनीमत रही कि जिस समय पुलिया धंसी, उस वक्त उस पर कोई बड़ा वाहन नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिया की जर्जर स्थिति को लेकर कई बार खबरें प्रकाशित की गई थीं और विभागीय अधिकारियों को आगाह भी किया गया था, लेकिन समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2014 में इस सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा मिला था, लेकिन 12 वर्ष बीत जाने के बाद भी सड़क और पुल-पुलियों की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ।

पुलिया धंसने के बाद बड़े वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद कर दी गई है, जबकि छोटे वाहन जान जोखिम में डालकर गुजर रहे हैं। इस घटना का असर अब दैनिक जीवन पर भी पड़ने लगा है।

बांका और देवघर की ओर से आने वाली फल, सब्जी और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो गई है। मरीजों, छात्रों और रोजमर्रा के यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि यह सड़क अब हादसों का रास्ता बन चुकी है। लोगों का आरोप है कि टेंडर और निर्माण प्रक्रिया में लगातार लापरवाही बरती जा रही है, जिसका खामियाजा आम जनता भुगत रही है।

बैठक में जिला क्रिकेट एकेडमी शुरू करने का निर्णय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। जिला क्रिकेट संघ दुमका की एक बैठक गुरुवार को अध्यक्ष भास्कर अजीत सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संघ के संविधान संशोधन से लेकर जिला क्रिकेट एकेडमी शुरू करने तथा निविदा प्रक्रिया में कथित हितों के टकराव के मामले पर गंभीरता से चर्चा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से जिला क्रिकेट संघ दुमका के संविधान में संशोधन करने का निर्णय लिया गया। जिला खेलकूद विभाग दुमका द्वारा जारी ऑपरेशन, मेंटेनेंस एंड मैनेजमेंट आफ ए-टीम क्रिकेट ग्राउंड के लिए निकाली गई निविदा के आलोक में संघ ने जल्द से जल्द जिला क्रिकेट एकेडमी, दुमका शुरू करने का फैसला लिया। बताया गया कि संघ द्वारा तैयार समर्पित प्रारूप के अनुसार संचालित की जाएगी जिससे जिले के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण का अवसर मिल सकेगा।बैठक में संघ के उपाध्यक्ष रोहित कुमार तिवारी की भूमिका को लेकर भी चर्चा की गई। संघ ने आरोप लगाया कि जिस निविदा प्रक्रिया में जिला क्रिकेट संघ स्वयं शामिल था उसी प्रक्रिया में रोहित कुमार तिवारी अन्य निवेदक के प्रतिनिधि अथवा सहायक के रूप में शामिल हुए। संघ ने इसे संगठन के हितों एवं गरिमा के प्रतिकूल माना है। इस मामले को गंभीर मानते हुए संघ ने रोहित कुमार तिवारी से स्पष्टीकरण मांगने का निर्णय लिया है। उन्हें सात दिनों के भीतर लिखित जवाब सौंपने को कहा गया है। संघ ने स्पष्ट किया कि जवाब मिलने के बाद आगे की कार्रवाई पर विचार किया जाएगा। बैठक में संघ के कन्वेनर डॉ. तुषार ज्योति, सचिव शावर्ण मनोज कुणाल, सह सचिव विश्वजीत चटर्जी, सहायक सचिव दिवाकर शर्मा, कोषाध्यक्ष ललित पाठक, कार्यसमिति सदस्य सुवेंदु चक्रवर्ती, आनंद कश्यप मोंटी, चंदन गोराई, सीतेश साहा, संजीव सिंह एवं पीटर टुडू उपस्थित थे।

सात मोबाइलों के साथ दो साइबर ठग चढ़े पुलिस के हत्थे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। जामताड़ा साइबर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से सात मोबाइल फोन और नौ सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। यह जानकारी डीएसपी मुख्यालय संजय कुमार सिंह नेप्रेस वार्ता में दी।

पुलिस के अनुसार, साइबर थाना प्रभारी पु०नि०मो फारूक के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया था। टीम ने फतेहपुर थाना क्षेत्र के बनगढ़ी गांव स्थित गुलाम मुहम्मद के घर तथा करमाटांड़ थाना क्षेत्र के डुमरियां गांव के समीप पलाश झुंड इलाके में छापेमारी अभियान चलाया।

कार्रवाई के दौरान दो साइबर अपराधियों को ऑनलाइन ठगी करते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में बनगढ़ी निवासी 30 वर्षीय गुलाम मुहम्मद तथा डुमरियां निवासी 31 वर्षीय मो० मकबूल अंसारी शामिल हैं। दोनों आरोपी जामताड़ा जिले के रहने वाले हैं।

इस संबंध में साइबर अपराध थाना कांड संख्या 25/26 दिनांक 12 मई 2026 के तहत धारा 318(4), 319(2), 336(3), 338, 340(2) बीएनएस 2023, 66 आईटी एक्ट एवं 42(3) टेलीकम्युनिकेशंस एक्ट 2023 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने आरोपियों के पास से सात मोबाइल फोन और नौ सिम कार्ड जब्त किए हैं। जांच में सामने आया है कि आरोपी गेमिंग एप के ग्राहकों को कॉल कर उन्हें झांसे में लेते थे।

रिचार्ज कूपन के माध्यम से ऑनलाइन खरीदारी करने के साथ-साथ विभिन्न बैंकों का एपीके फाइल डाउनलोड करवाकर लोगों के खातों से ठगी की जाती थी। इसके अलावा आरोपी जियो कस्टमर केयर अधिकारी बनकर केवाईसी अपडेट के नाम पर लोगों की गोपनीय जानकारी हासिल कर साइबर ठगी को अंजाम देते थे।

पुलिस के अनुसार, इन साइबर अपराधियों का नेटवर्क देश के विभिन्न राज्यों तक फैला हुआ था। मामले की जांच जारी है तथा गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

छापेमारी दल में पु०नि० मनीष कुमार गुप्ता, हवलदार बाबूराम मुर्मू, आरक्षी सुनील कुमार दास, राजेंद्र किस्कू,

जल्द चलेंगे हावड़ा-राजगीर समर स्पेशल ट्रेन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। कोविड-19 महामारी के बाद पहली बार पूर्व रेलवे ने हावड़ा-राजगीर समर स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है।

गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ और टिकटों की भारी मांग को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने 03029/03030 हावड़ा-राजगीर-हावड़ा समर स्पेशल ट्रेन के परिचालन की घोषणा की है।

यह ट्रेन किऊल, भागलपुर, साहिबगंज, बरहड़वा और पाकुड़ मार्ग से होकर चलेगी, जिससे संताल परगना और बिहार के हजारों यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।कोविड काल के दौरान बंद हुई इस महत्वपूर्ण स्पेशल ट्रेन के दोबारा परिचालन की खबर से यात्रियों में उत्साह देखा जा रहा है। खासकर पाकुड़, साहिबगंज और भागलपुर क्षेत्र के लोग लंबे समय से इस ट्रेन के पुनः परिचालन की मांग कर रहे थे।

यात्रियों को मिलेगी सहूलियत

रेलवे के इस फैसले को यात्रियों के लिए बड़ी सौगात माना जा रहा है। रेलवे प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, 03029 हावड़ा-राजगीर समर स्पेशल ट्रेन 16 मई से 17 जून तक चलेगी, जबकि 03030 राजगीर-हावड़ा समर स्पेशल ट्रेन 17 मई से 18 जून तक संचालित होगी।

दोनों दिशाओं में कुल 33-33 ट्रिप लगाए जाएंगे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह स्पेशल ट्रेन गर्मी की छुट्टियों और विवाह सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है।

ट्रेन में सामान्य श्रेणी, जनरल स्लीपर और एसएलआरडी सहित कुल 14 कोच लगाए जाएंगे। ट्रेन का परिचालन इलेक्ट्रिक इंजन से किया जाएगा तथा इसकी प्राथमिक मेंटेनेंस हावड़ा में होगी।

जारी समय सारिणी के अनुसार, 03029 हावड़ा-राजगीर समर स्पेशल ट्रेन रात 10.50 बजे हावड़ा स्टेशन से चलेगी और अगले दिन रात 2.55 बजे पाकुड़ स्टेशन पहुंचेगी। यहां दो मिनट के ठहराव के बाद ट्रेन आगे रवाना होगी।

वहीं, वापसी में 03030 राजगीर-हावड़ा समर स्पेशल ट्रेन रात 10.58 बजे पाकुड़ स्टेशन पहुंचेगी और दो मिनट के ठहराव के बाद हावड़ा के लिए रवाना होगी।

सुराग देने वाले को पुलिस देगी इनाम

रामगढ़। कैमूर जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र में लगातार मिल रहे सिर कटे और टुकड़ों में शवों ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस अब उन किराएदारों की तलाश में जुट गई है, जो पिछले कुछ दिनों से कमरा बंद कर अचानक गायब हो गए हैं।

दो अलग-अलग जगहों से चार शवों के टुकड़े मिलने के बाद पुलिस ने मकान मालिकों के लिए विशेष गाइडलाइन जारी की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर एंगल से जांच में जुटी है। रामगढ़ थाना पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि ऐसे किराएदारों की जानकारी तुरंत थाने को दें, जो एक मई के बाद बिना सूचना दिए कमरा बंद कर गायब हो गए हैं।

पुलिस का मानना है कि संदिग्ध गतिविधियों और गायब किराएदारों का इस सनसनीखेज मामले से कोई कनेक्शन हो सकता है। इसलिए मकान मालिकों से भी सहयोग मांगा गया है।

पुलिस के अनुसार, 10 मई को पनसरेवां दुर्गावती नदी में दो सूटकेस से शव के टुकड़े बरामद किए गए थे। इसके बाद 12 मई की रात अभैदे नहर पुलिया के पास दो बोरियों में भी दो शवों के टुकड़े मिले।

मईंया सम्मान योजन में सेविका पर उगाही का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जमुआ प्रखंड अंतर्गत धुरगड़गी पंचायत के तेलमकरी गांव स्थित एक आंगनबाड़ी केंद्र पर मईयां सम्मान योजना के लाभुकों के सत्यापन के नाम पर प्रत्येक लाभुक से 200 रुपये ठगी का मामला बुधवार को सामने आया।

इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया में खूब वायरल हुआ। इसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। वायरल वीडियो में आंगनबाड़ी केंद्र के बाहर कतार में महिलाएं खड़ी दिख रही हैं। सत्यापन प्रतियों में पैसे की मांग आंगनबाड़ी सेविका रोशन आरा कर रही है। इससे लोगों में काफी आक्रोश है। सरकार का निर्देश है कि नियमित रूप से प्राप्त राशि मिलने वाली लाभुकों का किसी प्रकार के सत्यापन की आवश्यकता नहीं है।

वायरल वीडियो से प्रशासन भी सकते में आ गया और डीसी के निर्देश पर जमुआ बीडीओ अमल कुमार, सीओ सह बाल विकास परियोजना पदाधिकारी नरेश वर्मा और दो महिला पर्यवेक्षिकाओं की टीम स्थल जांच के लिए पहुंची, लेकिन वहां आरोपित सेविका गायब मिली।

अधिकारियों ने मामले को संज्ञान लेकर गहन जांच कर कार्रवाई का भरोसा दिया। शाबरा खातून, गुलशन खातून, शाहिदा खातून, रुकसाना खातून, मीना खातून, हिना खातून सहित 42 लाभुकों ने पैसे लेने का आरोप लगाया है।

सेवा पुस्तिका की जांच

मनसाही/कटिहार। गुरुवार को डीडीसी कटिहार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही पहुंचे। जहां अस्पताल की एक नर्स का सेवा पुस्तिका की जांच किये । अस्पताल के सभी विभाग का गहन जांच किया तथा अस्पताल परिसर की साफ सफाई में हो रही लापरवाही को लेकर जमकर फटकार लगाई। अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को विभिन्न दिशा निर्देश भी दिए।

लाजियो को 2-0 से हराकर इंटर मिलान ने

10वीं बार जीता कोप्पा इटालिया का खिताब

रोम । इंटर मिलान ने लाजियो पर 2-0 से जीत के साथ अपना दसवां कोप्पा इटालिया फुटबॉल खिताब जीता। इस जीत के साथ ही इंटर मिलान ने इस सीजन का ऐतिहासिक 'डोमेस्टिक डबल' पूरा किया। इंटर मिलान ने इसी साल मई में तीन मुकाबले बाकी रहते हुए 21वां सीरी ए के खिताब को अपने नाम किया था। टीम के लिए पहला गोल मार्कस थुरम ने किया। फेडेरिको डिमार्को के कॉर्नर पर मार्कस थुरम का शानदार हेडर लाजियो के खिलाड़ी एडम मारुसिक से टकराकर गोल पोस्ट में चला गया। इसके बाद मैच के 35वें मिनट में इंटर मिलान ने अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया। पेनल्टी बॉक्स से दिए गए डेनजेल डमफ्रीज के शानदार पास को लुटारो मार्टिनेज ने खाली पड़े गोल पोस्ट में पहुंचाया।

डेपोर्टिवो अलावेस ने एफसी बार्सिलोना को 1-0 से हराया

मैड्रिड । ला लीगा का खिताब अपने नाम करने वाली एफसी बार्सिलोना को डेपोर्टिवो अलावेस के खिलाफ टूर्नामेंट में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। रला लीगा का खिताब जीतने का जश्न मनाने का असर इस मुकाबले में बार्सिलोना के प्रदर्शन में साफतौर पर नजर आया। टीम मैच में संघर्ष करती हुई नजर आई। मैच का एकमात्र गोल पहले हाफ के आखिरी प्ले में इब्राहिम डायबेट ने किया। अलावेस के स्ट्राइकर ने एरिया के अंदर लेऑफ का फायदा उठाते हुए गोलकीपर स्जेसनी को छकाते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। इस जीत के साथ ही अलावेस अब सबसे निचले स्थान पर मौजूद तीन टीमों की लिस्ट से ऊपर उठ गई है। रिलेगेशन जोन से बाहर निकलने के लिए प्वाइंट्स जुटाने की कोशिश में लगी मेजबान टीम धीरे-धीरे मैच में अपनी पकड़ बनाई। गोलकीपर स्जेसनी को लगातार बचाव करने पड़े, लेकिन पहले हाफ की आखिरी किक को वो गोल पोस्ट के अंदर जाने से नहीं रोक सके।

कोहली ने पाकिस्तानी खिलाड़ी साहिबजादा फरहान समेत 4 बैटर का यह रिकॉर्ड तोड़ा

ध्वस्त किया गेल का वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली। विराट कोहली ने आईपीएल 2026 के 57वें मैच में केकेआर के खिलाफ गजब की पारी खेली और शतक (नाबाद 105 रन) लगाया।

केकेआर के खिलाफ पहले दो मैचों में डक पर आउट होने वाले कोहली ने क्या गजब की वापसी की और अपने आईपीएल करियर का 9वां शतक लगा दिया। यही नहीं ये कोहली को टी20 क्रिकेट करियर का 10वां शतक भी रहा। कोहली ने इस शतकीय पारी के दम पर पाकिस्तानी खिलाड़ी साहिबजादा फरहान समेत 4 बैटर्स का यह रिकॉर्ड तोड़ा जबकि क्रिस गेल के वर्ल्ड रिकॉर्ड को भी ध्वस्त कर दिया।

टी20 क्रिकेट में 14,000 रन भी पूरे किए

कोहली ने केकेआर के खिलाफ अपनी नाबाद 105 रन की पारी के दौरान टी20 क्रिकेट में 14,000 रन भी पूरे किए। वो अब टी20 प्रारूप में सबसे कम पारियों में 14 हजार रन बनाने वाले बैटर बने। उन्होंने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। गेल ने ये कमाल 423 पारियों में किया था जबकि कोहली ने ऐसा सिर्फ 409 पारियों में किया।

कोहली ने डेविड वॉर्नर की बराबरी कर ली जिन्होंने टी20 में 10 शतक लगाए थे

कोहली ने केकेआर के खिलाफ जो शतक लगाया ये उनके टी20 करियर का 10वां शतक रहा। उन्होंने साहिबजादा फरहान, अभिषेक शर्मा, क्विंटन डिकॉक और रिली रोसो को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने टी20 क्रिकेट में अब तक 9-9 शतक लगाए हैं। कोहली ने डेविड वॉर्नर की बराबरी कर ली जिन्होंने टी20 में 10 शतक लगाए थे और इस प्रारूप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में वॉर्नर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर आ गए।

सबसे कम पारियों में 14 हजार रन

- 409 पारी - विराट कोहली
- 431 पारी - डेविड वॉर्नर
- 505 पारी - एलेक्स हेल्स
- 423 पारी - क्रिस गेल
- 468 पारी - जोस बटलर
- 633 पारी - कीरोन पोलार्ड

कोहली ने रोहित की कर ली बराबरी

केकेआर के खिलाफ नाबाद 105 रन की पारी खेलने वाले कोहली को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। आईपीएल में ये उनका 21वां प्लेयर ऑफ द मैच खिताब रहा और उन्होंने रोहित शर्मा की बराबरी कर ली। इस लीग में वो अब रोहित के साथ सबसे ज्यादा बार ये खिताब जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए। दूसरे नंबर पर एमएस धोनी हैं।

सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द मैच खिताब जीतने वाले भारतीय

21 - विराट कोहली
21 - रोहित शर्मा
18 - एमएस धोनी
17 - रवींद्र जडेजा
17 - केएल राहुल
16 - यूसुफ पठान

आईपीएल में 9वें शतक के साथ विराट कोहली ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

आईपीएल 2026 के 57वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 6 विकेट से हराया। आरसीबी की इस जीत के नायक विराट कोहली रहे, जिन्होंने 105 रनों की नाबाद पारी खेली। कोहली ने अपनी इस शतकीय पारी के साथ रिकॉर्ड्स की झड़ी लगाई। कोहली ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 60 गेंदों की अपनी पारी में 175 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 11 चौके और 3 छक्के लगाए। उन्होंने देवदत्त पडिक्कल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 59 गेंदों में 92 रनों की अहम साझेदारी निभाई। आईपीएल में यह कोहली का 9वां शतक है। विराट ने केकेआर के खिलाफ यह आईपीएल में दूसरा शतक लगाया।

कोहली ने इस लीग में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में जोस बटलर की बराबरी कर ली है। बटलर ने केकेआर और आरसीबी के खिलाफ दो-दो शतक लगाए हैं। आईपीएल में रनों का पीछा करते हुए विराट कोहली संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। चेज करते हुए विराट ने यह तीसरा शतक लगाया। कोहली के अलावा यह कारनामा सिर्फ जोस बटलर ही कर सके हैं। विराट टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। कोहली के बल्ले से टी20 क्रिकेट में यह 10वां शतक निकला। विराट आईपीएल में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

इटैलियन ओपन

कोको गॉफ ने मिरा एंड्रीवा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

रोम । अमेरिका की कोको गॉफ ने रूस की मिरा एंड्रीवा को हराकर इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी कोको गॉफ को नंबर 8 सीड एंड्रीवा के खिलाफ तीसरे सेट में लगभग 5-1, दो-ब्रेक की बढ़त के साथ, 4-6, 0-2, 6-4 से जीत हासिल करने के लिए पांच मैच पॉइंट्स की जरूरत पड़ी। एंड्रीवा ने पहले सेट में 3-1 की बढ़त बनाई और कई बार इसे अच्छे से संभाला। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के मुताबिक, पहले सेट में, एंड्रीवा ने 10 विनर और सिर्फ सात अनफोर्स्ड एरर के साथ खत्म किया, और गॉफ के लिए इसका उल्टा हुआ। गॉफ ने 3-0 की बढ़त बनाई, एक ब्रेक लिया, और दूसरे सेट में कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। एंड्रीवा ने दूसरे सेट में 11 अनफोर्स्ड एरर किए, जिससे गॉफ ने डिसाइडर सेट के लिए मजबूर कर दिया। शुरू में ऐसा लगा कि गॉफ 5-1 की बढ़त के साथ डबल ब्रेक लेकर जीत जाएंगी। गॉफ ने दूसरे सेट से ही मोमेंटम बनाए रखा था और एंड्रीवा की गलतियों का फायदा उठाया। कोको गॉफ का सेमीफाइनल मुकाबला सोराना सिर्स्टिया से होगा। इस सीजन में गॉफ का रोमानियाई सिर्स्टिया से तीसरा मुकाबला लगातार दूसरे टूर्नामेंट में होगा। अमेरिकी खिलाड़ी अपने 15वें 1000-लेवल डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में पहुंची हैं।

36 साल के मनीष पांडे ने पकड़ा हैरतअंगेज कैच

- **विराट कोहली ने खास अंदाज में की सराहना**

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 57वें मैच में आरसीबी और केकेआर के बीच रोमांचक भिड़ंत देखने को मिली। इस मैच में 36 वर्षीय मनीष पांडे ने पॉइंट पर टिम डेविड का ऐसा हैरतअंगेज कैच पकड़ा जिसे देख हर कोई हैरान था। गेंदबाज को खुद भरोसा नहीं था कि ऐसा कैच हो गया। बल्लेबाज, डगआउट में बैठे खिलाड़ी और नॉन स्ट्राइकिंग एंड पर खड़े विराट कोहली भी इस कैच से हैरान थे। विराट ने खास अंदाज में इसकी सराहना भी की।

यह वाकिया था आरसीबी की पारी के 18वें ओवर का जब गेंदबाजी कार्तिक शर्मा कर रहे थे और टिम डेविड

बल्लेबाज थे। डेविड ने कट करने का प्रयास किया और पॉइंट पर खड़े मनीष पांडे ने अपनी बाईं ओर किसी पक्षी की तरह उड़ते हुए छलांग लगाई और एक हाथ से हैरतअंगेज कैच पकड़ लिया। इसके बाद रिप्ले में दिखाया गया कि विराट कोहली ने खास अंदाज में उन्हें सराहा। विराट कोहली और मनीष पांडे कुछ चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जो 2008 से लगातार आईपीएल का हिस्सा हैं। यही कारण है कि दोनों की दोस्ती और आपस में सम्मान का नजारा इस मैच में देखने को मिला। मनीष के शानदार कैच के बाद विराट कोहली ने उन्हें सराहा और हाथ मिलाते हुए औपचारिक तौर पर गले भी लगाया। सोशल मीडिया पर आग की तरह मनीष के कैच का वीडियो फैल गया और लोगों ने जमकर तारीफ की।

आरसीबी बनी नंबर एक टीम- इस मैच में आरसीबी ने केकेआर को 6 विकेट से हराकर अंकतालिका में नंबर 1 पोजिशन पर कब्जा किया और प्लेऑफ की दावेदारी को मजबूत कर लिया।

'हम किसी खास स्टाइल की क्रिकेट नहीं खेलते'

- **एसआरएच को हराने के बाद बोले जीटी कप्तान शुभमन गिल**

अहमदाबाद । आईपीएल 2026 में मंगलवार को नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को 82 रन से हराने के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल काफी खुश नजर आए। जीटी की लगातार पांचवी जीत थी और इस जीत के साथ टीम अंकतालिका में पहले स्थान पर चली गई है। जीटी कप्तान ने जीत का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया। मैच के बाद शुभमन गिल ने कहा, 'हमें पता था कि इस विकेट पर 170 का स्कोर मुश्किल होने वाला था। हमने बहुत अच्छी गेंदबाजी

की। हमने मैच से पहले गेंदबाजी को लेकर योजना बनाई थी और उसे पूरी तरह कार्यान्वित करने में सफल रहे। हम पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं।' साई सुदर्शन और वाशिंगटन सुंदर की तारीफ करते हुए गिल ने कहा, 'मुझे लगता है कि दोनों ने शानदार बल्लेबाजी की। उनके बिना 170 तक पहुंचना मुश्किल था।' अंकतालिका में पहले स्थान पर पहुंचने पर गिल ने कहा, 'यह सब लगातार अच्छा खेलने की वजह से संभव हो सका। हम उस तरह की टीम नहीं हैं जो किसी खास स्टाइल या ब्रांड का क्रिकेट खेलती हो। हम ऐसी टीम बनना चाहते हैं जो विकेट को देखे, कंडीशन का अंदाजा लगाए और उसके मुताबिक खेले।'

रियल बेटिस ने एल्चे पर जीत के साथ

चैंपियंस लीग में जगह बनाई

मैड्रिड । रियल बेटिस ने अगले सीजन के लिए यूईएफए चैंपियंस लीग में अपनी जगह बना ली है। बेटिस ने एल्चे पर 2-1 से जीत के साथ ही ला लीगा में पांचवां स्थान हासिल करते हुए अगले सीजन के लिए यूईएफए चैंपियंस लीग में जगह बनाई है। बेटिस के लिए पाब्लो फोर्नल्स ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने नौवें मिनट में कुचो हर्नांडेज को पहला गोल करने का मौका दिया और फिर 68वें मिनट में पेनल्टी एरिया के बाहर से एक शानदार कर्लिंग शॉट से विजयी गोल किया। एल्चे ने 41वें मिनट में हेक्टर फोर्ट के जरिए बराबरी कर ली, लेकिन उनकी वापसी की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा जब लियो पेट्रोट को एंटनी पर देर से चुनौती देने के लिए सीधे रेड कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया गया। इस नतीजे से बेटिस का 21 साल में पहली बार चैंपियंस लीग में खेलना पक्का हो गया।

वहीं, सेल्टा विगो की उम्मीदें लेवांटे से 3-2 से हार के साथ खत्म हो गईं। लेवांटे सेल्टा विगो पर जीत के बाद बॉटम थ्री से बाहर आ गया। सेल्टा के लिए फेरान जुटग्ला ने चौथे और 48वें मिनट में गोल किए, लेकिन केर्विन अरियागा और एड्रियन डे ला फुएंते ने दो बार बराबरी की, इससे पहले रोजर ब्रुग ने गोल किया जो लेवांटे के रेलीगेशन की लड़ाई में अहम साबित हो सकता था। एडेमोला लुकमैन और अलेक्जेंडर सोरलोथ ने गोल करके एटलेटिको मैड्रिड को ओसासुना के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाई। ओसासुना को 37वें मिनट में विंगर राउल मोरो को चोट के कारण खोना पड़ा, जबकि एटलेटिको मैड्रिड 79वें मिनट में 10 खिलाड़ियों तक सिमट गया जब मार्कोस लोरेंटे को दूसरा येलो कार्ड दिखाया गया।

एशियाई खेलों से पहले बड़ा विवाद

नंबर-1 शूटर जोरावर संधू भारतीय टीम से बाहर

नई दिल्ली। एशिया में नंबर एक और विश्व रैंकिंग में छठे नंबर के ट्रैप निशानेबाज जोरावर सिंह संधू को इस वर्ष के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारत की संभावित शॉटगन टीम में शामिल नहीं किया गया है। यह तब है जब वह देश के शीर्ष ट्रैप निशानेबाजों में से एक हैं और उन्होंने पिछले वर्ष विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप और घरेलू चयन ट्रायल के दौरान जोरावर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। विश्व चैंपियनशिप और विश्व कप फाइनल्स की तैयारी में व्यस्त होने के बावजूद उनके लिए इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना अनिवार्य था। राष्ट्रीय ट्रायल्स में निराशाजनक प्रदर्शन के कारण उन्हें एशियाई खेलों के लिए संभावित टीम में जगह नहीं मिली है। वह एक महीने पहले तक विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर थे।

जोरावर ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) से अपने फैसले पर फिर से विचार करने का आग्रह किया है। उन्होंने तर्क दिया है कि पिछले छह महीनों में भारतीय ट्रैप निशानेबाजों में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ स्कोर हासिल किया है। एनआरएआई ने हालांकि स्पष्ट किया है कि वह डेढ़ साल पहले लागू की गई चयन नीति का सख्ती से पालन करेगा।NRAI महासचिव पवन कुमार सिंह ने कहा कि पुरुषों की संभावित ट्रैप टीम में बदलाव होने की संभावना नहीं है। इस टीम में कीनान चेनाई, अहवर रिजवी और शपथ भारद्वाज शामिल हैं। ये सभी 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगे।

47 वर्षीय जोरावर पिछले साल अक्टूबर में एथेंस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर ट्रैप शूटिंग में पदक जीतने वाले तीसरे भारतीय निशानेबाज बने थे।

उन्होंने विश्व कप फाइनल्स में भी पदक दौर तक जगह बनाई, लेकिन आखिर में सातवें स्थान पर रहे। जोरावर के हवाले से समाचार एजेंसी पीटीआई ने लिखा, एनआरएआई को टीम के चयन पर फिर से विचार करना चाहिए, लेकिन उनका फैसला जो भी होगा उसे मुझे स्वीकार करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

आप नेता मनीष सिसोदिया बोले- भाजपा के सारे इंजन ठप

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में चलती स्लीपर बस में 35 वर्षीय महिला के साथ

सामूहिक दुष्कर्म की दर्दनाक घटना सामने आने के बाद सियासी घमासान तेज हो गया है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने घटना को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली में महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा पूरी तरह से भगवान भरोसे है। मनीष सिसोदिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर लिखा कि दिल्ली में के सारे इंजन ठप हो चुके हैं। स्कूल में बच्चियां सुरक्षित नहीं, बसों में महिलाएं सुरक्षित नहीं! दरअसल, पीतमपुरा निवासी 35 वर्षीय महिला ने पुलिस को शिकायत दी कि वह नांगलोई स्थित एक फैक्ट्री से रात में पैदल घर लौट रही थी। इसी दौरान रास्ते में एक स्लीपर बस के ड्राइवर और हेल्पर ने उसे जबरन बस के अंदर खींच लिया। आरोप है कि करीब सात किलोमीटर तक बस चलती रही और इसी दौरान महिला के साथ दुष्कर्म किया गया। रात करीब दो बजे आरोपी महिला को सड़क पर उतारकर फरार हो गए। महिला की शिकायत पर रानी बाग थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान बस चालक सुदेश (30) और हेल्पर अमन (26) के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल बस को भी जब्त कर लिया है। पुलिस के मुताबिक महिला की हालत फिलहाल स्थिर है और मामले में आगे की जांच जारी है।

पिस्टल के साथ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, पकड़ा गया तो बताया क्यों 9 माह पहले खरीदा हथियार

नईदिल्ली, एजेंसी। मयूर विहार थाना पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर को अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। बदमाश की पहचान सरफराज उर्फ राजा के रूप में हुई है। इसके खिलाफ पहले से लूट, चोरी, स्नैचिंग और आर्म्स एक्ट सहित कुल आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं। बदमाश से पूछताछ कर पुलिस पता लगा रही है हथियार कहां स खरीदा था। पुलिस ने बताया कि मयूर विहार थाना पुलिस की टीम त्रिलोकपुरी के 18 ब्लॉक में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिसकर्मी को एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसे रुकने का इशारा किया तो वह अचानक भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा कर कुछ ही दूरी पर उसे दबोच लिया। तलाशी लेने पर आरोपित के पास से एक पिस्टल बरामद हुई। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसने करीब नौ महीने पहले 7 हजार रुपये में यह हथियार खरीदा था, ताकि इलाके में दहशत बनाकर अपराध कर सके।

सीबीआई प्रमुख प्रवीण सूद का कार्यकाल एक साल बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की मोदी सरकार ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया। यह उनका दूसरा कार्यकाल विस्तार है। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने चयन समिति की सिफारिश पर सूद का कार्यकाल 24 मई 2026 के बाद एक वर्ष के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। प्रवीण सूद ने 25 मई 2023 को दो वर्ष के नियमित कार्यकाल के लिए सीबीआई निदेशक का पद संभाला था। पिछले वर्ष उनका कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली चयन समिति की मंगलवार को हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल थे। बैठक के बाद राहुल गांधी ने सीबीआई निदेशक की चयन प्रक्रिया को लेकर असहमति दर्ज कराई।

'वकील हैं, अनपढ़ या नाबालिग नहीं...', दुष्कर्म के केस में जिम ट्रेनर को बेल देते हुए दिल्ली एचसी की सख्त टिप्पणी

जिम ट्रेनर पर ब्लैकमेल करने का भी आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। एक वकील से दुष्कर्म के मामले में आरोपित जिम ट्रेनर को जमानत देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि जब व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े सवालों पर निर्णय किया जाता है, तो नैतिकता को अपराध से अलग रखा जाना चाहिए। न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ ने यह टिप्पणी अभियोजन पक्ष के तर्क को सुनने के बाद की। जमानत याचिका का विरोध करते हुए अभियोजन पक्ष ने कहा कि आरोपित शादीशुदा है और उसका एक बच्चा भी है।

यह भी कहा कि आरोपित शादी के अलावा किसी और से संबंध थे और वह और पीड़िता अलग-अलग धर्मों से ताल्लुक रखते हैं। हालांकि, पीठ ने इन तर्कों को ठुकराते हुए कहा कि आरोपित नवंबर 2025 से हिरासत में है। पीठ ने आरोपित को 10 हजार रुपये के निजी मुचलके व इतनी ही राशि के एक जमानती पर रिहा करने का आदेश दिया।

आरोपित ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(दो), 351(दो),

64(2)(एम) और 79 के तहत अपराधों के संबंध में नियमित जमानत की मांग की थी। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया था कि एक जिम ट्रेनर के तौर पर काम करने वाले आरोपित की मुलाकत पीड़िता से तब हुई, जब वह उसके जिम आने लगी। आरोप है कि उसने पीड़िता को कोई नशीला पेय पिलाकर उसे एक होटल ले जाया गया। उसने न सिर्फ उसके साथ दुष्कर्म किया, बल्कि उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें खींचीं। पीड़िता ने आगे आरोप लगाया कि आरोपित ने इंटरनेट मीडिया पर उन तस्वीरों को प्रसारित करने की धमकी देकर बार-बार उसके साथ यौन उत्पीड़न किया और उससे पैसे भी ऐंठे।

वहीं, आरोपित ने जमानत की मांग करते हुए तर्क दिया कि उनके बीच शारीरिक संबंध आपसी सहमति से बने थे और प्राथमिकी उनके रिश्ते में खटास आने के बाद कराई गई थी। उक्त तर्कों को साबित करने के लिए उसकी तरफ से तस्वीरें और वीडियो पेश की गई। अदालत ने पाया कि तस्वीरों या वीडियो में से किसी में भी कोई अश्लील या आपत्तिजनक सामग्री नहीं थी। अदालत ने यह भी पाया कि वे पहली नजर में आरोपित व पीड़िता के बीच रिश्ता आपसी सहमति से बना था। अदालत ने यह भी रिकॉर्ड पर लिया कि शिकायतकर्ता एक 30 वर्षीय पेशेवर वकील है और वह पूरी तरह से जानती थी कि उसके लिए क्या अच्छा है। पीठ ने कहा कि वह कोई नाबालिग या अनपढ़ महिला नहीं थी।

रॉबर्ट वाड्रा ने खटखटाया दिल्ली एचसी का दरवाजा, भूमि सौदे में ट्रायल कोर्ट के समन को दी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के शिकोहपुर में एक भूमि सौदे में अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी समन को उद्यमी रॉबर्ट वाड्रा ने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। याचिका को बृहस्पतिवार को न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। वाड्रा ने ट्रायल कोर्ट के 15 अप्रैल के आदेश को चुनौती दी है। वकील प्रतीक कृष्ण चड्ढा के माध्यम से दायर याचिका में रॉबर्ट वाड्रा ने दलील दी कि इसमें कोई गैर-कानूनी काम शामिल नहीं था और यह लेन-देन पूरी तरह से व्यावसायिक प्रकृति का था। वाड्रा ने अपनी याचिका में कहा कि ट्रायल कोर्ट का आदेश गलत है और इसे रद किया जाना चाहिए। इस मामले में जुलाई 2025 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोपपत्र दाखिल किया था और इसके बाद अदालत ने इसका संज्ञान लिया था।

अदालत ने रॉबर्ट वाड्रा को 16 मई को पेश होने का आदेश दिया है। यह पूरा मामला गुरुग्राम के शिकोहपुर में 3.53 एकड़ जमीन के एक प्लाट से जुड़ा है। ईडी ने आरोप लगाया कि राबर्ट वाड्रा की फर्म, स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी ने 12 फरवरी 2008 को ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से धोखाधड़ी करके यह जमीन खरीदी थी। ईडी ने राबर्ट वाड्रा को आरोपितों में से एक के रूप में नामित किया। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि जमीन अधिग्रहण में झूठे बयान दिए गए थे और दावा किया कि उनके निजी प्रभाव का इस्तेमाल करके एक व्यावसायिक लाइसेंस प्राप्त किया गया था। ईडी ने ट्रायल कोर्ट के सामने दलील दी कि जमीन के भुगतान के रूप में दिखाए गए 7.5 करोड़ का भुगतान एक चेक के माध्यम से किया गया था, जिसे कभी भुनाया नहीं गया। ईडी ने दावा किया कि बाद में इस जमीन को डीएलएफ को ज्यादा कीमत पर बेच दिया गया था। ईडी ने गत वर्ष मनी लांड्रिंग प्रिवेंशन एक्ट (पीएमएलए) के तहत इस मामले के हिस्से के रूप में लगभग 37.64 करोड़ मूल्य की 43 अचल संपत्तियों को कुर्क किया गया था।

सरकार का बड़ा फैसलाः चीनी के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक, बड़े संकट की आहट?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार ने चीनी के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध 30 सितंबर 2026 तक या अगले आदेश तक जारी रहेगा। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक देश ने यह कदम देश में दाम बढ़ने से रोकने यानी घरेलू कीमतों को नियंत्रित करने के लिए उठाया है। भारत में इस बार गन्ने की पैदावार कमजोर पड़ गई है। जिन क्षेत्रों में गन्ने की पैदावार अच्छी होती थी, उन जगहों पर फसल खराब होने से उत्पादन लगातार दूसरे साल घरेलू खपत से कम रहने का अनुमान है। सरकार ने पहले सोचा था कि गन्ने का उत्पादन मांग से अधिक होगा, इसलिए मिलों को 15.9 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी गई थी। लेकिन, अब हालात बदल गए हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, अल नीनो प्रभाव से इस साल मानसून पर खतरा बना हुआ है। इससे अगले सीजन का उत्पादन भी अनुमान से कम रह सकता है। यही वजह है कि सरकार ने समय रहते निर्यात रोकने का फैसला लिया।

हरीश राणा की इच्छा मृत्यु के बाद परिवार का बड़ा फैसला, दिल का वॉल्व और कॉर्निया किए दान; एससी ने की सराहना

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हरीश राणा के परिवार की सराहना की, जिन्होंने उनकी इच्छा मृत्यु के बाद अंगदान किया। यह निर्णय उस समय आया जब सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद निवासी राणा के लिए जीवन समर्थन हटाने की अनुमति दी थी, जो लगभग 13

वर्षों से स्थायी रूप से चिकित्सा उपकरणों के सहारे रोग शैय्या पर थे। जस्टिस जेबी पार्डीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ को बताया गया कि राणा का निधन 24 मार्च को हुआ, जब उन्हें आल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली के पैलियेटिव केयर यूनिट में स्थानांतरित किया गया था। सर्वोच्च न्यायालय के 11 मार्च के निर्णय के अनुसार, उन्हें 'पैसिव यूथेनेसिया' की अनुमति दी गई थी। वहीं, सुनवाई के दौरान, राणा के परिवार के लिए उपस्थित वकील ने बताया कि उनकी मृत्यु का प्रमाणपत्र सर्वोच्च न्यायालय रजिस्ट्री में प्रस्तुत किया गया है। वकील ने यह भी बताया कि राणा के निधन के बाद उनके दिल का वॉल्व और कार्निया दान किए गए, क्योंकि ये अंग ही दान के लिए उपयुक्त पाए गए थे। 'प्रेम और करुणा' के साथ अंतिम सांस ली जस्टिस पार्डीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने सराहना व्यक्त करते हुए कहा कि अपूरणीय क्षति सहने के बावजूद, परिवार ने अंगदान के निर्णय के माध्यम से विशाल उदारता का प्रदर्शन किया।

दिल्ली के यादव नगर में गहराया जल संकट, 7 दिन से पानी के लिए तरस रहे 2000 से ज्यादा लोग

नईदिल्ली, एजेंसी। यादव नगर में सप्ताहभर से जलापूर्ति न होने के कारण लोग परेशान है। बढ़ रही गर्मी के बीच पानी की किल्लत से लोगों को रोजमर्रा का जीवन प्रभावित हो रहा है। पाइप लाइन में दिक्कत के कारण कई ब्लाक में पानी नहीं आ रहा। जिसकी वजह से लगभग दो हजार से अधिक लोग दो बूंद पानी के लिए तरस रहे है।

यादव नगर के सी व डी-ब्लाक में लोगों के घर तक पानी नहीं पहुंच रहा। इन ब्लाक में लगभग दो मकान है। जहां 6-7 दिनों से जलापूर्ति बंद पड़ी है। जलापूर्ति न होने के कारण लोग अपने कामकाज नहीं कर पा रहे।

जलापूर्ति न होने के कारण लोगों के घरों में पीने के लिए पानी नहीं है। महिलाएं घरेलू कामकाज नहीं कर पा रही। बच्चे स्कूल जाने के लिए पानी की इंतजार करते रहते है। इसके अलावा अन्य कामकाजी लोग पानी न मिलने के कारण परेशान है। मजबूरन लोगों को मजबूरन निजी प्लांटों से पानी खरीदना पड़ रहा है।

20 लीटर पानी के लिए लोगों को 20 से 40 रुपये तक चुकाने पड़ रहे है। प्रतिदिन एक परिवार में अनुमानित 200-300 रुपये का पानी खरीदा जा रहा है। तब जाकर लोग अपने कामकाज कर पा रहे है। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी के जेई (जूनियर इंजीनियर) ने बताया कि इस तरह की कोई शिकायत नहीं मिली। फिर भी जांच कराई जाएगी।

जन प्रतिनिधियों की उपेक्षा करना गंभीर अपराध है। जिसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों को दंडित किया जाना चाहिए। वैसे भी क्षेत्र में पानी की उपलब्धता होते हुए सिर्फ कुछ नागरिकों को पानी से वंचित करना भीषण गर्मी में किसी गंभीर अपराध से कम नहीं है। ऐसे अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। एक ओर दिल्ली की मुख्यमंत्री दिल्ली के नागरिकों को हीट वेव से बचाने के लिए व्यापक कार्य योजना बनाकर उसको क्रियान्वित करने में लगी हुई हैं, दूसरी ओर कुछ अधिकारी अपने कुकृत्यों और लापरवाही के चलते पूरी सरकार और प्रशासन को बदनाम करने में लगे हुए हैं। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ताकि भविष्य में किसी अधिकारी को सरकार को बदनाम करने की हिम्मत न पड़े।

उषा को देखते ही मोहित हो गए थे वेंसः शादी के लिए ले लिया था बड़ा संकल्प, अमेरिकी उपराष्ट्रपति की प्रेम कहानी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कॉलेज के दौरान हुई पहली मुलाकात में ही उषा के प्रति काफी मोहित हो गए थे। यहां तक कि उन्होंने अपने दोस्तों से कह दिया था कि या तो वह इस लड़की से शादी करेंगे अथवा जीवनभर अविवाहित रहेंगे। वेंस ने खुद यह खुलासा अपनी नई किताब में किया है। अपने संस्मरण कम्यूनियन : फाइंडिंग माय वे बैक टू फेद में वेंस ने लिखा है कि वह उषा की सुंदरता, बुद्धिमत्ता और अलग अंदाज से आकर्षित हुए थे जो बाद में उनकी पत्नी बनीं। इस संस्मरण के कुछ अंश यूएसए टुडे ने प्रकाशित किए हैं। येल लॉ स्कूल में उषा बाला चिलुकुरी से मिलने वाले वेंस ने कहा कि वह पहली ऐसी व्यक्ति थीं जिनके लिए उन्होंने सच्चा प्रेम महसूस किया। यह पुस्तक अगले महीने प्रकाशित होगी। वेंस ने लिखा, जब मैं पहली बार उषा से मिला तो उनकी कई बातें मुझे असामान्य लगीं। उनमें से एक यह थी कि वह बेहद प्रतिस्पर्धी थीं लेकिन मुझे यह आकर्षक से ज्यादा अजीब लगा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह ईसाई धर्म को मानने वाले व्यक्ति से नास्तिक बने और फिर कैथोलिक धर्म के प्रति रुझान बढ़ा। उन्होंने 2019 में कैथोलिक धर्म अपनाया और कहा कि इस नए विश्वास ने उन्हें वह उद्देश्य दिया जो उन्हें येल विश्वविद्यालय की शिक्षा या वित्तीय क्षेत्र में काम करने से नहीं मिला था। वेंस की पहली पुस्तक हिलबिली एलेगी है जिसमें उनके बचपन की कहानी है जो हिंसा, शराबखोरी और गरीबी से प्रभावित था। उनकी यह पुस्तक काफी पंसद की गई।

35 साल की महिला ने पति को जहर देकर माराः बच्चों के लिए किताब भी लिखी, अब अदालत से आजीवन कारावास

पार्क सिटी (यूटा), एजेंसी। अमेरिका के यूटा राज्य की एक महिला को उसके पति की हत्या के मामले में बिना पैरोल उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। बुधवार को एक जज ने यह फैसला सुनाया। महिला ने अपने पति की मौत के बाद बच्चों के लिए एक ऐसी किताब लिखी थी, जिसमें उनके पिता को खोने के दुख के बारे में बताया गया था।

कोरी रिचिन्स नाम की इस महिला को मार्च महीने में हत्या का दोषी पाया गया था। उस पर आरोप था कि उसने साल 2022 में पार्क सिटी के पास घर में अपने पति एरिक रिचिन्स के कॉकटेल ड्रिंक में फेंटेनाइल (बहुत तेज असर करने वाली दर्द कम करने की दवा) को मात्रा से पांच गुना ज्यादा मिलाकर उसे मार दिया।

जूरी ने कोरी रिचिन्स को चार अन्य गंभीर अपराधों में भी दोषी माना। इनमें बीमा धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज बनाना और हत्या की कोशिश जैसे मामले शामिल हैं। आरोप था कि उसने वैलेंटाइन डे से कुछ हफ्ते पहले भी अपने पति को फेंटेनाइल मिला सैंडविच देकर जहर देने की

कोशिश की थी। बचाव पक्ष ने कहा है कि वह इस फैसले और सजा के खिलाफ अपील करेगा।

जज रिचर्ड मराजी ने सजा सुनाते समय कहा, जो व्यक्ति ऐसे अपराध करता है, वह कभी भी आजाद रहने के लायक नहीं है। जिस दिन सजा सुनाई गई, उसी दिन एरिक रिचिन्स का 44वां जन्मदिन था। सरकारी वकीलों ने कहा कि 35 साल की कोरी रिचिन्स रियल एस्टेट का काम करती थी और घर खरीदकर बेचने का कारोबार भी करती थी। उस पर करोड़ों रुपये का कर्ज था और वह किसी दूसरे आदमी के साथ नया जीवन शुरू करने की योजना बना रही थी। जांच में यह भी सामने आया कि उसने अपने पति की जानकारी के बिना उनके नाम पर कई जीवन बीमा पॉलिसी खुलवाई थीं। उसे यह गलतफहमी थी कि पति की मौत के बाद उसे 40 लाख डॉलर से ज्यादा की संपत्ति मिल जाएगी। कोरी रिचिन्स जेल की हरे रंग की वर्दी पहनकर अदालत में खड़ी हुई और अपने बेटों से (जो अदालत में मौजूद नहीं थे) कहा- कृपया मुझसे उम्मीद मत छोड़ना। कोरी रिचिन्स को कई दशक से लेकर पूरी जिंदगी तक जेल में रहना पड़ सकता है। वह लगातार खुद को निर्दोष बताती रही है। बुधवार को भी उसने कहा कि अदालत का फैसला 'पूरी तरह झूठ' है। जूरी ने उसे चार अन्य अपराधों में भी दोषी पाया। इनमें वैलेंटाइन डे के समय अपने पति को फेंटेनाइल मिला सैंडविच देकर मारने की कोशिश का मामला भी शामिल था।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना और लड़ाकों के बीच मुठभेड़, मेजर समेत पांच सैनिकों की मौत

कराची, एजेंसी। बलूचिस्तान में पाकिस्तान सेना ने एक बड़े संयुक्त अभियान में सात लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है। हालांकि इस कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के एक मेजर समेत पांच सैनिकों की भी मौत हो गई। यह जानकारी पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बुधवार देर रात जारी बयान में दी। सेना के बयान में कहा गया कि अभियान के दौरान सात लड़ाके मारे गए। हालांकि इस दौरान एक फील्ड ऑफिसर यानी मेजर समेत पांच सैनिकों की भी जान चली गई। मारे गए सैनिकों की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है। कार्रवाई के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान भी चलाया। इस दौरान लड़ाकों के कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद किए जाने का दावा किया गया

है। सेना ने कहा कि इलाके में बाकी लड़ाकों की तलाश के लिए अभियान अभी जारी है। बलूचिस्तान में इस साल सुरक्षा बलों ने कई बड़े अभियान चलाए हैं। मार्च में हरनाई और बसीमा जिलों में हुए ऑपरेशन में 15 लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया गया था, जबकि फरवरी में झोब जिले में 10 लड़ाके मारे गए थे। दरअसल, बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसा और उग्रवाद से प्रभावित रहा है। यहां सक्रिय सशस्त्र समूह अक्सर सुरक्षा बलों और सरकारी ढांचे को निशाना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान सरकार कई हमलों के लिए बलूच लिबरेशन आर्मी और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराती रही है।

मोदी जैसा कोई नहींः पीएम के मुरीद हुए नॉर्वे के पूर्व पर्यावरण मंत्री सोल्हेम

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे के पूर्व मंत्री और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख एरिक सोल्हेम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उनके नेतृत्व और पर्यावरण संबंधी दृष्टिकोण के लिए जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश में कोई भी नेता अपने देश में मोदी जितना लोकप्रिय नहीं है। पश्चिमी नेताओं को उनके हरित संदेश से बहुत कुछ सीखने को है। सोल्हेम का यह बयान पीएम मोदी के 18-19 मई को नॉर्वे के दौरे से पहले आया है। नॉर्वे के एक अखबार में छपे लेख में सोल्हेम ने पीएम मोदी की लोकप्रियता, आर्थिक सुधारों और हरित विकास पर उनके जोर का जिक्र करते हुए, उन्हें एक ऐसा परिवर्तनकारी नेता बताया जो वैश्विक मंच पर भारत के उदय को गति दे रहे हैं। उन्होंने लिखा कि पश्चिमी नेता मोदी के हरित संदेश से बहुत कुछ सीख सकते हैं। नॉर्डिक प्रधानमंत्रियों को भारतीय नेता के साथ अपनी बैठक के दौरान उन्हें ध्यान से सुनना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख ने विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा और सतत विकास पर प्रधानमंत्री मोदी के जोर की सराहना की और उन्हें हरित विकास का गारंटर बताया। मोदी दुनियाभर में सबसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक नेताओं में से एक पीएम मोदी की राजनीतिक हैसियत की तारीफ करते हुए सोल्हेम

ने लिखा, भारतीय प्रधानमंत्री की अप्रूवल रेटिंग लगभग 70 प्रतिशत है और वह दुनियाभर में सबसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक नेताओं में से एक बने हुए हैं। लेख में पीएम मोदी की गुजरात के वडनगर से हुई शुरुआत पर चर्चा की गई है। इसमें कहा गया है कि एक साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से निकलकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करने तक का उनका सफर उन्हें असाधारण बनाता है और उन्हें एक स्व-निर्मित नेता के रूप में वर्णित किया गया है। सोल्हेम ने लिखा, भारतीय अर्थव्यवस्था अब सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है जो चीन से अधिक और किसी भी अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्था से कहीं ऊपर है। यदि मौजूदा विकास के रुझान जारी रहते हैं तो 2050 तक भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है।

पूर्व मंत्री ने भारत के राजनीतिक और वैचारिक विकास पर कहा कि हिंदू राष्ट्रवाद भारतीय राजनीति में एक निर्णायक शक्ति बन गया है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने जाति और वर्ग की सीमाओं से परे जाकर समर्थन जुटाया है। पार्टी ने भारत में कुछ ऐसा हासिल किया है जो पूरी तरह से अनोखा और नया है। भाजपा को सभी का समान समर्थन हासिल है। भारत से घनिष्ठ संपर्कों से नॉर्वे को बहुत कुछ हासिल होगा : सोल्हेम के अनुसार, मोदी ने आर्थिक विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक मेल किया है। नॉर्वे और भारत के बीच मजबूत संबंधों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के साथ घनिष्ठ जुड़ाव दोनों पक्षों के लिए अनगिनत जीत के अवसर पैदा करेगा।

राजकीय सम्मान के साथ पूर्व मंत्री माधव लाल सिंह पंचतत्व में विलीन

मंत्री सहित हजारों लोगों ने नम आंखों से दिवंगत माधव बाबू को दी अंतिम विदाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राजकीय सम्मान के साथ पूर्व मंत्री स्व. माधव लाल सिंह साड़म पश्चिमी स्थित बोकारो नदी में पंचतत्व में विलीन हुए। राजकीय सम्मान के तहत पुलिस बल ने दी अंतिम सलामी जन प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं हजारों ग्रामीणों ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी। अंतिम संस्कार में मंत्री उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग योगेन्द्र प्रसाद, उपायुक्त नाथ झा समेत जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं हजारों की संख्या में उपस्थित समर्थकों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। इस मौके पर मंत्री योगेन्द्र प्रसाद ने भी दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्व. माधव लाल सिंह ने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए समाज के हर वर्ग के उत्थान हेतु कार्य किया। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को सदैव याद किया जाएगा। वहीं, उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि स्व. माधव लाल सिंह जी का सार्वजनिक जीवन अत्यंत प्रेरणादायी रहा। उन्होंने जनसेवा, सामाजिक सरोकार एवं क्षेत्र के विकास के लिए सदैव समर्पित भाव से कार्य किया। उनका निधन सार्वजनिक जीवन एवं क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पेटरवार प्रखंड स्थित लीला जानकी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वहीं विज्ञान संकाय में सुमिरन कुमार ने 89% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं वाणिज्य संकाय में वेदांत मयंक ने 77.8% तथा कला संकाय में श्रेय कुमारी ने 77.4% अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में सम्मान एवं बधाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विद्यालय के निदेशक नीरज कुमार सिन्हा, प्राचार्य आजाद कुमार तथा समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। निदेशक महोदय एवं प्राचार्य ने सफल विद्यार्थियों को पुष्पगुच्छ एवं मिठाई देकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अपने संबोधन में निदेशक नीरज कुमार सिन्हा ने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी मेहनत, अनुशासन एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। वहीं प्राचार्य श्री आजाद कुमार ने सभी विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम करते हुए जीवन में उच्च लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रोटरी की बैठक में समाज सेवा को और प्रभावी बनाने को लेकर विचार विमर्श

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रोटरी जिला 3250 के अंतर्गत जोन 7 बोकारो में महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक का संचालन जोनल समन्वयक रो. पूजा बैद ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न रोटरी क्लबों के पदाधिकारियों एवं जोन-7 के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में आगामी सेवा परियोजनाओं, सदस्यता वृद्धि, युवा कार्यक्रमों तथा सामाजिक गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई।बोकारो रोटरी क्लब की अध्यक्ष चयनित रो पूनम त्रेहान, रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष चयनित मुकेश अग्रवाल, रोटरी मिड टाउन कपल के अध्यक्ष चयनित मोहित अग्रवाल एवं अन्य वक्ताओं ने रोटरी के मूल उद्देश्यों — सेवा, नेतृत्व और सामुदायिक विकास — को आगे बढ़ाने पर बल दिया। मुख्य अतिथि जिला 3250 की जिलापाल रो.अन्नू नारंग (26-27)ने अपने संबोधन में कहा कि रोटरी समाज सेवा का एक सशक्त माध्यम है और सभी क्लबों को मिलकर अधिक प्रभावी कार्य करने चाहिए। जिला पाल अनु नारंग ने अपने आगामी कार्यकाल की प्राथमिकताएं बताई। धनबाद से आए पूर्व जिला पाल संदीप नारंग और जिला सचिव राजेश पारकरिया (26-27) ने भी उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया।अंत में धन्यवाद ज्ञापन सहायक जिला पाल चयनित रो.पूजा बैद द्वारा प्रस्तुत किया गया। बैठक में प्रदीप सिंह,प्रदीप नारायण, डॉ परिंदा सिंह, बिनोद चोपड़ा, श्वेता रस्तोगी, डिंपल कौर, शिव अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, अनूप त्रिपाठी, देवासीस सहाना, प्रदीप रे, अनीष कुमार आदि मौजूद रहे।

उपायुक्त ने आम बागवानी एवं अबुआ आवास योजना का किया निरीक्षण

उपायुक्त ने की लाभुकों से बातचीत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरुवार को पेटरवार प्रखंड अंतर्गत उलगढ़ा स्थित आम बागवानी, ओरदाना स्थित अबुआ आवास एवं कोंध पंचायत के बुढ़नगढ़ा में 35 एकड़ में विकसित आम बागवानी का उपायुक्त अजय नाथ झा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने योजनाओं से जुड़े लाभुकों से संवाद किया तथा योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उससे हो रहे लाभ की जानकारी ली।

ओरदाना में अबुआ आवास योजना के लाभुक श्रीमती सावीती देवी के घर पहुंचकर उपायुक्त ने परिवार के साथ बैठकर बातचीत की और घर में दिए गए पानी को सहज भाव से ग्रहण किया। इस क्षण ने उपस्थित ग्रामीणों को भावुक कर दिया। उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक सम्मानपूर्वक लाभ पहुंचाना है। प्रशासन लगातार यह सुनिश्चित कर रहा है कि जरूरतमंद परिवारों को योजनाओं का लाभ समय पर और पारदर्शी तरीके से मिले। उन्होंने आम बागवानी योजनाओं का निरीक्षण करते हुए लाभुक गोवर्धन मांझी, लाल किशुन मांझी, बाबु राम मांझी आदि से खेती एवं आय संवर्धन को लेकर विस्तार से संवाद किया। इस क्रम में उपायुक्त ने मल्टी क्रॉप खेती को बढ़ावा देने, खाली पड़े स्थानों पर पपीते के पौधे लगाने तथा ढलान वाले क्षेत्रों में तालाब निर्माण की संभावनाओं पर कार्य करने का निर्देश दिया। इस संबंध में उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) पेटरवार को प्रस्ताव तैयार करने एवं उत्पादन के बाजार (मार्केट लिंकेज) को लेकर एफपीओ की बैठक आहूत करने को कहा। उपायुक्त ने कहा कि आम बागवानी योजना ग्रामीणों की आय बढ़ाने, रोजगार सृजन एवं हरित विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के बेहतर रख-रखाव एवं लाभुकों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान लाभुकों ने उपायुक्त को बताया कि योजनाओं से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ, डीपीआरओ रवि कुमार, बीडीओ संतोष कुमार, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह, नोडल पदाधिकारी पंकज दूबे, प्रखंड स्तरीय कर्मी एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

प्रेम प्रसंग में युवती की हत्या मामले में आरोपी को उम्रकैद

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रेम प्रसंग से जुड़े हत्या के एक मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। गरिमा मिश्रा की अदालत ने आरोपी तूफान मांझी को आजीवन कारावास और 20 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई। मामले की जानकारी विशेष लोक अभियोजक आर के राय ने दी है। जानकारी के अनुसार पिंडराजोरा थाना क्षेत्र के लेदा गांव निवासी तूफान मांझी का गांव की ही एक युवती के साथ प्रेम संबंध था। इसी बीच युवती की शादी कहीं और तय हो गई। शादी तय होने के बाद आरोपी युवती के होने वाले पति को धमकी देकर शादी नहीं करने का दबाव बना रहा था, लेकिन युवक शादी के लिए तैयार हो गया। बताया गया कि 30 सितंबर 2020 को आरोपी ने युवती को अपने घर बुलाया। इसके बाद युवती के मोबाइल फोन से वीडियो कॉल कर उसके मंगेतर को युवती के साथ छेड़खानी करते हुए दिखाया। घटना के बाद युवती अचानक लापता हो गई। तीन अक्टूबर 2020 को आरोपी के घर के सामने स्थित कुएं से युवती का शव बरामद किया गया था। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी तूफान मांझी को गिरफ्तार किया था। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने आरोपी को हत्या का दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है।

हत्यारोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेरमो अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के कार्यालय तेनुघाट में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बशिष्ट नारायण सिंह ने प्रेसवार्ता कर पत्रकारों को बताया कि 12 मई 26 को सूचना प्राप्त हुई कि नावाडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चपरी में एक महिला का गला काट कर हत्या कर दी गई है। नावाडीह थाना में पिंटू कुमार महतो पिता मितन महतो सा. चपरी थाना नावाडीह जिला बोकारो के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई। पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीन बोकारो के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह के द्वारा एक एस आई टी टीम का गठन किया गया एवं कांड में संलिप्त अभियुक्त को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया। तकनिकी साक्ष्य एवं मानवीय सूचना के आधार पर कांड में संलिप्त अभियुक्त पिंटू कुमार महतो को चौबीस घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं अभियुक्त की निशानदेही पर कांड में प्रयुक्त चाकू को जप्त किया गया। हत्या का मुख्य कारण छेड़खानी बताया गया। वहीं श्री सिंह के द्वारा बताया गया की महिला कुआँ पर स्नान करने गई थी वही अभियुक्त द्वारा चाकू से हत्या की गई।

पेट्रोल -डीजल की सप्लाई में नहीं है कोई कमी

प्रशासन ने की अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दडाधिकार आदित्य रंजन की अध्यक्षता में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव तथा अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) एवं हिंदुस्तान पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के वरीय प्रबंधन के साथ बैठक कर पेट्रोल पंपों पर ईंधन सप्लाई की वास्तविक स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। उपायुक्त इस बैठक में ऑनलाइन जुड़े थे। पेट्रोलियम कंपनियों से जब पूछा गया कि बुधवार को अचानक सभी पेट्रोल पंप पर वाहनों की अत्यधिक भीड़ होने का क्या कारण था तब पेट्रोलियम कंपनियों ने बताया कि पेट्रोल डीजल की सप्लाई में कोई कमी नहीं है। आज सुबह से सभी पंप पर ईंधन की आपूर्ति जारी है। बताया कि बुधवार को अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर अचानक वाहनों की भीड़ उमड़ पड़ी। घबराहट में लोग अपने वाहनों में अतिरिक्त ईंधन भराने के लिए पहुंचने लगे। इसके कारण सामान्य व्यवस्था प्रभावित हुई। बताया कि बुधवार को अफवाह के कारण कुछ पेट्रोल पंपों पर 4 दिन की बिक्री के बराबर ईंधन की बिक्री हुई। अमूमन वाहनों में कम ईंधन भराने वालों ने भी अधिक ईंधन भरा लिया। जबकि ईंधन की सप्लाई सुचारू रूप से बनी हुई है। प्रबंधन ने धनबाद को अतिरिक्त ईंधन सप्लाई किया है। पेट्रोलियम कंपनी हर रिटेलर के स्टॉक की जानकारी ऑनलाइन देख सकते हैं। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती तब तक जिला प्रशासन एवं पेट्रोलियम कंपनियां रिटेल आउटलेट पर नजर बनाए रखेंगी। जिला पशासन ने सभी अंचल अधिकारियों एवं संबंधित थाना को अपने-अपने क्षेत्र के पेट्रोल पंप पर नजर बनाए रखने का निर्देश दिया है। उन्होंने जिला प्रशासन को पेट्रोल पंप में स्टॉक की सूचना देने का भी निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनहित के विरुद्ध रिटेल आउटलेट कोई काम नहीं करेगा। ईंधन का स्टॉक होने के बावजूद पेट्रोल पंप जानबूझकर ईंधन नहीं देगा तो जिला प्रशासन अपने स्तर से पंप संचालक के विरुद्ध करवाई करेगा। बैठक के अंत में उप विकास आयुक्त ने जिला प्रशासन की ओर से लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, बीपीसीएल के टेरिटरी मैनेजर मनीष कुमार गर्ग, एचपीसीएल के रीजनल मैनेजर अमित मेहता, आईओसीएल के डिविजनल मैनेजर सुयांश कुमार मौजूद।

प्रसव के बाद महिला की मौत, अस्पताल में हंगामा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आईटीआई मोड़ स्थित शिव अस्पताल में कथित लापरवाही से प्रसूता की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुआवजा और कार्रवाई की मांग की। घटना के बाद अस्पताल के सभी स्वास्थ्यकर्मी, चिकित्सक और प्रबंधन के लोग भी भाग खड़े हुए हैं। मृतका 19 वर्षीय लक्ष्मी कुमारी चास प्रखंड के सेनाबाद गांव की रहने वाली थी। परिजनों के अनुसार लक्ष्मी कुमारी को प्रसव पीड़ा होने पर बुधवार दोपहर करीब 3 बजे शिव अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के चिकित्सक और स्टाफ ने ऑपरेशन की बात कही, जिसके बाद महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया। लेकिन प्रसव के बाद उसकी तबीयत लगातार बिगड़ने लगी। आरोप है कि रातभर मरीज दर्द से तड़पती रही, लेकिन अस्पताल में कोई चिकित्सक मौजूद नहीं था। परिजनों द्वारा जानकारी देने के बावजूद अस्पताल कर्मियों ने मोबाइल फोन पर किसी से संपर्क कर इलाज शुरू किया। इसी दौरान अहले सुबह करीब पांच बजे लक्ष्मी कुमारी की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि हालत गंभीर होने के बावजूद मरीज को समय पर रेफर नहीं किया गया। वहीं मौत के बाद दूसरे अस्पताल ले जाने की बात कही गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि ब्लड चढ़ाने के नाम पर 10 हजार रुपये जमा कराने के बाद खून चढ़ाया गया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में काफी देर तक हंगामा होता रहा। गौरतलब है कि इससे पहले भी इसी अस्पताल में अवैध तरीके से अल्ट्रासाउंड सेंटर चलाने के आरोप में स्वास्थ्य विभाग द्वारा छापेमारी कर मशीन सील की गई थी। फिलहाल परिजन अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई और मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

चास सीओ की कथित मनमानी के खिलाफ एसडीएम से मिले कुमार अमित

ई.डब्लू.एस प्रमाण पत्र निर्गत करने में जनता को परेशान करने का लगाया आरोप

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आर्थिक रूप से पिछड़े समान्य वर्ग के लोगों के लिए ई.डब्लू.एस प्रमाण पत्र बनाने में चास अंचलाधिकारी के द्वारा की जा रही मनमानी की शिकायत लेकर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित अनुमंडलाधिकारी प्रांजल डांढा से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान कुमार अमित ने इस सम्बन्ध में चास अनुमंडलाधिकारी को एक ज्ञापन भी सौंपा। कुमार अमित ने अनुमंडलाधिकारी को बताया कि चास के वर्तमान अंचलाधिकारी ने जब से पदभार ग्रहण किया है तब से उनके द्वारा ई.डब्लू.एस प्रमाण पत्र निर्गत करने के नाम पर लोगों से अनावश्यक कागजातों की मांग कर आम जन को परेशान किया जा रहा है। जबकि पूर्व के अंचलाधिकारियों के द्वारा आय और आवासीय प्रमाण पत्र के आधार पर हीं इस प्रमाणपत्र को निर्गत किया जाता था। वर्तमान में भी बोकारो जिला के अन्य अंचलों में इन्हीं कागजातों के आधार ई.डब्लू.एस प्रमाण पत्र निर्गत किया जा रहा है। केवल चास अंचलाधिकारी हीं इस सम्बन्ध में पूर्व से जारी नियमावली को दरकिनार कर लोगों को परेशान कर रहे हैं। कुमार अमित ने अनुमंडलाधिकारी को और बताया कि इस संबंध में चास अंचलाधिकारी द्वारा जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों के निदेर्शों को भी मानने से इंकार किया जा रहा है जो कि चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके अलावे भाजपा नेता ने बोकारो स्टील प्लांट के विस्थापित ग्रामीणों के आवासीय, आय, जाति प्रमाण पत्र निर्गत न किए जाने को लेकर भी चास अनुमंडलाधिकारी से गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जिन्होंने अपनी जमीन देकर बोकारो को बसाया वे आज प्रशासन के द्वारा इन कागजातों के न बनाने करने से पहचान के साथ-साथ सरकारी योजनाओं से भी बंचित हो रहे हैं जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। कुमार अमित ने अनुमंडलाधिकारी से डी पी एल आर से निर्गत प्रमाण पत्र के आधार पर विस्थापितों को आय, आवासीय, जाति प्रमाण पत्र बनाने की मांग की। चास अनुमंडलाधिकारी प्रांजल डांढा ने इन मांगों पर यथाशीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन कुमार अमित को दिया।

हाथियों को लेकर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने का उपायुक्त ने दिया प्रस्ताव

मानव-हाथी संघर्ष के समाधान एवं सह-अस्तित्व को लेकर पेटरवार फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में उच्च स्तरीय बैठक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में मानव-वन्यजीव संघर्ष, विशेषकर हाथियों की समस्या के स्थायी एवं प्रभावी समाधान तथा वन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले समुदायों की आजीविका को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से गुरुवार को पेटरवार फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) रवि रंजन, उपायुक्त बोकारो अजय नाथ झा, जिला वन पदाधिकारी (डीएफओ) नीतीश कुमार, वन पदाधिकारी संदीप शींदे सहित जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआइसीए) के प्रतिनिधि एवं प्रोजेक्ट गणेशा के विशेषज्ञ शामिल हुए।

हाथी प्रभावित क्षेत्रों का किया गया क्षेत्र भ्रमण

बैठक से पूर्व जेआइसीए एवं प्रोजेक्ट गणेशा की संयुक्त टीम ने जिले के विभिन्न हाथी प्रभावित क्षेत्रों एवं संयुक्त वन प्रबंधन समिति (जेएफएमसी) क्षेत्रों का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान मानव-हाथी संघर्ष की वर्तमान स्थिति, प्रभावित गांवों की परिस्थितियों एवं जमीनी चुनौतियों का आकलन किया गया।

मानव-हाथी संघर्ष कम करने पर हुई विस्तृत चर्चा

पेटरवार रेस्ट हाउस में आयोजित बैठक में मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही, वन क्षेत्रों पर निर्भर ग्रामीणों की सुरक्षा,आजीविका सुदृढ़ीकरण तथा हाथियों के सुरक्षित आवागमन को लेकर जिला प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि जिला प्रशासन द्वारा हाथी प्रभावित क्षेत्रों में बी-कीपिंग (मधुमक्खी पालन), सोलर लाइट एवं हाई मास्क लाइट लगाए गए हैं, ताकि हाथियों की गतिविधियों पर नियंत्रण के साथ-साथ ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इन प्रयासों से मानव-हाथी संघर्ष को कम करने में सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं।

राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने का दिया गया प्रस्ताव

बैठक के दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा ने हाथी संघर्ष प्रबंधन विषय पर राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव दिया। बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य केवल संघर्ष को कम करना नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों एवं हाथियों के बीच बेहतर सह-अस्तित्व और तालमेल स्थापित करना होगा। सम्मेलन के माध्यम से हाथी प्रबंधन को संवेदनशील, सहभागी एवं स्वागत योग्य दृष्टिकोण के साथ विकसित करने की रूपरेखा तैयार करने पर बल दिया गया।

वन्यजीव संरक्षण - ग्रामीण विकास के संतुलन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

बैठक में कहा गया कि प्रशासन, वन विभाग एवं अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का संयुक्त प्रयास भविष्य में मानव एवं वन्यजीव दोनों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। यह पहल वन्यजीव संरक्षण एवं ग्रामीण विकास के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com